ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैसूरु दशहरा कर्नाटक की संस्कृति का प्रतीक चामुंडेश्वरी नारी में शक्ति का... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 23 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-262

आंध्र प्रदेश की पूर्व सरकार लूट रही थी तिरुपति मंदिर का धन

मंदिर से चुराया 100 करोड़ सीएम रेड्डी के घर पहुंचा

तिरुपति, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार तिरुपति मंदिर का धन लूट रही थी। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड के सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी ने सनसनीखेज सीसीटीवी फुटेज जारी कर मंदिर की सम्पत्ति की सरकारी लूट का पर्दाफाश किया है। बोर्ड ने कहा मंदिर से चुराए गए धन से सौ करोड़ रुपए तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन रेड्डी के घर पर पहुंचाया गया था। इस गंभीर आरोप और सीसीटीवी फुटेज के ज्वलंत प्रमाण के सार्वजनिक होने से पूरे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सनसनी फैल गई है। मौजूदा सरकार ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने का संकेत दिया है।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी ने पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी पर मंदिर की सम्पत्ति की चोरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। रेड्डी ने कहा कि लूटी गई धनराशि का एक हिस्सा जगन रेड्डी के घर ताडेपल्ली पैलेस में भेजा गया और घोटाले के बाद महत्वपूर्ण सबूत नष्ट कर दिए गए। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जारी कर कहा कि मंदिर के कर्मचारी रविकुमार ने दानपेटी से नकदी चुराई। यह धन सीएम जगन मोहन रेड्डी के आवास तक पहुंचा। भानु प्रकाश रेड्डी का कहना है कि वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस सरकार के दौरान तिरुपति मंदिर के परकामनी (दानपेटी) से 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी हुई थी। उनका दावा है कि मंदिर के कर्मचारी रविकुमार ने दानपेटी से नकदी चुराई। पिछली सरकार के अधिकारी इस चोरी में हिस्सा लेते थे। लेकिन मामला सामने आने के बाद अब रविकुमार की जान को वाईएसआरसीपी से खतरा है।

रेड्डी ने चोरी का सीसीटीवी फुटेज जारी किया, जिसे राज्य में मंत्री और टीडीपी नेता नारा लोकेश ने रिट्वीट किया है। टीडीपी एनडीए का घटक दल है। सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सबूत से पता चला है कि रविकुमार अमेरिकी डॉलर छिपा रहा था। टीटीडी के सतर्कता और सुरक्षा अधिकारी सतीश कुमार ने 29 अप्रैल 2023 की शाम छिपाए गए नोट के साथ रंगे हाथों पकड़ा था। पुलिस में शिकायत दर्ज किए जाने के बावजूद, मामले को लोक अदालत में सुलझा लिया गया।

जांच के दौरान आरोपी रवि कुमार की लेन-देन की जानकारी सामने आई है। उसमें कुमार दंपति की तिरुपति और चेन्नई में जमीन, घर और दूसरी अचल सम्पत्तियां थी। ▶10पर

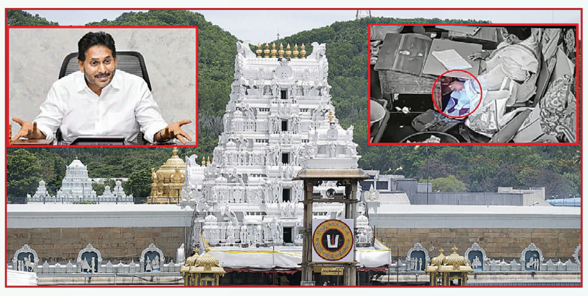

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने जारी किया सीसीटीवी फुटेज

हाईकोर्ट के फैसले से निकला जातिवाद के रोग का इलाज

यूपी में जाति आधारित रैलियों पर पूरी तरह रोक

जाति आधारित रैलियां बैन, FIR में जाति का जिक्र नहीं, योगी सरकार ने बदले नियम

सरकारी दस्तावेजों में भी नहीं होगा जाति का जिक्र

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। जिस सामाजिक बीमारी का कानूनी इलाज आज तक विधायिका नहीं खोज पाई उसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ढूंढ़ निकाला। हाईकोर्ट के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आदेश जारी कर प्रदेश में जाति आधारित सभी रैलियों पर रोक लगा दी है। सरकार की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक सरकारी दस्तावेजों और थानों में दर्ज होने वाली एफआईआर में भी जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में जाति आधारित रैलियों और सम्मेलनों पर पूरी तरह से रोक लगाने का औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही यह भी आदेश दिया गया है कि पुलिस रिकॉर्ड, सरकारी दस्तावेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इसके तहत एफआईआर और अरेस्ट मेमो में जाति की जगह माता-पिता के नाम लिखे जाएंगे। हालांकि, एससी/एसटी एक्ट जैसे मामलों में, जहां जाति का उल्लेख कानूनी रूप से आवश्यक है, वहां इस नियम में छूट रहेगी।

आदेश के मुताबिक अब राज्य में किसी भी प्रकार की जाति आधारित रैलियों या आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। पुलिस रिकॉर्ड्स में भी आवश्यक बदलाव होगा और एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो और अन्य सभी पुलिस दस्तावेजों से जाति का कॉलम हटा दिया जाएगा। आरोपियों की पहचान के लिए अब माता-पिता के नाम दर्ज किए जाएंगे। सरकारी और कानूनी दस्तावेजो में भी जाति से संबंधित कॉलम हटा दिए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों से भी सारे जातीय संकेत हटाए जाएंगे। पुलिस थानों के नोटिस बोर्ड, वाहनों और साइनबोर्ड्स से जातीय संकेत और नारे हटा दिए जाएंगे। सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। जाति आधारित कंटेंट को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया कंटेट को सख्त कानूनी घेरे में लिया जाएगा और आईटी नियमों के तहत कार्रवाई होगी। एससी/एसटी एक्ट में भी वहीं पर छूट मिलेगी जहां कानूनी रूप से ▶10पर

मणिपुर, मिजोरम, असम के बाद अरुणाचल पहुंचे प्रधानमंत्री

पूर्वोत्तर के राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी हैं : मोदी

अरुणाचल को मिली 5100 करोड़ की परियोजनाएं

ईटानगर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर, मिजोरम और असम के बाद अब अरुणाचल प्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश और दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि भारत की मौजूदा सरकार की नीति और निर्णयों में पूर्वोत्तर राज्य प्राथमिकता पर हैं। अरुणाचल प्रदेश की धरती से पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्य अष्टलक्ष्मी हैं और सरकार उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मिलकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अरुणाचल प्रदेश में 5,100 करोड़ से ज्यादा की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट, तवांग में कन्वेंशन सेंटर और कनेक्टिविटी एवं स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां पूर्वोत्तर राज्यों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में पिछली सरकारों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विकास की अनदेखी की तुलना में केंद्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि नेक नीयत के सही नतीजे अब दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उन्होंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्त करने का संकल्प लिया। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रेरणा किसी राज्य में वोट और सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित ही उनके हर फैसले की नींव है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अरुणाचल दौरे को तीन कारणों से विशेष बताया। पहला, नवरात्र के शुभ अवसर पर हिमालय की गोद में स्थित इस भूमि पर आकर मां शैलपुत्री का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दूसरा, देश में नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार लागू हुए और जीएसटी बचत उत्सव ▶10पर

टेकनपुर में शुरू हुआ ड्रोन वारफेयर स्कूल

अब देश के लिए तैयार होंगे ड्रोन कमांडो

टेकनपुर (मप्र), 22 सितंबर (एजेंसियां)।

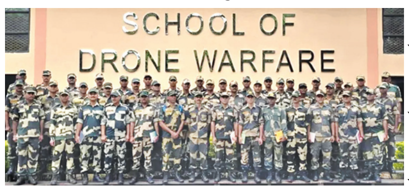

ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन्स की कामयाब मारक क्षमता और भविष्य में ड्रोन्स की होने वाली कारगर भूमिका को देखते हुए भारत सरकार ने ड्रोन कमांडो तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश के टेकनपुर में बीएसएफ के ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अब ड्रोन वारफेयर स्कूल शुरू किया गया है। यहां पर बीएसएफ के 47 जवानों को ड्रोन कमांडो की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग पांच हफ्तों तक चलेगी।

बीएसएफ अकादमी के एडीजी शमशेर सिंह ने कहा, हमारे जवान अब ड्रोन को बिल्कुल हथियार की तरह कंधे पर लादकर ले जाएंगे। ये ड्रोन न सिर्फ निगरानी और गश्त के लिए होंगे, बल्कि दुश्मन के ड्रोन्स को मार गिराने और जरूरत पड़ने पर बम फेंकने का काम भी करेंगे। उन्होंने कहा, रूस-यूक्रेन की जंग ने साफ दिखा दिया कि आजकल लड़ाई टैंकों या बंदूकों से नहीं, बल्कि हवा में उड़ते ड्रोन्स से हो रही है। शमशेर सिंह ने जोड़ा कि वो चाहते हैं हमारे जवान ड्रोन को वैसे ही हैंडल करें जैसे वे इंसास राइफल को 15 सेकंड में खोल-बंद कर लेते हैं। ड्रोन वारफेयर स्कूल में मिलने वाली ट्रेनिंग उन्हें इतना माहिर बना देगी कि फील्ड में कोई दिक्कत न हो। केंद्र सरकार की मदद से बीएसएफ अब ड्रोन्स को अपनी ताकत बनाने के लिए तैयार हो रही है। ▶10पर

मोरक्को में राजनाथ सिंह ने दिया धमाकेदार बयान

पीओके खुद कहेगा मैं भी भारत हूं

राबात (मोरक्को), 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को के दो दिवसीय दौरे के दरम्यान बड़ा धमाकेदार बयान दिया। राजनाथ के इस बयान के बाद एक बार फिर पाकिस्तान की अंदरूनी अराजक स्थिति को लेकर चर्चा तेज हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को में भारतीय समुदाय से बातचीत करते हुए कहा, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) खुद आगे आएगा और कहेगा हम भारत का हिस्सा हैं। हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की कोई जरूरत ही नहीं पड़ेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पीओके में मांग उठने लगी है, आपने सुना होगा कि एक-दो बार कुछ लोगों ने नारेबाजी की थी। मैं पांच साल पहले कश्मीर घाटी में एक कार्यक्रम में भारतीय सेना को संबोधित कर रहा था, उस समय भी मैंने कहा था कि पीओके को आक्रमण करके हड़पने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह हमारा तो ही है। अब पीओके खुद कहेगा कि मैं भी भारत हूं। वह दिन आने ही वाला है। राजनाथ सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया और कहा, आतंकवादी यहां आए और हमारे नागरिकों का धर्म पूछकर उन्हें मार डाला। हमने किसी का धर्म देख नहीं, उनका कर्म देख कर मारा है। उन्होंने कहा, हमने उन्हीं लोगों को मारा जिन्होंने हमारे लोगों को मारा। हमने किसी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया। केवल भारत ही ऐसा चरित्र रख सकता है। अगर हम चाहते तो किसी भी सैन्य या नागरिक प्रतिष्ठान पर हमला कर सकते थे, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। हमें भारत के इस चरित्र को कायम रखना है। ▶10पर

अंतरिक्ष में विदेशी उपग्रह की संदिग्ध हरकत

50 बॉडीगार्ड सैटेलाइट भेजेगा भारत

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत अब अंतरिक्ष में अपने उपग्रहों की सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड सैटेलाइट भेजने की योजना बना रहा है। हाल ही में एक पड़ोसी देश का उपग्रह इसरो के उपग्रह के बेहद करीब आ गया था। सरकार अब 50 निगरानी उपग्रह भेजने की तैयारी कर रही है। साथ ही स्टार्टअप्स की मदद से नई तकनीक विकसित कर रही है। इस योजना का मकसद उन संभावित हमलों को रोकना है, जो दुश्मन देशों के उपग्रहों से आ सकते हैं। यह कदम इसलिए तेजी से उठाया जा रहा है, क्योंकि हाल ही में एक विदेशी उपग्रह भारत के एक उपग्रह के बेहद करीब आ गया था।

केंद्र सरकार ऐसे बॉडीगार्ड उपग्रह बना रही है, जो भारतीय उपग्रहों के आसपास रहकर उन्हें खतरे से बचा सकें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को पहचान सकें। 2024 के मध्य में एक पड़ोसी देश का उपग्रह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक उपग्रह के महज एक किलोमीटर पास से गुजरा। यह इसरो का वो उपग्रह था, जो धरती पर निगरानी और मानचित्रण जैसे काम कर रहा था, जिनका उपयोग रक्षा क्षेत्र में भी होता है। उपग्रहों की टक्कर नहीं हुई लेकिन जानकारों का मानना है कि यह इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक तरह का शक्ति प्रदर्शन था। यानि दूसरा देश अंतरिक्ष में अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहता था। इस घटना ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ▶10पर

पाकिस्तान ने अपने ही लोगों पर बरसाए बम, 30 मरे

वजीरिस्तान, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के वजीरिस्तान स्थित तिराह घाटी में बिना कोई चेतावनी जारी किए ही बम बरसा दिए, जिसमें 30 लोगों की जान चली गई। बताया गया है कि यह बमबारी पाकिस्तानी वायुसेना के जेएफ-17 विमान ने की। इस विमान से जो बम बरसाए गए, वह घातक किस्म के एलएस-6 बम थे। यह घटना रविवार देर रात करीब दो बजे की है। धमाके इतने तेज थे कि गांव के गांव तबाह हो गए। हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं। पाकिस्तान की वायुसेना आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को निशाना बनाने की कोशिश कर ▶10पर

वक्फ सम्पत्ति होने का मस्जिद का दावा हाईकोर्ट में खारिज

निगाह थी 1100 एकड़ जमीन पर, मिली 2.34 एकड़

मद्रास हाईकोर्ट ने एक झटके में छीना

गांव की 1100 एकड़ जमीन को वक्फ प्रॉपर्टी बता हड़पना चाहती थी मस्जिद

313 साल पुराने ताम्र पत्र में टंकित तथ्य से मस्जिद के मंसूबे नाकाम

चेन्नई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली की 1100 एकड़ जमीन को वक्फ सम्पत्ति बताने का मस्जिद का दावा खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि मस्जिद को सिर्फ 2.34 एकड़ जमीन का हक है, जो 1712 में मदुरै के राजा ने दी थी और इसका जिक्र तांबे की प्लेट (कॉपर प्लेट) में टंकित है। मद्रास हाईकोर्ट ने इस मामले में गहराई से सुनवाई करने के बाद ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रमाणों के आधार पर फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि जब इतिहास खुद प्रामाणिक दस्तावेजों के जरिए सामने आता है, तो झूठे दावे टिक नहीं पाते। मस्जिद ने 2011 में वक्फ ट्रिब्यूनल में केस दाखिल कर कहा था कि उसे करीब 1100 एकड़ जमीन वक्फ सम्पत्ति के रूप में मिली है। ट्रिब्यूनल ने 2016 में मस्जिद के हक में फैसला दे दिया था। इसके बाद सरकार ने 2018 में वक्फ ट्रिब्यूनल के 2016 के फैसले को चुनौती दी और कहा कि मस्जिद को किसी भी जमीन का हक नहीं है क्योंकि वह जमीन पहले ही रैयतवारी जमीन के रूप में घोषित हो चुकी है और कई गरीब लोगों को खेती के लिए बांटी जा चुकी है। सरकार ने यह भी बताया कि 362 लोग उन जमीनों पर खेती कर रहे हैं और उनके पास वैध पट्टे हैं। सरकार ने कहा कि ये सारी जमीन पहले ही इनाम एक्ट के तहत 1966 में सरकार के नाम हो चुकी है और अब इसमें 362 किसान खेती कर रहे हैं, जिन्हें सरकारी पट्टा दिया गया है। ▶10पर

चिराग की पार्टी से जुड़ा गैंगस्टर रईस खान गिरफ्तार

सिवान, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के ठीक पहले एक बड़ी कार्रवाई हुई है। गैंगस्टर रईस खान और उसके तीन साथियों को बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सिवान में छापेमारी करके गिरफ्तार कर लिया। ये गिरफ्तारी इतनी संवेदनशील है कि राजनीतिक हलचल मचने वाली है, क्योंकि रईस खान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) का सक्रिय सदस्य है। छापेमारी के दौरान एके-47 राइफलों के 47 जिंदा कारतूस और दूसरे हाई-टेक हथियार बरामद हुए। सिवान के गुप्त ठिकाने पर एसटीएफ ने रईस खान को उसके ▶10पर

मिथ्यात्व से सम्यक्त्व में आने का मार्ग है प्रतिक्रमण: साध्वी उपमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित महासती निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपमा ने छह आवश्यकों में चौथे आवश्यक प्रतिक्रमण पर विस्तार से विवेचन किया।

उन्होंने कहा कि जैन धर्म में छः आवश्यक क्रियाओं का बहुत महत्व है। ये साधु साध्वी तथा श्रावक श्राविकाओं सभी के लिए साधना का आधार हैं। चौथा आवश्यक 'प्रतिक्रमण' ऐसा विधान है जिससे हम अपने पापों और दोषों की निंदा आलोचना कर सकते हैं। यह पर से स्व में आने का, मिथ्यात्व से सम्यक्त्व में आने का, आत्मा से परमात्मा में आने का मार्ग है।

आत्मपरिक्षण द्वारा दोषों को मिटाने का विधान ही प्रतिक्रमण है। मृगावती ने भावों से आल-ोचना करते-करते केवलज्ञान प्राप्त किया था। जैन धर्म में आलोचना का बहुत महत्व है। परमात्मा ने कहा है कि हमें अपने स्वयं के पापों की आलोचना करनी चाहिए, दूसरों की नहीं। प्रतिक्रमण दिनभर के दोषों और अतिचारों का आत्म-परीक्षण, स्वीकार और पश्चाताप है। साथ ही भविष्य में उन्हें न दोहराने का संकल्प भी। चिंतन, मनन और श्रद्धा से किया गया प्रतिक्रमण हमारी आत्मा को हल्का कर कर्मों की निर्जरा करता है। इस अवसर पर साध्वी ऋषिता ने मधुर स्तवन प्रस्तुत किया। साध्वी उपासना ने राजकुमार गो-विंदसिंह की प्रेरक कथा को आगे बढ़ाया तथा समरथमल कोठारी के मासखमण तप की अनुमोदना की।

उन्होंने कहा कि मासखमण तप आत्मशुद्धि, कर्मनिर्जरा और आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है। तपस्या के इस पुण्य कार्य से न केवल तपस्वी आत्मा निर्मल हुई है, बल्कि सम्पूर्ण संघ भी पुण्य का भागी बना है।

नेमीचंद दलाल ने तपस्वी के अनुमोदनार्थ कहा कि समरथमल कोठारी ने दीर्घ तपस्या के माध्यम से कोठारी परिवार ही नहीं राज-ाजीनगर संघ के गौरव को बढ़ता है।

महासती निर्मला ने तपस्वी समरथमल कोठारी को 33 उपव-ासों का पच्चखान कराया। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

दुनिया में हर एक व्यक्ति बनना चाहता है अमीर: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में हर एक व्यक्ति अमीर बनना चाहता है।

जिसके जीवन की आपूर्ति करने के लिए आवश्यक पैसे नहीं। वह भी अमीर होना चाहता है। जिसके पास जरूरत से ज्यादा पैसे हैं, वह भी अमीर होना चाहता है। आज पैसा जरूरत न होकर अनिवार्यता हो गया है। अनिवार्यता मिटकर सर्वस्व बन गया है। आदमी पैसों के लिए जीता है, पैसों के लिए ही खाता, पीता है। संबंध बनाता है, तोड़ता है। दुनिया में समाज की दो श्रेणियां हैं एक, पैसेवाला और दूसरा गरीब। आपके पास पैसा है तो आपकी कीमत है, पैसा नहीं है तो आपको कोई नहीं पूछता।

भाव नहीं देता अमीरी और गरीबी की क्या व्याख्या हो सकती है? इसका उत्तर पैसों की मात्रा से नहीं दिया जा सकता। इस प्रश्न का सही उत्तर यह है कि यदि आपकी इच्छाएं जरूरते आपके पैसों से ज्यादा है, तो आप गरीब हो। आपकी इच्छाएं आपकी आय, पैसों से कम है तो आप अमीर हो। पहले तो यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए कि अमीर होना और अमीर होने का एहसास होना अलग चीज है। अमीर या गरीब होना यह 'घटना' है। यह घटना आपकी मेहनत, संयोग और कर्म के आधार पर आकार लेती है। अमीर या गरीब होने का एहसास होना 'अनुभव' है।

अनुभव आपके अभिप्राय (एप्रोच) के सहारे आकार लेती है। अमीर या गरीब होने की घटना आपको अपेक्षित सुख-दुःख की सामग्री का नियमन कर सकते हैं। राजेन्द्र पोरवाल ने सेवा का लाभ लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रभु की वाणी में शिक्षा का खजाना: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर की अंतिम देशना शिक्षा का खजाना है। इसको सुन कर जीवन में उतारा तो जीवन का कल्याण निश्चित है। जैसे थोड़ा सा देने पर भी बच्चा खुश होता है। वैसे ही भगवान की वाणी का थोड़ा श्रवण करने से भी जीवन बदल सकता है। साधु संत किसी से लेना देना नहीं रखते है। साधु संत सांसारिक मोह माया से परे होते हैं। अगर साधु संत भगवान की वाणी को आप तक पहुंचा रहे हैं तो उसे सुन कर जीवन को बदल लेना चाहिए। संसार में रह कर मनुष्य पाप के मार्ग पर ही बढ़ रहा है। जब तक अज्ञानता दूर नहीं होगी तब तक मनुष्य पाप मार्गों से दूर नहीं हो पाएगा। मनुष्य जब भगवान की वाणी सुने तो उसको जीवन में उतारने का प्रयास करना ही चाहिए। साधु संत के माध्यम से ही वाणी श्रवण करने का मौका मिलता है। मनुष्य की भावना ही सब कराती है। लेकिन ज्ञानी कहते हैं कि मनुष्य का छोटा उम्र पापों में बीत रहा है। अब उसको सोचना ही चाहिए। अगर अभी भी नहीं चेता तो जीवन नर्क में चला जाएगा। पाप और गलत कर्म करने का फल जरूर मिलेगा। मौका मिले तो जीवन को पाप मार्ग से दूर कर लेना चाहिए। अगर अभी भी नहीं सोचे तो पछताने के अलावा कुछ हासिल होने वाला नहीं है। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य की छोटी उम्र है और उसमें भी बहुत झंझट है। ज्यादा उम्र तो पाप में ही बीत रहा है। पाप मार्गों से बचने का प्रयास करने वालों का जीवन बदलता है। हालात कैसे भी हो मनुष्य को अपनी मर्यादा नहीं भूलनी चाहिए। मर्यादा में रह कर ही मनुष्य को सारा काम करना चाहिए। मर्यादा में रहने वाला पाप मार्गों पर जाने से बचता है। जो बताए मार्गों पर चलेगा वह अपना जीवन बदल लेगा।

25 बोल कार्यशाला पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा निर्देशित 25 बोल कार्यशाला साध्वी श्री संयमलता जी द्वारा तेरापंथ भवन में सुबह प्रवचन के दौरान लगभग गत 10 दिनों से गतिमान है। इसी बीच कार्यशाला पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साध्वी श्री द्वारा नमस्कार महामंत्र से प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। साध्वी श्री संयम लता जी ने प्रेरणा देते हुए कहा 25 बोल को सरल तरीके से सीखने का यह एक माध्यम बनता है। प्रतियोगिता में 7 साल से 70 साल के व्यक्तियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 5 टीमों ने हिस्सा लिया, जिनके नाम 25 बोल, लघुदंडक, 21 द्वार, 52 बोल एवं गतागत था। कुल 5 राउंड द्वारा 25 बोल पर आधारित रोचक प्रश्न पूछे गये। प्रथम स्थान पर 25 बोल टीम, द्वितीय स्थान पर 52 बोल एवं तृतीय स्थान पर गतागत टीम रही। तेयुप अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया एवं आगे भी ऐसे ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में सभी को जुड़ने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में साध्वी श्री रौनकप्रभा जी का विशेष मार्गदर्शन रहा। डिजिटल सहयोग किशोर मंडल से रौनक गाँधी का रहा। संयोजक मयंक पोखरणा का विशेष श्रम रहा। इस अवसर पर महिला मंडल उपाध्यक्षा सुमित्रा बरडिया एवं श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

खागा की 34वीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन (खागा) की 34वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभा का शुभारंभ पूर्व अध्यक्ष बसंत जैन द्वारा मंगलाचरण से हुआ। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत करते हुए वर्तमान परिवेश में व्यापार की जटिलत-ाओं, बदलते ट्रेंड पर संबोधित किया।

सचिव कैलाश बालर ने खागा की उपलब्धियों की जानकारी दी और वर्ष भर की समुचित जानकारी साझा की।

सहमंत्री बिशनसिंह विराणा ने खागा कार्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और सदस्यता अभियान की जानकारी पेश की। अध्यक्ष प्रकाश भोजाणी, सचिव कैलाश बालर, खागा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, उपाध्यक्ष नरपतसिह राजपुरोहित, राजैश खैरा, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जोग सिंह पुरोहित, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, ऑडीटर इंदरचंद सोलंकी और संचालक पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता मंचासीन थे।

सज्जन राज मेहता ने बताया कि कोषाध्यक्ष जोगेश जैन ने वर्ष भर का लेखा जोखा पेश किया और सर्वसम्मति से पारित कराकर ऑडिटर इंदरचंद सोलंकी को पुनः नियुक्ति की घोषणा की। पूर्व अध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने कराधान समिति के संयोजक की रिपोर्ट, ऑडिटर इन्दरचंद सोलंकी ने जरूरी बदलाव, उपाध्यक्ष पहाड़सिंह राजपुरोहित ने एफकेसीसीआई के साथ के कार्यक्रमों और सिविक समिति के संयोजक की रिपोर्ट तथा खागा के सदस्य महावीर जैन, सिद्धार्थ मेहता, विकास चौपड़ा ने खागा के हित में सुझाव रखें और शुभकामनाएं संप्रेषित की। पूर्व अध्यक्ष वसंत जैन, दिलीप जैन, डूंगरमल चौपड़ा सहित कई कार्यकारिणी समिति सदस्य एवं सदस्य गण की गरिमामय उपस्थिति रही।

कलश स्थापना के साथ दशहरा महोत्सव शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्सवावधान में 47वां दशहरा महोत्सव 2025 का आयोजन प्रिंसेस श्राईन, पैलेस ग्राउंड में कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ। सुबह साढ़े ग्यारह बजे बनारस से पधारे आचार्य नित्यानंद शास्त्री, आचार्य अखिलेश द्विवेदी एवं आचार्य हेमंत गौतम ने समिति पूजा अध्यक्ष मुकेश कर्ण एवं उनकी पत्नी को पूजा का संकल्प विधि-विधान से दिलाया। इस अवसर पर समिति सचिव सुबोध सिंह, उपाध्याय अमित सिंह, पूर्व सचिव जे पी सिंह, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे, अरविंद कुमार शर्मा, राम कंवल सिंह, सुरेन्द्र कुमार पुरी, एसपी सिंह, सतीश श्रीव-ास्तव, मनीष श्रीवास्तव, नीरज मिश्रा, अमित अनुपम, मुकुल भारद्वाज, रमा प्रसाद, रुबी भारद्वाज, अंजना दुबे, शांता सिंह, देवंती देवी, सुचिता शर्मा, जसबीर सिंह आदि भक्तों ने मां भगवती की पूजा में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। मां भगवती की पूजा दशमी पूजन तक अनवरत होती रहेगी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। किरण डांस कंपनी लग्गेरे द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर किरण एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गुरु दर्शन यात्रा में मिली संयम और साधना की प्रेरणा

हुब्बली/शुभ लाभ ब्यूरो। महाराष्ट्र के बीड़ में चातुर्मास हेतु विराजमान श्रमण संघीय साध्वी स्पष्टवक्ता आभाश्री जी महाराज, डॉ. महिमाश्री जी, डॉ. श्रेयांशीश्री जी के दर्शन हेतु हुब्बली स्थानकवासी जैन समाज के सदस्यों ने गुरुदर्शन यात्रा का आयोजन किया। इस अवसर पर समाजजनों ने साध्वी श्री के प्रेरणादायक प्रवचनों को श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। साध्वी आभाजी ने धर्म, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए जीवन को साधना, सेवा और त्याग से संवारने का संदेश दिया। इस दर्शन यात्रा में हुब्बली स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, उपाध्यक्ष शांतिलाल खीवेंसरा, मंत्री प्रकाश कटारिया, सहमंत्री महेन्द्र विनायकिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, निदेशक गौतम गोलेछा, अशोक कोठारी, भरत भंडारी, पूर्व सहमंत्री मदन तातेड़, शांतिलाल बोहरा, प्रकाश चोरडिया, कांतिलाल संचेती सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए महेन्द्र सिंघी ने कोविड काल में हुब्बली में आयोजित चातुर्मास की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने साध्वीजी के सान्निध्य को समाज के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए संयम, साधना और सत्कार्य के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान संघ के मंत्री प्रकाश कटारिया ने भी समाज की ओर से अपनी भावनाएं प्रकट की। इस दर्शन यात्रा का लाभ हुब्बली संघ के गौरव अध्यक्ष व साध्वी आभाश्री जी के धर्म पिता बाबूलाल पारेख ने लिया। कार्यक्रम के अंत में बीड़ संघ द्वारा हुब्बली संघ के पदाधिकारियों का सम्मान-सत्कार भी किया गया।

अमावस्या पर महाप्रसादी का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा प्रति माह की अमावस्या को की जाने वाली महाप्रसादी अन्नदानम कार्यक्रम की 92वीं कड़ी इस बार सोमवार को विशेष प्रथम नवरात्र दिवस पर निर्बाध गति से हजारों लोगों को भोजन कराकर संपन्न हुई। इसी दौरान समिति द्वारा आयोजन के लाभार्थी अभय कुमार, मंजू बाई, रोहित कुमार, तनिष्क नाहटा परिवार का सत्कार किया गया। समिति के उपाध्यक्ष अनिल बाफना ने बताया कि चेयरमैन गौतम चंद धारीवाल की अध्यक्षता एवं निर्देशन में स्थानीय मैसूरु बैंक सर्कल स्थित श्री हनुमानजी मंदिर के समीप आयोजित महाप्रसादी के लाभार्थी नाहटा परिवार एवं मासिक समिति सदस्यगणों के सौजन्य से यह महाप्रसादम सम्पन्न हुआ। इस दौरान कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, उत्तमचंद मुथा, अनिल बाफना, राजू आंचलिया, रितु संचेती, श्रुति जैन, अशोक शर्मा, मंजू राव यादव, अनिल पोकरणा, विनोद चौरडिया, मनु बाफना, प्रकाश बाफना, राजू सिंह आदि कार्यकर्ताओं ने सेवा सहयोग में करीब 3500 से अधिक लोगों को प्रसाद कराया। अनिल बाफना ने बताया कि महाप्रसादी के लाभार्थी परिवार एवं सेवाभावी समिति सदस्यों कार्यकर्ताओं आदि सभी का आभार कार्याध्यक्ष आशीष बाफना ने जताया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र बोमसंद्रा के हुलिमंगला रोड पर स्थित डीएस मेक्स स्काय क्लासिक में अमावस्या तथा अपने पूर्वजों के प्रति समर्पित भावना स्वरूप सोसायटी के नव युवकों ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। हेमोकेएयर ब्लड बैंक ने रक्त एकत्र किया। सोसायटी के करीब 50 महिला एवं पुरुषों ने रक्त दान किया। इस अवसर पर बच्चों ने चित्रकारी प्रतियोगिता में भाग लिया।

नि:शुल्क मधुमेह, रक्तचाप शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा मानव सेवा के अंतर्गत मदारिया जैन ओसवाल साजनान समाज द्वारा पैलेस ग्राउंड में आयोजित स्नेहमिलन में नि:शुल्क मधुमेह, रक्तचाप, डेंटल चेक-अप एवं त्वचा संबंधित रोगों का परामर्श प्रदान किया गया।

कैम्प की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। ग्लूकोमीटर से रैंडम ब्लड शुगर एवं रक्तचाप की जाँच कर डॉक्टर से परामर्श हेतु कहा गया। 153 सदस्यों की जांच हुई। त्वचा विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार ने त्वचा संबधित रोगों का परामर्श प्रदान करते हुए 7 सदस्यों का परीक्षण किया। डेंटल के सहयोग से 63 सदस्यों की दंत परीक्षण एवं दंत चिकित्सा की गई। कुल 216 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों ने उपस्थित जनवेदनी से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी एवं डे केयर श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से सभी को अवगत कराया। जैन समाज के सदस्यों ने मानव सेवा के उपक्रम की खूब खूब सराहना करते हुए परिषद परिवार के प्रति मंगल कामनाएं संप्रेषित की।

मैसूरु दशहरा कर्नाटक की संस्कृति का प्रतीक चामुंडेश्वरी नारी में शक्ति का प्रतीक: बानू मुश्ताक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक, जिन्होंने सोमवार को मैसूरु दशहरा का उद्घाटन किया, ने इस उत्सव को कर्नाटक की सामूहिक संस्कृति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा मैसूरु की अधिष्ठात्री देवी, देवी चामुंडेश्वरी, एक महिला की शक्ति और उसकी अजेय इच्छाशक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि नारीत्व न केवल कोमलता और मातृ स्नेह का प्रतीक है, बल्कि अन्याय से लड़ने वाली शक्ति का भी प्रतीक है। यह उद्घाटन समारोह विवादों के बीच हुआ, जहाँ कर्नाटक सरकार द्वारा बानू मुश्ताक को उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर कुछ वर्गों ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने मैसूरु के चामुंडेश्वरी मंदिर में पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प वर्षा करके शुभ 'वृश्चिक लग्न' के दौरान उत्सव का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में, मुश्ताक ने कहा हमारी संस्कृति हमारी जड़ है, सद्भाव हमारी ताकत है और अर्थव्यवस्था हमारे पंख हैं। आइए, हम भारत के युवाओं के साथ मिलकर एक ऐसे नए समाज का निर्माण करें जो मानवीय मूल्यों और प्रेम से

परिपूर्ण हो - जो शैक्षिक, आर्थिक और औद्योगिक रूप से भी मजबूत हो। उस समाज में सभी को समान भागीदारी और अवसर मिले। हिंदू धर्म के साथ अपने जुड़ाव को साझा करते हुए, उन्होंने कहा मैं कई कार्यक्रमों में गई हूँ, कई कार्यक्रमों में आमंत्रित की गई हूँ, मैंने कई बार दीप जलाए हैं और फूल चढ़ाए हैं और मंगल आरती स्वीकार की है। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी सरकार को नैतिक रूप से उनके साथ खड़े रहने और कई चुनौतियों के बावजूद उन्हें दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। यह कहते हुए कि देवी चामुंडेश्वरी की कृपा से भव्य दशहरा उत्सव का उद्घाटन हो रहा है, मुश्ताक ने कहा कि चामुंडेश्वरी देवी मंदिर की उनकी यात्रा लंबित थी और मैसूरु दशहरा के उद्घाटन के अवसर ने उनकी एक मन्नत पूरी करने में मदद की।

उन्होंने कहा मैंने एक साक्षात्कार के दौरान पहले ही बताया था कि जब मेरा नाम बुकर पुरस्कार के लिए नामांकित हुआ था, तब मैसूरु में मेरे एक लेखक मित्र ने देवी चामुंडेश्वरी से प्रार्थना की थी और मुझे मंदिर लाने का संकल्प लिया था। विभिन्न कारणों से, मैं पहले नहीं जा सकी थी, लेकिन देवी चामुंडी ने मुझे सरकार के निमंत्रण पर बुलाया है। इस मामले में कई उतार-चढ़ाव और विभिन्न प्रकार की ऐतिहासिक परिस्थितियों के बावजूद, देवी चामुंडेश्वरी ने मुझे यहाँ बुलाया है और मैं उनकी उपस्थिति (मंदिर में) से आपके सामने आई हूँ। देवी माँ की कृपा से दशहरा के उद्घाटन को अपने जीवन का सबसे सम्मानजनक क्षण बताते हुए, मुश्ताक ने कहा, दशहरा हमारी सामूहिक संस्कृति का प्रतीक है। मैसूरु के राजाओं की सांस्कृतिक विरासत से लेकर हमारे दिलों में बसी कन्नड़ भाषा की गूंज तक, यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि संस्कृति विभिन्न स्वरों का संगम है, विविधता में एकता की खुशबू है। यह देखते हुए कि मैसूरु के उर्दू भाषी लोग नवरात्रि के प्रत्येक दिन के लिए उर्दू में अपना प्रतीकात्मक नाम रखते हैं, क्योंकि यह उनकी संस्कृति का हिस्सा है, मुश्ताक ने कहा कोई भी अलग या बाहरी नहीं है। यह एक सांस्कृतिक त्योहार है जिसे सभी लोग मिलकर मनाते हैं। यह याद करते हुए कि उनके एक चाचा मैसूरु महाराजा के अंगरक्षक दल में एक सैनिक थे, उन्होंने कहा महाराजा जयचामाराजेंद्र वाडियार ने मुसलमानों में आस्था रखी थी। उन्होंने उन्हें अपने अंगरक्षक के रूप में नियुक्त किया था। इससे मुझे सचमुच गर्व होता है। संस्कृति एक ऐसी चीज है जो दिलों को जोड़ती है, इसका उद्देश्य प्रेम फैलाना है, न कि नफरत। मेरे धार्मिक विश्वास और जीवन के सबक कभी भी सीमा पार नहीं करते और हमेशा मानवीय पहलुओं पर आधारित रहे हैं।

बानू मुश्ताक ने चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर दशहरा का किया उद्घाटन

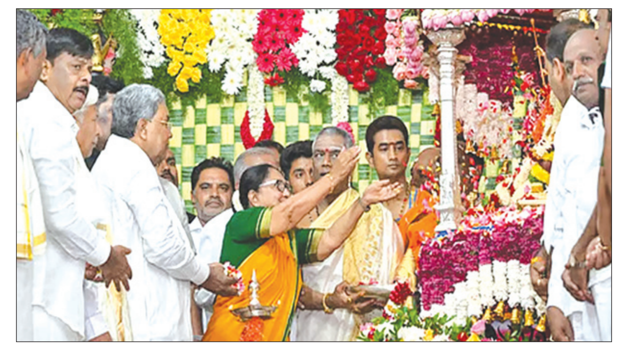

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा का आधिकारिक उद्घाटन बुकर पुरस्कार विजेता और लेखिका बानू मुश्ताक ने देवी चामुंडेश्वरी की उत्सव प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। सुबह, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जिला प्रभारी मंत्री एच.सी. महादेवप्पा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने चामुंडी पहाड़ियों का दौरा किया और मंदिर परिसर में विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और फिर देवी चामुंडेश्वरी की पूजा-अर्चना की। इससे पहले, देवी सरोवर से जल लाकर सुबह से ही माता चामुंडेश्वरी का अभिषेक किया गया, जिसके बाद पंचामृत अभिषेक और रुद्राभिषेक किया गया। मंदिर को विभिन्न फूलों और गन्नों से विशेष रूप से सजाया गया था। देवी को ब्राह्मी आभूषणों से सजाया गया और मुख्य पुजारी शशिशेखर दीक्षित ने मन्नत मांगने के बाद महामंगलआरती की। मंगलआरती ग्रहण करते समय बानू मुश्ताक भावुक हो गईं। बाद में, मुश्ताक को उद्घाटन कार्यक्रम के लिए पुजारी से फूलों की माला मिली। देवी और दशहरा के उद्घाटन के लिए हल्दी रंग की साड़ी और हरे रंग का ब्लाउज पहनना और फूलों से सुसज्जित होना विशेष था। बाद में, मंदिर परिसर में बने विशाल मंच पर पहुँचीं बानू मुश्ताक का मैसूरी पगड़ी और शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। सुबह 10.10 से 10.40 बजे तक, साहित्य बानू मुश्ताक ने वृश्चिक लग्न में चांदी के रथ में सजी देवी चामुंडेश्वरी की उत्सव प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दशहरा का उद्घाटन किया। मंचीय कार्यक्रम में मंत्री वेंकटेश, मुनियप्पा, एच.सी. महादेवप्पा, शिवराज, एच.के. पाटिल, विधायक जी.टी. देवेगौड़ा, तनवीर सैत, श्रीवत्स, जिला कलेक्टर लक्ष्मीकांत रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति और अधिकारी शामिल हुए।

कुद्रोली गोकर्णनाथेश्वर मंदिर में मेंगलूरु दशहरा उत्सव का उद्घाटन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रामकृष्ण मिशन, मेंगलूरु के अध्यक्ष जीतकामानंदजी महाराज और ब्रह्मकुमारी, मेंगलूरु की प्रमुख ब्रह्मकुमारी विश्वेश्वरी जी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और मंदिर विकास संरक्षक बी. जनार्दन पुजारी की उपस्थिति में सोमवार को कुद्रोली गोकर्णनाथेश्वर मंदिर में 10 दिवसीय दशहरा उत्सव का उद्घाटन किया। उद्घाटन के अवसर पर, नवदुर्गा और देवी शारदा की मूर्तियों की स्थापना की गई। देवी शारदा की मूर्ति को मंदिर परिसर में एक सादे जुलूस के साथ लाया गया, और इस अवसर पर पारंपरिक बाघ नृत्य का प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेता आर. पद्मराज, विधायक वेदव्यास कामथ, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा और अन्य उपस्थित थे। नौ दिनों के दौरान, कई सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ और भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिनमें नृत्य, चित्रकला और रुद्र तांडव प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। इस वर्ष का उत्सव वैदिक परंपराओं, धार्मिक भक्ति, सांस्कृतिक वैभव, संगीत, कला, साहित्य और खेलकूद के संगम को दर्शाता है, जो नवदुर्गाओं की पूजा पर केंद्रित है।

भाजपा ने सरलीकृत जीएसटी का स्वागत कर जश्न मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सरलीकृत जीएसटी 2.0 प्रणाली के कार्यान्वयन का स्वागत किया और भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन के सामने पटाखे फोड़कर और मिठाइयाँ बाँटकर जश्न मनाया। जीएसटी को सरल बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए नारे लगाए गए। बाद में, मल्लेश्वरम की दुकानों पर मिठाइयाँ बाँटी गईं।

इस अवसर पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय पूर्व महासचिव सी.एन. रामू, प्रदेश प्रवक्ता एम.जी. महेश, एच. वेंकटेश दोड्डेरी, मोहन विश्वा, प्रदेश मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले, सह-संयोजक प्रशांत केडेनजी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरलीकृत जीएसटी प्रणाली का करते हैं स्वागत: बी.वाई. विजयेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने सोमवार को शिवमोग्गा में दुकानों पर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार द्वारा सरलीकृत जीएसटी 2.0 प्रणाली लागू किए जाने का स्वागत किया और मिठाइयाँ बाँटीं। बाद में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी के दो स्लैब लागू किए गए हैं। इसके जरिए उन्होंने लोगों को दिवाली का तोहफा दिया है।

भाजपा इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देती है। उन्होंने कहा कि हम जनता की ओर से केंद्र सरकार को धन्यवाद देने के लिए यह उत्सव मना रहे हैं। हमने देखा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने विभिन्न देशों पर कर बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि हमें सभी मुद्दों पर व्यापक रूप से सोचना चाहिए और वैश्विक चुनौतियों का सामना करना चाहिए। भारत को 2047 तक एक विकासशील देश बनना चाहिए। हमें यह दृष्टिकोण रखना चाहिए कि यह एक विकसित भारत बने। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डी.एस. अरुण, डॉ. धनंजय सरजी, शिवमोग्गा जिला अध्यक्ष एन.के. जगदीश, नगर मंडल अध्यक्ष मोहन रेड्डी और कार्यकर्ता उप-स्थित थे।

कांग्रेस सरकार का पाखंड और कट्टरता सर्वेक्षण

जातियों से ईसाई का टैग हटाया जाए: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि क्या सरकार किसी खास धर्म को बढ़ावा देने की मंशा रखती है? इस सर्वेक्षण में आदि आंध्र ईसाई, आदि कर्नाटक ईसाई, आदि द्रविड़ ईसाई समेत दर्जनों जातियों को शामिल करने के लिए आपको किसने प्रेरित किया? उन्होंने माँग की है कि सर्वेक्षण में इन जातियों का ईसाई टैग शामिल न किया जाए। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास जाति जनगणना कराने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण होता है। हालाँकि, उन्होंने आदि आंध्र ईसाई, आदि कर्नाटक ईसाई, आदि द्रविड़ ईसाई, बंजारा ईसाई, बुडागा जंगम ईसाई, आदि सभी जातियों में ईसाई शब्द जोड़ दिया है, जो अनुसूचित जातियों में हैं। उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे मंशा इन सभी को ईसाई बनाने की है। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार का यह सर्वेक्षण पाखंडपूर्ण और देशद्रोही है। सर्वेक्षण में आपको यह बताने की जरूरत नहीं है कि आप किस जाति या धर्म से हैं।

सरकारी रिकॉर्ड के लिए इसकी जरूरत नहीं है। इन सब बातों को छोड़कर, कुरुबा ईसाई, वोक्कालिगा ईसाई जैसे काम करना गैरकानूनी है।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा किया गया तो जातियों का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने आपत्ति जताई कि अगर सरकार की मंशा है कि राज्य में कोई भी अमन-चैन से न रहे, तो यह पूरा नहीं होगा। क्या सोनिया गांधी ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा था? क्या आम लोगों ने आवेदन किया था या सड़कों पर उतरकर मांग की थी कि उन्हें ईसाई के रूप में जोड़ा जाए। लोग ऐसा न करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। आपको इसका कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को छोड़कर पूरी कांग्रेस कैबिनेट इसके खिलाफ है। पूरा भाजपा नेतृत्व आपके खिलाफ है। यह जनता दल के खिलाफ है। धार्मिक नेता और समुदाय के नेता आपके खिलाफ हैं। उन्होंने शिकायत की कि राज्य में अत्यधिक भ्रम की स्थिति के कारण, सरकार ने आज से पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से जाति सर्वेक्षण कराने का फैसला किया है। यह सर्वेक्षण कोई नई बात नहीं है। कांताराजू आयोग का गठन हुआ था और सर्वेक्षण हुआ था। सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया। मुझे नहीं पता कि वह रिपोर्ट कहाँ गई। ऐसा लगता है कि वह चोरी हो गई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार चोरी हुई आयोग की रिपोर्ट नहीं ढूंढ पाई है। पहले आयोग पर लगभग 180 करोड़ खर्च किए गए थे। नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि वह जयप्रकाश हेगड़े आयोग की रिपोर्ट पर कितना खर्च हुआ, इस बारे में मुँह नहीं खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कांताराजू रिपोर्ट स्वीकार कर ली जाती, तो लोगों की भावनाओं का सम्मान होता। अब वे फिर से 425 करोड़ खर्च कर रहे हैं। क्या यह कांग्रेस का खजाना है, क्या आप इसे घर से लाएँगे? उन्होंने पूछा कि आपको जनता का पैसा अपनी मर्जी से बर्बाद करने का अधिकार किसने दिया? राज्य का विकास शून्य है। लोगों की दुर्दशा पर प्रतिक्रिया देना संभव नहीं है। शहरों के गड्ढों को बंद करने की क्षमता नहीं है। राज्य के उद्योगपति आपको पत्र लिख रहे हैं, ट्वीट करके यहाँ से कचरा हटाने की जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि वे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सर्वेक्षण के जरिए भ्रम पैदा कर रहे हैं।

अगर राजनीति करनी है, तो चुनावों के दौरान करें हमारे सांस्कृतिक उत्सव के दौरान नहीं: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राजनीतिक विरोधियों को 'नाडा हब्बा' (राज्य उत्सव) को लेकर ओछी राजनीति करने से आगाह किया है। मैसूरु की चामुंडी पहाड़ियों पर सोमवार को पारंपरिक रूप से इसकी शुरुआत हुई। देवी चामुंडेश्वरी की पूजा-अर्चना और मैसूरु दशहरा 2025 का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, सिद्धरामैया ने कहा मैदान है, चलो चुनाव में राजनीति करते हैं। लेकिन नाडा हब्बा को लेकर गंदी राजनीति न करें।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता और लेखिका बानू मुश्ताक द्वारा इस वर्ष के उत्सव का उद्घाटन करवाने के निर्णय का बचाव किया। उन्होंने कहा जिन लोगों ने उनका विरोध किया, उन्हें न तो दशहरा का ज्ञान है और न ही हमारी सांस्कृतिक विरासत का। इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करना और स्वार्थी राजनीति करना अक्षम्य है। अगर आपको राजनीति करनी है, तो चुनावों के दौरान करें, हमारे सांस्कृतिक उत्सव के दौरान नहीं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के एक बड़े वर्ग ने मुश्ताक द्वारा उत्सव का उद्घाटन करने का स्वागत किया है और यह कर्नाटक के लिए गर्व की बात है। उन्होंने तर्क दिया यह उचित ही है कि एक अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता ने दशहरा का उद्घाटन किया। बानू मुश्ताक सिर्फ एक मुस्लिम महिला नहीं हैं। वह एक इंसान हैं जो मानवीय मूल्यों को बनाए रखती हैं।

हमें नफरत से नहीं, बल्कि प्रेम से रहना चाहिए। नफरत मानवता के खिलाफ है, और जो नफरत फैलाते हैं, वे मानवता के ही खिलाफ हैं। संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष और गैर-धार्मिक है। कर्नाटक उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय, दोनों ने इसे बरकरार रखा है। हमें अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझने के लिए पहले संविधान को समझना होगा।

सिद्धरामैया ने कहा कि बानू मुश्ताक के दशहरा उद्घाटन भाषण ने उन लोगों की आँखें खोल दी हैं, जिन्होंने उन्हें 'नाडा हब्बा' के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने का विरोध किया था। 'राष्ट्रकवि' कुवेम्पु को उद्धृत करते हुए, सिद्धरामैया ने याद दिलाया, 'मंदिरों, गिरजाघरों और मस्जिदों को पीछे छोड़ दो।

हमारा बगीचा सभी समुदायों के लिए शांति का बगीचा है। हमें कुवेम्पु के शब्दों को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर्नाटक को कुवेम्पु की कल्पना के अनुसार बनाया जाना चाहिए - सभी जातियों के लिए एक शांतिपूर्ण बगीचा। भाजपा की ओर ध्यान दिलाते हुए, जिसने कांग्रेस सरकार की गारंटी योजनाओं की आलोचना करते हुए दावा किया है कि ये राज्य को दिवालिया बना देंगी, सिद्धरामैया ने पूछा, क्या भाजपा नेता हमारी गारंटियों के लाभार्थी नहीं हैं? हमने संविधान की भावना के अनुरूप इन गारंटियों को लागू किया है, जिससे सभी जातियों, धर्मों और राजनीतिक संबद्धताओं के गरीबों को लाभ हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये योजनाएँ जारी रहेंगी।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा इन गारंटियों की वजह से कर्नाटक की प्रति व्यक्ति आय अब देश में सबसे ज्यादा 2.04 लाख है। वास्तव में, प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है। हमारा राज्य जीडीपी में भी पहले स्थान पर है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा एक तरफ भाजपा हमारी गारंटियों का विरोध करती है। दूसरी तरफ, वे उनकी नकल करते हैं। सिद्धरामैया ने दावा किया कि महिलाओं के रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, और इसका श्रेय सरकार की गारंटियों को दिया। उन्होंने कहा अकेले बेंगलूरु में महिलाओं के लिए रोजगार में 21 प्रतिशत और हुब्बल्ली क्षेत्र में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ भवन, विजयनगर में टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट की नई कार्यकारिणी (कार्यकाल 2025-26) का शपथ ग्रहण समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित हुआ। यह आयोजन साध्वी श्री संयमलता जी के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। समारोह में टीपीएफ अध्यक्ष ललित बेगानी ने नई टीम की घोषणा की। डॉ. प्रकाश छाजेड, संजय मालू उपाध्यक्ष, कौशल खटेड़ मंत्री, आशीष सिंघी संगठन मंत्री, दीक्षा जैन, सुमित धारेवा, दीपिका जैन, विवेक सेठिया सहमंत्री, आशुतोष नाहर कोषाध्यक्ष, दीपिका जैन संयुक्त कोषाध्यक्ष नियुक्त हुए। टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने अपने उद्बोधन में टीपीएफ की आवश्यकता, उद्देश्य और समाज व प्रोफेशनल्स कार्यों की जानकारी साझा की। साध्वी श्री संयमलता जी ने मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए नई टीम को प्रेरित किया कि वे आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़े रहकर व्यावसायिक उन्नति और सामाजिक सेवा दोनों में आगे बढ़ें। इस अवसर पर 15 से अधिक तपस्वियों का अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने अपना परिचय दिया और आपसी नेटवर्किंग को मजबूत किया। कार्यक्रम का संचालन टीपीएफ मंत्री कौशल खटेड़ ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन दीक्षा जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। समारोह में एम.सी. बलडोटा, पुष्पराज चोपड़ा, जितेंद्र आँचलिया, मंगल कोचर, कमलेश चोपड़ा सहित अनेक गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

भाषा साहित्य मंच का शिक्षक एवं हिंदी दिवस पर गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाषा साहित्य मंच के तत्वावधान में शिक्षक दिवस एवं हिंदी दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता मंच की वरिष्ठ अध्यक्षा एवं साहित्यकारा वत्सला ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ शोभा सतीश पाठक की माँ सरस्वती की वंदना और वत्सला द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। डॉ. उषा श्रीवास्तव ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में दोनों दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् मंच संचालिका सरिता श्रीवास्तव ने दोनों पर्वों का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण हैं और हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है।

इस गोष्ठी में शोभा सतीश पाठक की कविता माँ सबसे पहली शिक्षिका, डॉ. सुमन मेहरोत्रा द्वारा हिंदी भाषा की महिमा का सुंदर गान, तो भगवती सक्सेना, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, गीता चौबे द्वारा हिंदी को सत्य का परिधान, दादी -नानी की लोरी तथा महान कवियों और लेखकों द्वारा इस हिंदी भाषा की गूँज को विदेशों तक पहुँचाने वाला बताया है।

मंजरी पाठक की समसायिक विषय पर रचना ने सबका मन मोह लिया। पूनम कतियार नें हिंदी को विश्ववाणी में लक्ष्मी जी का स्वरुप कहा जिसका श्रृंगार अलंकार, रस और छंद है। जहाँ सुदेश वत्स के एकालाप ने तो सबको मन्त्रमुग्ध कर दिया वहीं लता शाह ने अपने वक्तव्य द्वारा स्वयं श्री कृष्ण को हमारे जगत एवं परम गुरु बताकर आध्यात्मिकता के दर्शन करा दिए। त्रिशला मिश्रा,वीना सरीन ने अपनी कविता और लेखों के माध्यम से शिक्षक और गुरु के महत्व को दर्शाया है। वहीं ऋता शेखर जी की लघुकथाओं ने हमें सोचने पर मजबूर कर दिया। जागृति ने अपनी प्यारी-सी कविता द्वारा बताया कि अगर हिंदी न होती तो क्या होता? डॉ.वत्सला के अध्यक्षीय उद्बोधन तथा प्रवीणा कुलश्रेष्ठ के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मंत्री ने शिवमोग्गा में गणनाकर्ताओं को किट वितरित कर जाति जनगणना का शुभारंभ किया

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने सोमवार को शिवमोग्गा जिले में दूसरे सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपायुक्त गुरुदत्त हेगड़े और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में गणनाकर्ताओं (प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों) को किट वितरित की गईं। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने गणनाकर्ताओं को किट प्रदान की हैं।

प्रत्येक किट में सर्वेक्षण से संबंधित एक पुस्तिका, आँकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद घर की दीवार पर चिपकाने के लिए स्टिकर और एक टोपी शामिल है। मधु बंगारप्पा ने बताया कि सरकार ने सर्वेक्षण की पूरी तैयारी कर ली है। शिक्षक परिवारों से मिलेंगे और सर्वेक्षण के लिए आवश्यक आँकड़े एकत्र करेंगे। इस प्रक्रिया के निष्कर्षों से सरकार को समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए नीतियाँ बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा यदि आवश्यक हुआ, तो सरकार इस प्रक्रिया के संचालन के लिए अन्य विभागों के कर्मचारियों को भी शामिल करेगी और आँकड़े एकत्र करने का समय भी बढ़ाएगी।

शिवमोग्गा जिला प्रशासन ने सर्वेक्षण के लिए 4,215 गणनाकर्ता नियुक्त किए हैं, जो जिले के 5,43,925 घरों को कवर करेगा। समय सारिणी के अनुसार, सर्वेक्षण 7 अक्टूबर को समाप्त होगा। प्रत्येक प्रगणक को 150 घरों को कवर करना होगा। पिछड़ा वर्ग विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने शिक्षकों को सुबह 9 बजे शिवमोग्गा स्थित खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुँचकर किट लेने का निर्देश दिया था। हालाँकि, सुबह 10:30 बजे तक किट पहुँचने का कोई संकेत नहीं मिला। शिक्षकों को यह शिकायत करते देखा गया कि मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन, जिसके माध्यम से उन्हें डेटा एकत्र करना है, काम नहीं कर रहा है। एक शिक्षक ने कहा एप्लिकेशन काम नहीं कर रहा है। हम डेटा डालते समय तकनीकी गड़बड़ियों को लेकर चिंतित हैं। कुछ शिक्षकों ने कहा कि उनके लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यापक नहीं था। उन्हें अभी भी प्रक्रिया को लेकर संदेह है। हालाँकि, मंत्री और अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मोबाइल एप्लिकेशन काम कर रहा है, और यदि कोई तकनीकी गड़बड़ियाँ हैं, तो संबंधित अधिकारी उन्हें ठीक कर देंगे।

राज्य जनगणना को लेकर अनावश्यक भ्रम की कोई आवश्यकता नहीं: दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा की जा रही जनगणना जाति जनगणना नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण है। रविवार को मेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति जनगणना केंद्र सरकार द्वारा कराई जाती है। वर्तमान सर्वेक्षण वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है और लोगों को इसे लेकर अनावश्यक भ्रम की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इस जनगणना के पीछे कोई गुप्त उद्देश्य नहीं है। मुख्यमंत्री का लोगों को जाति के आधार पर बाँटने का कोई इरादा नहीं है। न तो कांग्रेस और न ही सरकार का विभाजन पैदा करने का कोई इरादा है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कहा है कि जाति जनगणना कराई जाएगी, तो भाजपा को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? अगर वे चाहें तो भाजपा इसका विरोध करे। लेकिन राज्य सरकार द्वारा किया जाने वाला यह सर्वेक्षण आवश्यक है और हम इसका पूरा समर्थन करते हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार को यह पहचान करनी चाहिए कि वास्तव में पिछड़े वर्ग कौन हैं, किसे अधिक सहायता की आवश्यकता है और किसे लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट सटीक आँकड़े माँगता है। यही इस

सर्वेक्षण के पीछे का कारण है। हालाँकि, कुछ लोग इसमें राजनीति का घालमेल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा वीरशैव-लिंगायत मुद्दा सरकार से संबंधित नहीं है। यह उनका निजी मामला है। वे पहले से ही वीरशैव-लिंगायत को अलग या अलग नहीं बताते रहे हैं। सरकार इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी। वर्तमान सर्वेक्षण के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति के नेताओं द्वारा यह सुझाव देना स्वाभाविक है कि जाति के नामों के तहत क्या दर्ज किया जाना चाहिए। लेकिन कुछ समूह भ्रम पैदा करके उससे लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा इस सर्वेक्षण की रूपरेखा तैयार करने में कई विशेषज्ञों ने योगदान दिया है। हर घर जाकर व्यापक जानकारी एकत्र की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में कथित तौर पर एक लाख से भी कम हिंदू ईसाई हैं। उन्होंने कहा ऐसा नहीं होना चाहिए। एक बार धर्म परिवर्तन करने के बाद, वे उसी धर्म के हो जाते हैं। उन्हें हिंदू जाति या धर्म के रूप में अलग से वर्गीकृत करने का कोई मतलब नहीं है। मैंने यह मुद्दा पिछड़ा वर्ग आयोग के संज्ञान में भी लाया है और आयोग ने आश्वासन दिया है कि वह उचित निर्णय लेगा। इसलिए, यह कोई गंभीर मामला नहीं है क्योंकि विपक्ष का दावा है कि सरकार सब कुछ गढ़ रही है। मंत्री ने यह भी बताया कि कांग्रेस ने लगभग 47 हिंदू उपजातियों को ईसाई धर्म से नहीं जोड़ा है। दिनेश गुंडू राव ने स्पष्ट किया पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा पहले तैयार की गई सूची को भाजपा ने स्वीकार कर लिया था। जब भाजपा सत्ता में थी, तो उसने कांताराजू समिति की रिपोर्ट जयप्रकाश हेगड़े को सौंपी, जो उस समय आयोग के अध्यक्ष थे। बाद में जयप्रकाश ने रिपोर्ट सौंपी और उसी रिपोर्ट के आधार पर भाजपा सरकार ने आरक्षण लागू किया। उन्होंने तब विरोध क्यों नहीं किया? अब वे विरोध क्यों कर रहे हैं?

सीपीआई (एम) ने एलडीएफ के तहत

केरल के विकास की कांग्रेस की 'निराशाजनक तस्वीर' को खारिज करने के लिए कर्नाटक के मंत्री की प्रशंसा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा ने सोमवार को कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा द्वारा भौतिक जीवन गुणवत्ता सूचकांक में केरल की शीर्ष रैंकिंग की प्रशंसा को राज्य में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश की। माकपा राज्य समिति के सदस्य और सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने केरल के बारे में ''सच बोलने'' के लिए कांग्रेस नेता गौड़ा को धन्यवाद दिया। शिवनकुट्टी ने कहा कि कांग्रेस मंत्री द्वारा केरल की ''शानदार उपलब्धियों'' की प्रशंसा, विपक्षी दल द्वारा वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नौ साल के

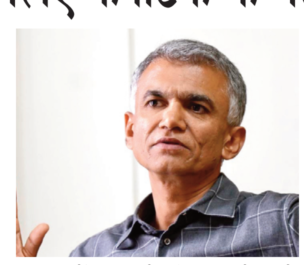

शासन में राज्य के विकास के बारे में 'निराशाजनक बयान' के बिल्कुल विपरीत है। हाल ही में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात के दौरान गौड़ा ने कहा था अगर मानव संसाधन सबसे जरूरी संसाधन है और मानव विकास सबसे मूल्यवान संपत्ति, तो केरल पहले नंबर पर है। केरल स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और मानव विकास के मामले में देश में सबसे आगे है। इसके विपरीत, गुजरात देश में सबसे निचले पायदान पर है। केरल पूरे भारत के लिए एक ज्वलंत उदाहरण है। शिवनकुट्टी ने कहा कि माकपा के लिए यह विशेष रूप से संतोषजनक है कि गौड़ा ने वेणुगोपाल द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक 'सांसद योग्यता पुरस्कार' बैठक में केरल के प्रभुत्व को आईना दिखाया। वेणुगोपाल, केरल के विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन के साथ, राज्य में कांग्रेस की एलडीएफ सरकार के सबसे कटु आलोचकों में से हैं। इसके विपरीत, राष्ट्रीय नेता प्रांतीय राजनीति पर ज्यादातर समय तक ध्यान देने से बचते रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया ब्लॉक माकपा को एक राजनीतिक साथी मानता है।

कर्नाटक में तीन साल में दिल के दौरे से 1004 मौतें चिंता का विषय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिल के दौरे से होने वाली अचानक मौतों की बढ़ती संख्या, खासकर युवाओं में, राज्य में व्यापक चिंता का विषय बन गई है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहाँ स्वस्थ दिखने वाले युवा अचानक गिर पड़े और उनकी मृत्यु हो गई। इस मुद्दे का अध्ययन करने के लिए, राज्य सरकार ने पहले ही एक विशेषज्ञ समिति का गठन कर दिया है। हालाँकि, ऐसी घटनाओं की लगातार आ रही खबरों ने जनता में भय पैदा कर दिया है। पिछले तीन वर्षों में, कर्नाटक में दिल के दौरे से 1004 मौतें दर्ज की गई हैं। इस चिंताजनक प्रवृत्ति के पीछे का सटीक कारण आधिकारिक तौर पर स्थापित नहीं किया गया है। हाल ही में, गणेश विसर्जन समारोह के दौरान, डीजे संगीत पर नाचते हुए दो युवक गिर गए और उनकी मृत्यु हो गई, जिससे ऐसी दुखद घटनाओं की बढ़ती सूची में एक और नाम जुड़ गया। ऐसे कई मामले रोजाना सामने आ रहे हैं, लेकिन आधिकारिक स्पष्टीकरण के बिना, चिंता बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर भी, कई लोगों ने इस चिंताजनक प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है। उदाहरण के लिए, हासन जिले में, दिल के दौरे के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कई लोग अस्पतालों की ओर भाग रहे हैं। इसके बावजूद, सरकार ने अभी तक कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया है, जिससे नागरिकों में संदेह और भय और बढ़ रहा है। 2023-24 में, कर्नाटक में दिल के दौरे से 229 मौतें हुईं। 2024-25 में यह संख्या तेजी से बढ़कर 608 हो गई, और फिर 2025-26 में घटकर 167 रह गई। बेंगलूरु ग्रामीण में, 2023-24 में 10, 2024-25 में 23 और 2025-26 में 2 मौतें हुईं। रामनगर में 2023-24 में 12, 2024-25 में 32 और 2025-26 में 8 मौतें हुईं। चिक्कबल्लापुर में, तीन वर्षों में यह संख्या क्रमशः 11, 27 और 8 रही। तुमकुरु में 2023-24 में 44, 2024-25 में 63 और 2025-26 में 16 मौतें दर्ज की गईं। कोलार में 2023-24 में 17, 2024-25 में 22 और 2025-26 में 8 मौतें दर्ज की गईं। मैसूरु में 2023-24 में 30, 2024-25 में 52 और 2025-26 में 18 मौतें हुईं। इसी अवधि में मांड्या में 27, 30 और 8 मौतें दर्ज की गईं।

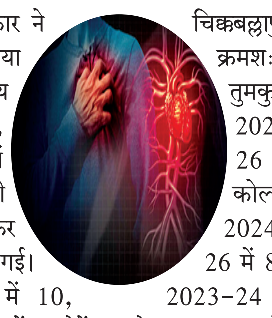

हासन में 2023-24 में 32, 2024-25 में 21 और 2025-26 में 6 मौतें हुईं। कोडागु में क्रमशः 4, 11 और 3 मौतें दर्ज की गईं। चामराजनगर में 8, 9 और 3 मौतें हुईं। बीजापुर में 1, 1 मौत हुई, लेकिन 2025-26 में कोई मौत नहीं हुई।

कलबुर्गी में 2023-24 में 18, 2024-25 में 14 और 2025-26 में 4 मौतें हुईं। बीदर में क्रमशः 3, 11 और 7 मौतें हुईं। यादगीर में 2023-24 और 2024-25 दोनों में 11 और 2025-26 में 5 मौतें हुईं। दक्षिण कन्नड़ में 2023-24 में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन 2024-25 में 33 और 2025-26 में 6 मौतें हुईं। चिक्कमगलूरु में भी 2023-24 में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन 2024-25 में 20 और 2025-26 में 6 मौतें हुईं। धारवाड़ में 2023-24 में कोई मामला नहीं था, लेकिन 2024-25 में 39 और 2025-26 में 6 मौतें दर्ज की गईं। इस बीच, जयदेव हृदय विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान ने पिछले तीन वर्षों में दिल के दौरे के 61,299 मामलों की सूचना दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अनुसार, इनमें से 472 मौतें 45 वर्ष से कम आयु के लोगों में अचानक हृदय गति रुकने के कारण हुईं।

मोदी देश विदेश में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा : राधाकृष्णन

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश और विदेश में लाखों लोगों के लिए एक जीवंत प्रेरणा बताते हुए कहा कि वह अपने आचरण से लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं।

श्री राधाकृष्णन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनिंदा भाषणों वाले दो खंडों का विमोचन करने के बाद कहा कि ये दोनों खंड प्रधानमंत्री के राष्ट्र के प्रति योगदान, दृष्टिकोण और सपनों को समझने की कुंजी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को देश और विदेश में लाखों लोगों के लिए एक जीवंत प्रेरणा बताया, जो अपने आचरण से लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। वह एक आम आदमी के प्रतिनिधि से एक सच्चे जननेता के रूप में विकसित हुए हैं जिनके दृढ़ संकल्प ने हमें दिखाया है कि कैसे असंभव को संभव बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का हर भाषण दृढ़ता, दृढ़ संकल्प और जन कल्याण का एक ही संदेश देता है। प्रधानमंत्री के भाषण उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकारी योजनाएँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक भारत श्रेष्ठ भारत, काशी तमिल संगम, जनजातीय गौरव दिवस और राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ रखने जैसी पहलों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक पहचान मजबूत किया है। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, फिट इंडिया, खेलो इंडिया, स्किल इंडिया और रोज़गार मेलों जैसी पहलों की प्रशंसा करते हुए इन्हें 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आधारभूत स्तंभ बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों में में वैश्विक एजेंडा को आकार देने से लेकर वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और पीएम-सूर्य घर के अलावा मुफ्त बिजली योजना जैसी परिवर्तनकारी पहलों को आगे बढ़ाना शामिल है। उन्होंने बताया कि कैसे ये कार्यक्रम सतत विकास लक्ष्यों को दर्शाते हैं और लोगों के जीवन में ठोस बदलाव लाते हैं।

उन्होंने कहा कि जन धन योजना, आधार-मोबाइल लिंकेज, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी, किसानों के लिए पीएम-किसान, मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि जैसी पहलों के माध्यम से पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि जनता की सामूहिक क्षमता में प्रधानमंत्री के अटूट विश्वास ने स्वच्छ भारत अभियान को जनभागीदारी के एक जन आंदोलन में बदल दिया और नागरिकों में स्वच्छता ही सेवा है की भावना का संचार किया। उन्होंने कहा कि इसी विश्वास ने प्रधानमंत्री को कोविड संकट के दौरान भारत को आत्मनिर्भरता के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ाने का साहस दिया।

उन्होंने कहा कि एक दशक पहले, भारत को नाज़ुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। आज, भारत गर्व से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हुआ है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह केवल एक आर्थिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र प्रथम की भावना का परिणाम है जो देश की विकास यात्रा का मार्गदर्शन करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि विकसित भारत का सपना हर नागरिक की आंखों में चमक रहा है और राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत हर नागरिक के दिल में गूंज रहा है।

मोरक्को और भारत ने रक्षा सहयोग बढाने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

मोरक्को यात्रा पर गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को वहां के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ़ लौदियी के साथ रबात में द्विपक्षीय बैठक की जिसके बाद दोनों देशों ने रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

श्री सिंह ने द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत बनाने के लिए रबात स्थित भारतीय दूतावास में नई रक्षा शाखा खोलने की घोषणा की

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी के लिए मज़बूत संस्थागत ढांचा प्रदान करने के साथ-साथ रक्षा उद्योग, संयुक्त अभ्यास, सैन्य प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण में सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दोनों नेताओं ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग को और अधिक मज़बूत करने का निर्णय लिया तथा आतंकवाद-रोधी, समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा, शांति अभियानों, सैन्य चिकित्सा और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को शामिल करते हुए एक व्यापक रोडमैप पर सहमति व्यक्त की। दोनों मंत्रियों के बीच यह चर्चा भारत और मोरक्को के बीच दीर्घकालिक मित्रता को और मज़बूत करने के साझा संकल्प को दर्शाती है।

रक्षा मंत्री ने इन पहलों को गति देने के लिए रबात स्थित भारतीय दूतावास में एक नयी रक्षा शाखा के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने भारत के रक्षा उद्योग की परिपक्वता और ड्रोन तथा ड्रोन-रोधी प्रौद्योगिकी सहित इसकी अत्याधुनिक क्षमताओं पर भी प्रकाश डाला और मोरक्को को आश्वस्त किया कि भारतीय कंपनी उसके रक्षा बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

दोनों मंत्रियों ने सशस्त्र बलों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुगम बनाने और रक्षा क्षेत्र में सह-विकास एवं सह-उत्पादन के अवसरों का पता लगाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया और हिंद महासागर तथा अटलांटिक गलियारों के सामरिक महत्व को देखते हुए समुद्री सुरक्षा में घनिष्ठ समन्वय का स्वागत किया।

रक्षा मंत्री ने रक्षा सहयोग के विस्तार पर चर्चा के लिए श्री लौदिये को भारत आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। यह बैठक द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो भारत और मोरक्को के बीच सामरिक हितों के बढ़ते तालमेल को दर्शाती है।

जीएसटी बचत उत्सव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्टेशनरी की दुकान पर पहुंचकर लिया जायजा

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक स्टेशनरी की दुकान पर पहुंचकर स्वयं यह देखा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत लागू सुधारों का आम लोगों को फायदा मिल रहा है या नहीं।

श्रीमती सीतारमण ने नवरात्र और जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत के मौके पर दुकानदार और दुकान में मौजूद सभी कर्मचारियों को फूल दिये। इसके बाद उन्होंने दुकानदार से जीएसटी में आज से प्रभावी सुधारों से कीमतों में होने वाली कटौती के बार में पूछा।

दुकानदार ने बताया कि जीएसटी सुधारों के कारण स्टेशनरी की कीमतें कम से कम 10 प्रतिशत कम हो गयी हैं। उन्होंने वित्त मंत्री को दरों की सूची भी दिखायी और कहा कि आज से ही कीमतें घटा दी गयी हैं। किताबें, नोटबुक, पेंसिल, इरेजर, शार्पनर, चार्ट पेपर सबके दाम कम हुये हैं।

श्रीमती सीतारमण के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर के अपने फैसले में बच्चों की पढ़ाई से संबंधित स्टेशनरी की सभी वस्तुओं पर कर की दर घटाकर शून्य करने कर दिया था। इनमें एक्सरसाइज बुक, नोटबुक, इरेजर, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयोन, पेस्टल, मानचित्र, चार्ट और ग्लोब शामिल हैं। नयी दरें आज से प्रभावी हो गयी हैं।

शारदीय नवरात्र शुरू होते ही श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जम्मू, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में शारदीय नवरात्र सोमवार से शुरू हो गये और इसके साथ ही श्री माता वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के पवित्र कटरा शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है।

गौरतलब है कि श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा कई दिनों तक बाधित रहने के बाद 18 सितंबर को यह फिर से शुरू हो हुयी लेकिन मौसम खराब होने के बाद इसे फिर से स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद 19 सितंबर को यात्रा शुरू की गयी और तब से यह निर्बाध रूप से चल रही है। श्री माता वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा में देश भर से तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि देखी गयी है। श्रद्धालु त्रिकुटा की पहाड़ियों में स्थित गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंच रहे हैं। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शारदीय नवरात्र के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए व्यापक व्यवस्था की है।

इसके अलावा, भवन क्षेत्र को आश्चर्यजनक रंगीन रोशनी से जगमगाया गया है, जो भक्तों के लिए मंत्रमुग्ध कर देने वाला माहौल बना रहा है। श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए भी विस्तृत व्यवस्था की है, जिनके नवरात्रों के दौरान गर्भगृह में दर्शन करने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि पवित्र गुफा मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों को तीर्थयात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 19 सितंबर की सुबह कटरा आधार शिविर से यात्रा शुरू होने के बाद से चार दिनों में लगभग 10,000 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 2,000 तीर्थयात्री ने प्रतिदिन गुफा मंदिर पहुंचते हैं।

नवरात्र के शुरू होते ही कटरा शहर में हमेशा की तरह चहल-पहल लौट आयी है और व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, होटल व्यवसायी यात्रा शुरू होने से खुश हैं। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गयी, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे। इस दौरान कई अन्य लोग घायल हुए थे।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। जम्मू-कश्मीर जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा की अध्यक्षता में गठित समिति में जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक बीएस टूटी शामिल हैं। यह समिति श्री सिन्हा को विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगी। श्री सिन्हा श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा फीस बढ़ाई तो चीन लाया के-वीजा

जॉब ऑफर के बिना भी आवेदन कर सकेंगे, ब्रिटेन वीजा फीस खत्म कर सकता है

बीजिंग/नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने प्रोफेशनल्स के लिए एच-1बी वीजा की फीस करीब 6 लाख से बढ़ाकर 88 लाख कर दी है। इस बीच चीन ने नया 'के -वीजा' शुरू करने का ऐलान किया है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक के -वीजा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ से जुड़े युवाओं और स्किल्ड प्रोफेशनल्स के लिए है। यह 1 अक्टूबर, 2025 से जारी होगा। इन सब्जेक्ट्स में रिसर्च कर रहे कैंडिडेट भी के -वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। खास बात यह है कि चीनी कंपनी से नौकरी का ऑफर न होने पर भी इस वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। अमेरिका ने 21 सितंबर से एच-1बी वीजा फीस बढ़ा दी है। इससे प्रोफेशनल्स को अमेरिका जाने में मुश्किलें होंगी। ऐसे में चीन के के -वीजा को एच-1बी का विकल्प माना जा रहा है।

इस बीच ब्रिटेन भी हाई स्किल्ड लोगों के लिए वीजा फीस खत्म करने पर विचार कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों ने दुनिया के टॉप 5 यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है या फिर कोई बड़ा इंटरनेशनल अवॉर्ड जीता है, उनकी पूरी वीजा फीस माफ हो जाएगी।

फिलहाल, ब्रिटेन के ग्लोबल टैलेंट वीजा की आवेदन फीस 766 पाउंड (करीब 90 हजार) है। ब्रिटेन में 26 नवंबर को बजट पेश होगा, इससे पहले वो इस फीस को खत्म करने का फैसला ले सकता है।

चीन अभी 12 तरह के वीजा जारी करता है। अभी चीन में काम करने के लिए आर -वीजा या जेड -वीजा का इस्तेमाल किया जाता है। जेड -वीजा की वैधता 1 साल की है। जबकि आर -वीजा में ठहरने के लिए सिर्फ 180 दिन मिलते हैं। आर वीजा के लिए कोई फीस नहीं लगती, लेकिन इसकी आवेदन प्रक्रिया लंबी और पेचीदा है। इसलिए यह सफल नहीं हो पाया।

वहीं, घ वीजा में विदेशियों को ज्यादा समय तक चीन में रहने की सुविधा मिलेगी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि यह कितने समय के लिए होगी। के -वीजा में कुछ ऐसी सुविधाएं दी गई हैं, जो अभी चल रहे जेड वीजा में नहीं है।

जेड वीजा वाला विदेशी व्यक्ति अगर चीन में काम करना चाहता है, तो उसे पहले किसी चीनी कंपनी या संस्था से नौकरी का प्रस्ताव या स्पॉन्सरशिप चाहिए होती है। लेकिन के -वीजा में यह नियम नहीं है।

अलग-अलग देशों के लिए के -वीजा से जुड़ी डिटेल जानकारी चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट जारी करेंगे। चीन सरकार ने अगस्त में इस फैसले को मंजूरी दी थी।

सीसीआरएएस और पीवीएनआरटीवीयू के बीच पशु स्वास्थ्य में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 22 सितंबर, (एजेंसियां)।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, और हैदराबाद के राजेंद्रनगर स्थित पी.वी. नरसिम्हा राव तेलंगाना वेटरनरी यूनिवर्सिटी ने पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

समझौता ज्ञापन पर सीसीआरएएस-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद और पीवीएनआरटीवीयू की ओर से रजिस्ट्रार प्रो. ए. शरतचंद्र अमरावती ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर पीवीएनआरटीवीयू के कुलपति प्रो. एम. ज्ञान प्रकाश और सीसीआरएएस के उप महानिदेशक डॉ. नारायण श्रीकांत सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समारोह में उपस्थित अन्य प्रमुख व्यक्तियों में अनुसंधान निदेशक डॉ. हरिकृष्णा, छात्र कार्य निदेशक डॉ. सतीश कुमार, डीन फैकल्टी डॉ. एम. उदय कुमार, विस्तार निदेशक डॉ. एम. किशन कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयलक्ष्मी, पीवीएनआरटीवीयू के पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बीसम श्रीनिवास, और सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद के अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. साकेत राम त्रिगुल्ला और डॉ. संतोष माने शामिल थे।

महाराजा श्री अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर, टैंक बंड स्थित श्री जगदीश मंदिर में महाराज की प्रतिमा की पूजा-अर्चना और माल्यार्पण किया गया। इस दौरान, राजकुमार सरायवाला, श्रीमती सतवंती सरायवाला, डॉ. मोहन गुप्ता और डॉ. सुमन सर्राफ उपस्थित रहे।

व्यापारियों और ग्राहकों से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जीएसटी सुधार पर जताएं मोदी सरकार का आभार: योगी

गोरखपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अगली पीढ़ी के लिए जीएसटी सुधार सोमवार से लागू हो गए। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में तय जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान के पहले चरण की शुरुआत खुद व्यापारियों और ग्राहकों के बीच जनसम्पर्क करके की। सीएम ने सोमवार पूर्वाह्न पदयात्रा कर झूलेलाल मंदिर से गोरखनाथ मंदिर मार्ग तक कारोबारी प्रतिष्ठानों में जाकर कारोबारियों और वहां मिले ग्राहकों से बात की, जीएसटी सुधारों पर उनकी प्रतिक्रिया जानी।

उन्होंने कारोबारियों से आग्रह किया मोदी सरकार से उपहार स्वरूप घटी जीएसटी का लाभ ग्राहकों को अवश्य दें। साथ ही स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठानों पर गर्व से कहो यह स्वदेशी है का पोस्टर भी लगाएं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की बैठक में कर सुधारों का निर्णय लिया था। ये निर्णय सोमवार से प्रभावी हो गए। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों एक समीक्षा बैठक में 22 सितंबर से 29 सितंबर तक 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान' का पहला चरण

शुरू करने का निर्णय लिया था। इसका शुभारंभ सोमवार को उन्होंने खुद पदयात्रा, जनसम्पर्क और संवाद से किया। 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान' के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झूलेलाल मंदिर से गोरखनाथ मंदिर मार्ग तक पदयात्रा की और मार्ग पर स्थित कई दुकानों में जाकर व्यापारियों और ग्राहकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी की घटी दरों को लेकर उनसे संवाद किया।

उन्हें जीएसटी की घटी दरों से संबंधित एक स्टीकर और गुलाब का फूल दिया। साथ ही कहा कि जीएसटी की घटी दरों का लाभ ग्राहकों को जरूर दीजिए। इससे आपका कारोबार और समृद्ध होगा। अभियान के दौरान सीएम योगी सबसे पहले स्टाइल बाजार गए। यहां प्रतिष्ठान के उच्च प्रबंधन ने उनका स्वागत किया। यहां मुख्यमंत्री ने खुद प्रतिष्ठान के मुख्य द्वार पर जीएसटी की घटी दरों का स्टीकर चस्पा किया। उन्होंने प्रतिष्ठान के मेंटर राजेंद्र खुराना, एमडी श्रेयांश खुराना और निदेशक प्रदीप अग्रवाल से पूछा कि कपड़ों पर जीएसटी में कितनी कमी आई है। यह बताए जाने पर कि 12 प्रतिशत घटकर 5 प्रतिशत हो गया है, सीएम ने कहा कि इससे आपका बाजार और मजबूत होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते

हुए ग्राहकों को कम हुई जीएसटी का फायदा जरूर दीजिए। प्रतिष्ठान प्रबंधन ने बताया कि जीएसटी कमी का लाभ दिया जाना शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री जब यहां से जाने लगे तो उन्होंने प्रतिष्ठान संचालक को गुलाब का फूल भेंट किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री पैदल चलकर न्यू स्वीट्स पैलेस पर आए। यहां उन्होंने दुकानदार बिहारी लाल व जतिन लाल से जीएसटी की कम हुई दरों पर संवाद किया।

दुकानदार ने बताया कि कम हुई कीमतों का लाभ उन्होंने ग्राहकों को देना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें जीएसटी रिफॉर्म का स्टीकर देकर कहा कि सभी लोगों को जीएसटी सुधार के लिए पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। व्यापारियों और ग्राहकों से संपर्क और संवाद के क्रम में मुख्यमंत्री ने गीता होलसेल मार्ट में प्रतिष्ठान संचालक शम्भू शाह से कहा कि जीएसटी दरों में कमी को लेकर ग्राहकों को आप लोग खुद भी जागरूक करिए। इससे ग्राहक को फायदा होगा ही, आपका भी बाजार समृद्ध होगा। प्रेम मेडिकल्स में जाकर उन्होंने दवाओं की कीमतों में आई कमी पर चर्चा की। दुकानदार विनय प्रजापति और आकाश प्रजापति ने बताया कि जीवनरक्षक दवाओं पर टैक्स जीरो हो गया है। कई दवाओं में

टैक्स अब सिर्फ 5 प्रतिशत रह गया है। आज से इसका लाभ वह ग्राहकों को देने लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने सिटी कार्ट, श्री होम्यो स्टोर्स के सामने, रंगोली कलेक्शन के सामने, गोरखनाथ मिष्ठान के सामने, जयदेव भवन के सामने, श्री हनुमान कटरा के सामने खड़े दुकानदारों और गोरखनाथ मार्ग मंदिर मार्ग पर खड़े चौधरी कैफुलवरा के परिवार से जीएसटी रिफॉर्म पर संवाद कर उन्हें स्टीकर भेंट किया। उन्होंने कहा कि आप लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दें कि उन्होंने लंबे समय से चली आ रही व्यापारियों की मांग के अनुसार जीएसटी रिफॉर्म लागू किया है। इस दौरान दुकानदारों और आमजन ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री की पदयात्रा में 'घटी जीएसटी बढ़ा व्यापार, धन्यवाद मोदी सरकार' के खूब नारे लगे।

इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, नगर निगम के उप सभापति पवन त्रिपाठी आदि भी मुख्यमंत्री के साथ पदयात्रा में शामिल थे।

कट्टरपंथी इस्लामिक जुलूस में मुस्लिमों ने किया हंगामा

सिर तन से जुदा के नारे लगा कर पुलिस पर किया हमला

उन्नाव, 22 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के पड़ोसी जिले उन्नाव में कट्टरपंथी इस्लामिक जुलूस निकाल कर मुसलमानों ने जमकर हंगामा किया और सिर तन से जुदा करने के नारे लगाते हुए पुलिस पर हमला कर दिया। जुलूस निकालने से पहले सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी इस्लामिक जुलूस से जुड़े भड़काऊ पोस्ट भी किए गए थे।

जुलूस निकालने की जिला प्रशासन से कोई इजाजत भी नहीं ली गई थी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में कट्टरपंथी इस्लामिक जुलूस के बैनर को लेकर शुरू हुआ बवाल उन्नाव पहुंच गया। इस्लामी कट्टरपंथी अलग-अलग जगहों पर हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार 21 सितंबर को कट्टरपंथियों की भीड़ ने उन्नाव में जमकर हंगामा किया।

उन्नाव में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बिना अनुमति के जुलूस निकाल दिया। इसमें न केवल पुरुष बल्कि बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। जुलूस में सिर तन से जुदा जैसे नारे खुलेआम लगाए गए और पुलिस पर हमला कर दिया गया। गंगाघाट कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह की वर्दी फाड़ दी गई। पुलिस ने समझाने की कोशिश की तो कट्टरपंथी भीड़ ने पुलिस पर ही पथराव करना शुरू कर दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि मजबूरन पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसके चलते मौके पर भगदड़ जैसे हालात बन गए। हंगामे के बाद दंगा नियंत्रण वाहन और पीएसी जवानों की तैनाती की गई, कई थानों से फोर्स मंगवाई गई जिसके बाद हालातों पर काबू पाया जा सका।

घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस ने इस मामले में बवाल करने वाले 6 लोगों को हिरासत में लिया है, इसके बाद जिन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया उनके परिजन और समर्थकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस फिलहाल हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि जुलूस से पहले सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी इस्लामिक जुलूस से जुड़े भड़काऊ पोस्ट भी किए गए थे। पुलिस की साइबर सेल अब इन पोस्ट की जांच कर रही है। वहीं, पुलिस ने हंगामा करने वाले लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई की जा रहा है। उन्नाव पुलिस ने इस घटना के बाद 8 नामजद समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि जिले में धारा 163 लागू थी जिसके चलते लोगों को इकट्ठा होना मना था फिर भी बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए हैं। साथ ही, उपद्रवियों द्वारा किए गए पथराव से न केवल दुकानों को बल्कि कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

विकसित यूपी 2047 का लोगो लंदन में लॉन्च

यूपी डायस्पोरा ने पहल का किया स्वागत

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन के द कर्व स्लो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के प्रवासी समुदाय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकसित यूपी 2047 पहल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 अभियान का गर्मजोशी से स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने अभियान की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की इच्छा जताई। कार्यक्रम के दौरान विकसित यूपी 2047 का लोगो भी लॉन्च किया गया।

उत्तर प्रदेश के स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सभा को संबोधित करते हुए राज्य में हो रहे परिवर्तनात्मक बदलावों और 2047 तक के विकास के रोडमैप पर विस्तृत प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि प्रवासी समुदाय अपने सुझाव और अनुभव साझा करने के लिए उत्साहित है, ताकि विकसित भारत और उत्तर प्रदेश के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

यूपीडीएफ यूके के चेयरमैन डॉ. अजय सिंह ने बताया कि उपस्थित लोगों ने अन्य शहरों जैसे कैम्ब्रिज और स्विंडन में कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की, ताकि अधिकतम सुझाव 5 अक्टूबर तक प्राप्त किए जा सकें। यूपीडीएफ के ग्लोबल अध्यक्ष पंकज जायसवाल के अनुसार दुबई, नीदरलैंड्स, अमेरिका और अन्य देशों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि वैश्विक यूपी डायस्पोरा को अभियान से जोड़ा जा सके।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अजय सिंह, आशिष शर्मा और मधुरेश मिश्रा ने किया। विशिष्ट अतिथियों में वीरेंद्र शर्मा (पूर्व सांसद, यूके), सियोभान डाउटी (मेयर, स्लो), अभिरामाचार्य जी महाराज, अनुराधा पांडे (भारतीय उच्चायोग), सूर्या दीदी, ब्रह्मर्षि आश्रम, नील राणा (उप-महापौर), तुषार कुमार, पार्षद ध्रुव तोमर, पवीन रानी, चंद्र मुवल्ला, पूजा बेदी, तथा यूपी डायस्पोरा के सदस्य रितेश जायसवाल, मनोज मिश्रा, संतोष पांडे, राजेश विश्वकर्मा, राजीव अग्रवाल और ज्ञान शर्मा शामिल थे।

61 साल बाद यूपी में लौटा जम्बूरी, पीएम करेंगे उद्घाटन

लखनऊ में लगेगा सेवा समर्पण और अनुशासन का महाकुंभ

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की राजधानी लखनऊ इस नवंबर एक ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। 61 वर्षों बाद उत्तर प्रदेश को भारत स्काउट एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला है। भारत स्काउट एंड गाइड्स द्वारा आयोजित होने वाला यह विशाल शिविर न केवल युवाओं की ऊर्जा को दिशा देगा बल्कि वैश्विक भाईचारे का अनूठा संदेश भी फैलाएगा। कार्यक्रम 23 से 29 नवंबर तक होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 नवंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। इसके लिए राजधानी के वृंदावन योजना में एक विशाल टेंट सिटी बसाई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशन में उत्तर प्रदेश को 61 साल बाद यह मेजबानी मिली है। 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए योगी सरकार ने लखनऊ में विश्वस्तरीय सुविधाओं के

साथ गेटेड टेंट सिटी तैयार करने का निर्णय लिया है, ताकि देश-विदेश से आने वाले हजारों युवा प्रतिभागियों को एक सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायी माहौल मिल सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस पूरे आयोजन की मेजबानी करेंगे। 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के आयोजन स्थल पर बनने वाली भव्य टेंट सिटी के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम 29 सितंबर को सुबह आयोजित किया जाएगा। योगी सरकार के वरिष्ठ मंत्री भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, मंत्री गुलाब देवी, भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह और स्टेट चीफ कमिश्नर डॉ. प्रभात कुमार मौजूद रहेंगे। जिस स्थान पर भूमि पूजन होगा, वहीं पर 35 हजार लोगों के रहने की व्यवस्था वाली अस्थायी गेटेड टेंट सिटी विकसित की जाएगी।

भारत में पहली बार जम्बूरी का आयोजन 1953 में हैदराबाद में हुआ था। उसके बाद से अब तक 18 राष्ट्रीय जम्बूरी हो चुकी हैं। 1964 में प्रयागराज ने चौथे जम्बूरी की मेजबानी कर उत्तर प्रदेश का नाम इतिहास में दर्ज कराया था। अब, छह दशकों से अधिक समय बाद, योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयासों से यूपी को फिर से यह मौका मिला है। जम्बूरी एक सप्ताह का ऐसा आयोजन है जिसमें देश-विदेश से हजारों युवा स्काउट और गाइड्स एक अस्थायी टेंट सिटी में रहेंगे। वे न केवल एडवेंचर, खेलकूद, विज्ञान और सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, बल्कि अनुशासन, आत्मनिर्भरता और टीमवर्क जैसी जीवन मूल्यों को भी आत्मसात करेंगे।

जम्बूरी का प्रधानमंत्री मोदी से भी गहरा रिश्ता है। 2009 में जब स्काउटिंग के 100 वर्ष पूरे हुए थे, उस वक्त अहमदाबाद में आयोजित जम्बूरी में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने भाग लिया था। अब बतौर प्रधानमंत्री, वे देशभर के 32 हजार से ज्यादा प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी सिर्फ एक शिविर नहीं बल्कि नई पीढ़ी को नेतृत्व, जिम्मेदारी और सामाजिक दायित्व सिखाने का एक मंच है। यह आयोजन साबित करेगा कि जब युवा संगठित होकर आगे बढ़ते हैं तो वे राष्ट्र के भविष्य की दिशा बदल सकते हैं।

10 लाख दीपों से रौशन होंगे काशी के अर्धचंद्राकार घाट

देव दीपावली को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी

वाराणसी, 22 सितंबर (एजेंसियां) योगी सरकार देव दीपावली को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की तैयारियों में जुट गई है। प्रांतीय मेला के रूप में घोषित देव दीपावली 5 नवंबर को मनाई जाएगी। इस पर वाराणसी के घाटों को 10 लाख से अधिक दीपों से रोशन किये जाने की योजना है। इनमें से करीब एक लाख दीप गाय के गोबर से बने होंगे।

यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। देव

दीपावली पर दीपों की माला पहने हुए काशी के अर्धचंद्राकार घाटों की अलौकिक और अद्भुत छटा दिखाई देगी। देव दीपावली के अनुपम दृश्य को देखने बड़ी संख्या में देशी और विदेशी मेहमान काशी आते हैं। देव दीपावली पर लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी भी होगी।

योगी सरकार और जनसहभागिता से 10 लाख से अधिक दीप घाटों, तालाबों और कुंडों पर जगमगाते दिखेंगे। विश्वविख्यात देव दीपावली को योगी सरकार द्वारा प्रांतीय मेला घोषित किये जाने के बाद इसे और अधिक भव्य स्वरूप मिल गया है। संयुक्त निदेशक (पर्यटन) दिनेश कुमार ने बताया कि देव दीपावली पर 10.10 लाख दीपों से गंगा के घाट रौशन किए जाएंगे। इनमें से कुछ डिजाइनर दीप भी होंगे। इनमें से एक लाख दीप गाय के गोबर से बने होंगे। इसके अलावा घाटों की साफ़-सफाई होगी और गंगा किनारे के ऐतिहासिक घाटों को फसाड लाइट और इलेक्ट्रिक लाइट से रौशन किया जाएगा।

पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि देव दीपावली से पहले 1 से 4 नवंबर तक राजघाट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम गंगा महोत्सव का आयोजन होगा। इसमें स्थानीय कलाकारों को वरीयता दी जाएगी। इसके अलावा चेत सिंह घाट पर लेज़र शो के माध्यम से काशी से जुड़ी धार्मिक कथाएं दिखाई जाएंगी। गंगा पार रेत पर प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी का भी शो किया जाएगा, जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देगा। देव दीपावली पर इस अनोख़ी छटा को देखने बड़ी तादाद में देश-विदेश से पर्यटक काशी आते हैं। देव दीपावली पर होटल, गेस्ट हाउस, नाव, बाजरा, बोट, क्रूज़ सभी फुल हो जाते हैं।

बेटियों के सशक्तिकरण का अभियान चला रही योगी सरकार

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देने वाला मिशन शक्ति 5.0 पूरे प्रदेश में जोर-शोर से जारी है। सोमवार को भी प्रदेशभर के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों में लाखों बालिकाओं, बालकों, शिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया। बालिकाओं ने रैलियाँ निकाली और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर महिला सुरक्षा, शिक्षा और समाज में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश दिया तो अभिभावकों ने संवाद स्थापित कर बालिकाओं को मार्गदर्शन किया।

प्रदेशभर के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में बालिकाओं ने अपने सशक्तिकरण और बाल अधिकारों की जागरूकता का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर माँ दुर्गा के नवरूपों पर आधारित नुक्कड़ नाटकों का मंचन लगभग 45,000 स्थानों पर किया गया, जबकि 48,000 स्थानों पर बालिकाओं और बच्चों ने जागरूकता रैलियां निकालीं और बाल अधिकारों से जुड़े नारे लगाए। इस कार्यक्रम में 3,45,000 बालिकाएं, 2,56,000 बालक, 45,000 शिक्षक और 1,25,000 अभिभावक सक्रिय रूप से शामिल हुए। साथ ही, 1,61,000 बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिससे इस महायोजना ने बच्चों और समाज में सुरक्षा, जागरूकता और आत्मविश्वास का संदेश मजबूती से पहुंचाया।

ज्ञातव्य है कि 21 सितम्बर को प्रदेश के सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में 88 हजार से अधिक बालिकाओं ने भाग लिया और मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित पोस्टर बनाकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। अब मिशन शक्ति 5.0 को नारी शक्ति और सशक्तिकरण की भावना को घर-घर तक पहुंचाने के व्यापक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

संपादकीय

आपदा की मुखबिरी

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं ने पिछली शताब्दी की शिकायत अर्ज की है, तो आने वाले भविष्य की पड़ताल भी शुरू की है। प्रदेश के कई शहर, कस्बे और गांव आपदा की जद में चिन्हित हुए, तो विकास की कई परियोजनाओं के कारनामे भी पकड़े गए। जाहिर है आपदा एक तरह के प्राकृतिक गुस्से का इजहार है, तो इसे समझने और इससे सीख कर एक 'न्यू प्लानिंग रिजीम' बनाने की जरूरत है। प्रदेश को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यानी एक अपर हिमाचल, एक मिडल और एक तलहटी या मैदानी हिमाचल। हमने पहले भी कई बार उल्लेख किया था कि हिमाचल के ऊपरी, मध्य व मैदानी इलाकों की पारिस्थितिकीय को देखते हुए पर्यटन, शिक्षा, औद्योगिक, आवासीय तथा कनेक्टिविटी के समाधान खोजे जाएं। हिमाचल का पिछले कुछ दशकों से नए हिमाचल से मुकाबला चल रहा है। न्यू व ओल्ड मनाली को ही देख लें कि योजनाओं ने कहां-कहां गलती की। शिमला व न्यू शिमला की परियोजना में वास्तुकला देख लें कि कहां गलती हुई। क्या हम शिमला को शहर के रूप में विकसित करते या इसे राजधानी विकास क्षेत्र के रूप में देखते हुए इसके आसपास आधा दर्जन उपग्रह केंद्र विकसित करने चाहिए थे। हमने तीव्रता से नई सड़कें तो बनाईं, लेकिन नए मार्ग प्रशस्त नहीं हुए। वहीं घूमकर फोरलेन भी धर्मशाला-शिमला के मध्य ट्रैफिक को देख रही है। क्या मंडी से मनाली पहुंचने का कोई और सुरक्षित व वैकल्पिक मार्ग नहीं हो सकता था। उसी परवाणू-शिमला मार्ग को हम फोरलेन की चारदीवारी से ढांपने की कोशिश में ढलानों में कब्रगाह खोदते रहे। आश्चर्य यह कि हमने हिमाचल की समग्रता में योजनाएं-परियोजनाएं बनाने के बजाय सत्ता के सुख और सत्ता के प्रभाव में स्थानीय और क्षेत्रवाद का चमत्कार दिखाने का रुतबा बना लिया। यही रुतबा बार-बार धर्मपुर के बस स्टैंड पर आकर ढह जाता है। सराज में ढही या विद्रूप हुई सरकारी इमारतें दरअसल राजनीतिक प्रभाव की अधकचरी चिनाई ही तो साबित कर रही है। हमने गांव को शहरी संस्कृति के विकास तक पहुंचा दिया, लेकिन व्यवस्था वही की वही रही। अगर लोग चूल्हा टैक्स नहीं देंगे तो गांव के परिदृश्य में हाहाकार ही रहेगा। शहरों की योजनाओं में कई तरह के रिसाव इस बार की आपदा ने इंगित किए हैं। मंडी जैसे शहर में नगर निगम की सौगात इस बरसात में ढही है, क्योंकि बढ़ती आबादी के दायरे में न जल निकास का हिसाब हुआ और न ही पेयजल की जरूरतों को चुना गया। शहर तो अपनी ही गंदगी में प्रलय को बुला रहे हैं। यकीन न हो तो धर्मशाला के सुधेड़ की तरफ शहरी कूड़े का ढेर दरअसल हमारी प्लानिंग की सड़ांध है। आश्चर्य तब होता है जब नगर निगम के पास नालियां साफ करने की योजना नहीं और न ही नालों और खड्डों को पानी के बहाव के लिए अबाधित बनाने का कोई कौशल विकसित हुआ। प्रदेश में कम से कम छह क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण विकसित करते हुए शहरी और ग्रामीण विकास के बीच सामंजस्य और क्षेत्रीय नियोजन की परिपाटी विकसित करने की जरूरत है। शहरों के कलस्टर बनाकर शहरी मांग को आपस में बांटना होगा तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को तीव्रगामी परिवहन की शहरी अपेक्षाओं के अनुरूप बनाना होगा। प्रदेश की कनेक्टिविटी के तीन द्वार समझते हुए नए मार्गों, रेल व हवाई परियोजनाओं के सर्वे होने चाहिएं। हिमाचल का सडक़ परिवहन हमीरपुर के केंद्र में सारे प्रदेश को जोड़ सकता है, रेलवे विस्तार ऊना ट्रेन से आगे बढ़ेगा, जबकि हवाई यात्राएं कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से ही संभव हो पाएंगी।

> प्रदेश के कई शहर, कस्बे और गांव आपदा की जद में चिन्हित हुए, तो विकास की कई परियोजनाओं के कारनामे भी पकड़े गए। जाहिर है आपदा एक तरह के प्राकृतिक गुस्से का इजहार है, तो इसे समझने और इससे सीख कर एक 'न्यू प्लानिंग रिजीम' बनाने की जरूरत है। प्रदेश को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यानी एक अपर हिमाचल, एक मिडल और एक तलहटी या मैदानी हिमाचल। हमने पहले भी कई बार उल्लेख किया था कि हिमाचल के ऊपरी, मध्य व मैदानी इलाकों की पारिस्थितिकीय को देखते हुए पर्यटन, शिक्षा, औद्योगिक, आवासीय तथा कनेक्टिविटी के समाधान खोजे जाएं। हिमाचल का पिछले कुछ दशकों से नए हिमाचल से मुकाबला चल रहा है। न्यू व ओल्ड मनाली को ही देख लें कि योजनाओं ने कहां-कहां गलती की। शिमला व न्यू शिमला की परियोजना में वास्तुकला देख लें कि कहां गलती हुई। क्या हम शिमला को शहर के रूप में विकसित करते या इसे राजधानी विकास क्षेत्र के रूप में देखते हुए इसके आसपास आधा दर्जन उपग्रह केंद्र विकसित करने चाहिए थे। हमने तीव्रता से नई सड़कें तो बनाईं, लेकिन नए मार्ग प्रशस्त नहीं हुए। वहीं घूमकर फोरलेन भी धर्मशाला-शिमला के मध्य ट्रैफिक को देख रही है। क्या मंडी से मनाली पहुंचने का कोई और सुरक्षित व वैकल्पिक मार्ग नहीं हो सकता था। उसी परवाणू-शिमला मार्ग को हम फोरलेन की चारदीवारी से ढांपने की कोशिश में ढलानों में कब्रगाह खोदते रहे। आश्चर्य यह कि हमने हिमाचल की समग्रता में योजनाएं-परियोजनाएं बनाने के बजाय सत्ता के सुख और सत्ता के प्रभाव में स्थानीय और क्षेत्रवाद का चमत्कार दिखाने का रुतबा बना लिया। यही रुतबा बार-बार धर्मपुर के बस स्टैंड पर आकर ढह जाता है। सराज में ढही या विद्रूप हुई सरकारी इमारतें दरअसल राजनीतिक प्रभाव की अधकचरी चिनाई ही तो साबित कर रही है। हमने गांव को शहरी संस्कृति के विकास तक पहुंचा दिया, लेकिन व्यवस्था वही की वही रही।

असम में घुसपैठ और बदलती जनसांख्यिकी पर प्रधानमंत्री मोदी का बयान

अनुत्तरित सवाल है सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ

प्रमोद भार्गव

> जम्मू-कश्मीर को विशेश दर्जा देने वाली धारा-370, 35-ए, तीन तलाक और राम मंदिर जैसे आजादी के बाद से अनुत्तरित चले आ रहे प्रश्नों के समाधान के बाद मोदी ने असम की धरती से घुसपैठ करने और कराने वालों को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने दरांग में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठियों की मदद से जनसांख्यिकीय घनत्व बदलने की साजिश चल रही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। हमारी सरकार घुसपैठियों को देश के साधन-संसाधन पर कब्जा नहीं करने देगी।' घुसपैठियों की मदद देने वालों को सीधी चुनौती देते हुए मोदी ने कहा, 'घुसपैठियों को हटाने में हम अपना जीवन लगा देंगे।

अनुत्तरित सवालों को नए ढंग से राजनीतिक मुद्दों में बदलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विलक्षण शैली रही है। इस परिप्रेक्ष्य में जम्मू-कश्मीर को विशेश दर्जा देने वाली धारा-370, 35-ए, तीन तलाक और राम मंदिर जैसे आजादी के बाद से अनुत्तरित चले आ रहे प्रश्नों के समाधान के बाद मोदी ने असम की धरती से घुसपैठ करने और कराने वालों को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने दरांग में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठियों की मदद से जनसांख्यिकीय घनत्व बदलने की साजिश चल रही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। हमारी सरकार घुसपैठियों को देश के साधन-संसाधन पर कब्जा नहीं करने देगी।' घुसपैठियों को मदद देने वालों को सीधी चुनौती देते हुए मोदी ने कहा, 'घुसपैठियों को हटाने में हम अपना जीवन लगा देंगे। घुसपैठियों को पनाह देने वालों को देश कभी माफ नहीं करेगा। कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब इन्हें संरक्षण देती रही, जिससे घुसपैठिए हमेशा भारत में बस जाएं और भारत का राजनीतिक भविश्य तय करें। कांग्रेस के लिए देशहित से बड़ा, अपने वोट-बैंक का हित रहा है। किंतु अब यह नहीं चलेगा।'

बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। असम के लोगों की शिकायत है कि बांग्लादेश म्यांमार से बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्य का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी बोडो आदिवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थाई नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल हुई। इस निर्देश के मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। इस सूची के अनुसार 3.29 करोड़ नागरिकों में से 2.89 करोड़ लोगों के पास नागरिकता के वैध दस्तावेज हैं। शेष रह गए 40 लाख लोग फिलहाल अवैध नागरिकों की श्रेणी में रखे गए हैं। इस तरह के संवेदनशील मामलों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं।

असम में अवैध घुसपैठ का मामला नया नहीं है। 1951 से 1971 के बीच राज्य में मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई। 1991 से 2011 के

बीच मतदाताओं की तादात 53 प्रतिशत बढ़ी। 2001 की जनगणना के आंकड़ों के हिसाब से यह भी देखने में आया कि असम में हिंदू आबादी तेजी से घटी है और मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ी है। 2011 की जनगणना में मुस्लिमों की आबादी और तेजी से बढ़ी। 2001 में जहां यह बढ़ोत्तरी 30.9 प्रतिशत थी, वहीं 2011 में बढ़कर 34.2 प्रतिशत हो गई। जबकि देश के अन्य हिस्सों में मुस्लिमों की आबादी में बढ़ोत्तरी 13.4 प्रतिशत से 14.2 फीसदी तक ही हुई। असम में 35 प्रतिशत से अधिक मुस्लिमों वाली 2001 में विधानसभा सीटें 36 थी, जो 2011 में बढ़कर 39 हो गईं। गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से 1991 तक हिंदुओं की जनसंख्या में 41.89 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इसी दौरान मुस्लिमों की जनसंख्या में 77.42 फीसदी की बेलगाम वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह 1991 से 2001 के बीच असम में हिंदुओं की जनसंख्या 14.95 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मुस्लिमों की 29.3 फीसदी बढ़ी। इस घुसपैठ के कारण असम में जनसंख्यात्मक घनत्व गड़बड़ा गया और सांप्रदायिक दंगों का सिलसिला षुरू हो गया। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा बोडो आदिवासियों ने भुगता। इसी के दुष्फल स्वरूप कई बोडो उग्रवादी संगठन अस्तित्व में आ गए।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की तादाद बक्सा, चिरांग, धुबरी और कोकराझार जिलों में सबसे ज्यादा है। इन्हीं जिलों में बोडो आदिवासी हजारों साल से रहते चले आ रहे हैं। लिहाजा बोडो और मुस्लिमों के बीच रह-रहकर हिंसक वारदातें होती रही हैं। पिछले 18 साल में ही हिंसा की 15 बड़ी घटनाएं घटी हैं। जिनमें 600 से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। घटनाएं घटने के बावजूद इस हिंसा का संतोशजनक पहलू यह रहा है कि हिंसा के मूल में हिंदू, ईसाई, बोडो आदिवासी और आजादी के पहले से रह रहे पुश्तैनी मुसलमान नहीं हैं। विवाद की जड़ में स्थानीय आदिवासी और घुसपैठी मुसलमान हैं।

इन धुसपैठियों को भारतीय नागरिकता देने के काम में असम राज्य कांग्रेस की राश्ट्र विरोधी भूमिका रही है। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने इन्हें बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र एवं राशन कार्ड तक हासिल कराए। नागरिकता दिलाने की इसी पहल के चलते घुसपैठिए कांग्रेस को झोली भर-भर के वोट देते रहे हैं। कांग्रेस की तरूण गोगाई सरकार इसी बूते 15 साल सत्ता में रही। लेकिन लगातार घुसपैठ ने कांग्रेस की हालत पतली कर दी थी। फलस्वरूप भाजपा सत्ता में आ गई। इस अवैध घुसपैठ के दुश्प्रभाव पहले अलगाववाद के रूप में देखने में आ रहे थे, लेकिन बाद में राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में बदल गए। इन दुश्प्रभावो को पूर्व में सत्तारूढ़ रहा कांग्रेस का केंद्रीय व प्रांतीय नेतृत्व जानबूझकर वोट बैंक बनाए रखने की दृश्टि से अनदेखा करता रहा है। लिहाजा धुबरी जिले से सटी बांग्लादेश की जो 134 किलोमीटर लंबी सीमा-रेखा है उस पर कोई चौकसी नहीं है। नतीजतन घुसपैठ आसानी से जारी है। असम को बांग्लादेश से अलग ब्रह्मपुत्र नदी करती है। इस नदी का पाट इतना चौड़ा और दलदली है कि इस पर बाड़ लगाना या दीवार बनाना नामुमकिन है। केवल नावों पर सशस्त्र पहरेदारी के जरिए घुसपैठ को रोका जाता है। लेकिन अब नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा के घुसपैठियों के विरुद्ध कड़े रुख के चलते इनकी वापसी भी षुरू हुई है।

दरअसल 1971 से ही एक सुनियोजित योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत, बंगाल, बिहार और दूसरे प्रांतों में घुसपैठ का सिलसिला जारी है। म्यांमार से आए 60,000 घुसपैठिए रोहिंग्या मुस्लिम भी कश्मीर, बेंगलुरु और हैदराबाद में गलत तरीकों से भारतीय नागरिक बनते जा रहे हैं। जबकि कश्मीर से हिंदू, सिख और बौद्धों को धकिया कर पिछले 3 दशक से शरणार्थी बने रहने को विवश कर दिया है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन असम सरकार के साथ मिलकर फैसला लिया था कि 1971 तक जो भी बांग्लादेशी असम में घुसे हैं, उन्हें नागरिकता दी जाएगी और बाकी को भारत की जमीन से निर्वासित किया जाएगा। इस फैसले के तहत ही अब तक सात बार एनआरसी ने नागरिकों की वैध सूची जारी करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल एनआरसी का विरोध करते रहे हैं। बांग्लादेश के साथ भारत की कुल 4097 किलोमीटर लंबी सीमा-पट्टी है, जिस पर जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इस कारण गरीबी और भुखमरी के मारे बांग्लादेशी असम में घुसे चले आते हैं। क्योंकि यहां इन्हें कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपने-अपने वोट बैंक बनाने के लालच में भारतीय नागरिकता का सुगम आधार उपलब्ध करा देते हैं। मतदाता पहचान पत्र जहां इन्हें भारतीय नागरिकता का सम्मान हासिल करा देता है, वहीं राशन कार्ड की उपलब्धता इन्हें बीपीएल के दायरे में होने के कारण मुफ्त अनाज की सुविधा दिला देती हैं। आसानी से बन जाने वाले बहुउद्देश्यीय पहचान वाले आधार कार्ड भी इन घुसपैठियों ने बड़ी मात्रा में हासिल कर लिए हैं। इन सुविधाओं की आसान उपलब्धता के चलते देश में घुसपैठियों की तादाद चार करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है।

देश दुनिया से

बदलते समय में परंपराओं की चुनौतियां

आस्था और प्रकृति का पुराना रिश्ता- भारत में धर्म और प्रकृति कभी दो अलग इकाइयां नहीं रहे। यहां गंगा केवल नदी नहीं, मां है, पीपल केवल वृक्ष नहीं, देववृक्ष है, हिमालय केवल पर्वत नहीं, बल्कि देवताओं का निवास है। इसीलिए हमारी परंपराएं हमेशा प्रकृति संरक्षण और सामूहिक जीवन के दर्शन से जुड़ी रही हैं। लेकिन आज के दौर में यह रिश्ता कमजोर होता जा रहा है। आधुनिकता, शहरीकरण और जलवायु संकट ने हमारी धार्मिक परंपराओं पर सीधा असर डाला है। जब हम भविष्य बद्री की कथा और मणिमहेश यात्रा की हालिया बाधा को देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि परंपराएं केवल आस्था से नहीं, बल्कि पर्यावरण और समाज से भी गहरे जुड़ी हैं।

भविष्य बद्री की कथा-एक चेतावनी: पौराणिक मान्यता है कि कलियुग के अंत में जब धर्म क्षीण होगा और अधर्म प्रबल होगा, तब बद्रीनाथ धाम के द्वार बंद हो जाएंगे और भगवान विष्णु केवल 'भविष्य बद्री' नामक स्थल पर ही पूजे जाएंगे। यह कथा भूगोल का नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। यह बताती है कि जब समाज धर्म को केवल बाहरी दिखावे तक सीमित कर देता है, जब मनुष्य प्रकृति से दूरी बना लेता है, तब ईश्वर तक पहुंचना कठिन हो जाता है। इसका संदेश गहरा है, आस्था को जीवित रखना है तो जीवन में संतुलन और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को भी जीवित रखना होगा।

मणिमहेश यात्रा-टूटी हुई परंपरा: हिमाचल प्रदेश की मणिमहेश यात्रा सदियों से आस्था का प्रतीक रही है। हर साल भाद्रपद मास की अष्टमी को हजारों लोग कठिन चढ़ाई पार कर झील तक पहुंचते हैं। इस यात्रा का समापन 'डल तोडने' की रस्म से होता है। यह रस्म केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामुदायिक एकता और पीढियों से चली आ रही सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। लेकिन 2025 में पहली बार यह परंपरा टूट गई। भारी वर्षा और भूस्खलन ने रास्ते अवरुद्ध कर दिए। शिव चेले झील तक नहीं पहुंच पाए और चंबा चौगान में ही पूजा-अर्चना कर यात्रा समाप्त करनी पड़ी। श्रद्धालुओं के लिए यह घटना केवल मायूसी नहीं, बल्कि झकझोर देने वाली चेतावनी थी, क्या अब प्रकृति हमें यह संकेत दे रही है कि हमने संतुलन बिगाड़ दिया है।

आज की सबसे बड़ी चुनौती-जलवायु संकट: हिमालय क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन की सबसे गंभीर मार झेलनी पड़ रही है। वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि पिछले 20 वर्षों में हिमाचल और उत्तराखंड में असामान्य वर्षा और भूस्खलन की घटनाएं दोगुनी हो चुकी हैं। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह बदल रहा है और गांव-शहर लगातार खतरे में आ रहे हैं। धार्मिक यात्राएं इस संकट से अछूती कैसे रह सकती हैं? जब रास्ते टूटते हैं, जब बाढ़ आती है, तो परंपराएं भी बाधित होती हैं। यह केवल भौतिक रुकावट नहीं, बल्कि हमारी लापरवाही का परिणाम है।

> परंपराओं का बदलता स्वरूप- आज धर्म कई बार केवल रस्मों तक सीमित होता जा रहा है। पूजा-पाठ के बाहरी रूप पर अधिक जोर है, लेकिन उसके पीछे का गहरा संदेश, प्रकृति के प्रति सम्मान, आत्मसंयम और सामूहिक जिम्मेदारी अक्सर खो जाता है। यही कारण है कि भविष्य बद्री और मणिमहेश की घटनाएं हमें झकझोरती हैं।

अनियंत्रित पर्यटन-आस्था पर बोझ: मणिमहेश ही नहीं, अमरनाथ, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे स्थलों पर हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इतनी भारी भीड़, गाडियों का धुआं, प्लास्टिक का कचरा और होटल, ढाबों का फैलाव इन क्षेत्रों की नाजुक परिस्थिति को नुकसान पहुंचा रहा है। धार्मिक स्थल जहां कभी साधना और शांति के प्रतीक थे, अब वहां शोर और व्यापार का दबाव है। यह विरोधाभास हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपनी आस्था को ही कमजोर कर रहे हैं। परंपराओं का बदलता स्वरूप- आज धर्म कई बार केवल रस्मों तक सीमित होता जा रहा है। पूजा-पाठ के बाहरी रूप पर अधिक जोर है, लेकिन उसके पीछे का गहरा संदेश, प्रकृति के प्रति सम्मान, आत्मसंयम और सामूहिक जिम्मेदारी अक्सर खो जाता है। यही कारण है कि भविष्य बद्री और मणिमहेश की घटनाएं हमें झकझोरती हैं। यह याद दिलाती हैं कि अगर परंपराएं अपने मूल संदेश से कट जाएंगी, तो उनका अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा।

रास्ता क्या है-स्थायी पर्यटन नीति: सरकार को चाहिए कि तीर्थयात्राओं में यात्रियों की संख्या पर नियंत्रण रखे, प्लास्टिक और प्रदूषण पर सख्ती से रोक लगाए और टिकाऊ ढांचागत विकास को प्राथमिकता दे। धार्मिक नेतृत्व की भूमिका- संत, महात्मा और मंदिर समितियां यह संदेश दें कि 'प्रकृति की रक्षा ही पूजा है।' ऐसा संदेश लाखों लोगों की सोच को बदल सकता है। शिक्षा और जागरूकता- स्कूल-कालेजों में धार्मिक यात्राओं को केवल आस्था का नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का अभ्यास भी बताया जाए। स्थानीय समुदाय की भागीदारी-गांव और स्थानीय लोग सबसे पहले इन स्थलों की रक्षा में जुटें। जब समाज खुद जिम्मेदारी लेगा, तभी वास्तविक बदलाव भी आएगा।

निष्कर्षः भविष्य बद्री की कथा और मणिमहेश यात्रा की बाधा, हमें यह बताती हैं कि परंपराएं केवल तभी जीवित रहेंगी, जब वे प्रकृति के साथ सामंजस्य में हों। अगर पर्यावरण असंतुलित होगा, तो आस्था भी टिक नहीं पाएगी। सवाल यह नहीं कि भगवान तक पहुंचना कठिन है। असली सवाल यह है कि क्या हम अपने भीतर की सच्चाई और अपने चारों ओर की प्रकृति को बचा पा रहे हैं? धर्म को केवल अनुष्ठान न बनाइए। इसे जीवन का मार्ग बनाइए, जहां आस्था, समाज और प्रकृति तीनों का संतुलन हो। आज जरूरत है कि हम अपनी परंपराओं को नए नजरिये से देखें, उन्हें पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जोड़ें। तभी वे आने वाली पीढियों को जीवंत और सशक्त धरोहर के रूप में सौंप पाएंगे। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ संतुलन बनाना आवश्यक है।

कुछ अलग

माफ करना समारोह

अचानक आए पुलिस कांस्टेबल को देख घर वाले डर गए, लेकिन वह उन्हें व्यवस्था का सौहार्द बता रहा था, 'मैं आपके लिए 'माफ करना समारोह' का निमंत्रण पत्र लेकर आया हूं। आप एक बार समारोह में पहुंच जाएं। वहां आप सार्वजनिक तौर पर माफ हो जाएंगे।' वर्दी वाले सिपाही का आग्रह देखकर मध्यमवर्गीय परिवार के सारे सदस्य हैरान थे। जिस व्यवस्था ने आज तक नाक में दम कर रखा था, वह अचानक मोम जैसी कैसे हो गई। आदतन मध्यमवर्गीय सोच उस परिवार पर हावी थी, 'माफ करना समारोह' की वैधता में आखिर उनका परिवार ही क्यों चुना गया। आयकर भी पूरा-पूरा भरा है। जीएसटी कटवा कर ही घर को चला रहे हैं। बिना किसी सुविधा नगर निगम के हर शुल्क को अदा कर रहे हैं। प्रदूषण बोर्ड से डर कर चूल्हे तक को ज्यादा नहीं जला रहे हैं। कभी किसी विभाग से कोई शिकायत नहीं की। बच्चों को जैसी शिक्षा मिली, ले ली। इलाज में हर कोताही सह ली। सडक़ पर गड्ढों और शहर में फैलती गंदगी तक की शिकायत नहीं की। नाक पर रुमाल, कानों में रुई और आंखों में सुरमा डालकर हम जैसे तैसे राष्ट्रप्रेमी नागरिक साबित होने में लगे हुए हैं। नेता जी के उसी पुराने भाषण पर हर बार ताली बजाई है। हमने न तो नेता जी की जाति पूछी, न मुख्यमंत्री की प्रजाति। आज तक चुपचाप भरोसा कर रहे हैं कि प्रदेश तरक्की कर रहा है। फिर यह 'माफ करना समारोह' में जाकर करेंगे क्या।' यह सुनकर पुलिस वाले को गुस्सा आ गया, 'आपकी समझ में यह क्यों नहीं आ रहा, जब कानून व्यवस्था खुद चल कर नागरिक से प्रार्थना कर रही है तो आपको भी सहयोग करना होगा।

आप का नजरिया

मंसूबों की सियासत

हम यह विश्लेषण कर चुके हैं कि भारत कभी भी नेपाल नहीं हो सकता, लेकिन विपक्ष का एक तबका भारत को नेपाल में परिणत करने को युवाओं को उकसा, भडक़ा रहा है। यहां तक कहा गया है कि देश के युवा संविधान को बचाएंगे। देश के छात्र लोकतंत्र को बचाएंगे और 'जेनरेशन जी' वोट-चोरी के खिलाफ लड़ेगी। लोकतंत्र, संविधान और देश बचाने का दायित्व प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष से लेकर आम नागरिक तक सभी का है। यह युवाओं के आंदोलन के जरिए ही नहीं हो सकता, क्योंकि भारतीय युवाओं को अपना लोकतंत्र प्रिय है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, 18-35 वर्ष की उम्र के 57 फीसदी से अधिक देशवासी भारत के लोकतंत्र से खुश और संतुष्ट हैं। 56 साल की उम्र और उससे कुछ अधिक उम्रदराज लोग करीब 71 फीसदी भारत के लोकतंत्र से खुश और संतुष्ट हैं। सर्वेक्षण में लोकतंत्र से नाखुश कोई नहीं है, अलबत्ता किन्हीं कारणों से अद्र्ध-संतुष्ट दिखाई दिए हैं। इस लोकतंत्र में आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन भी निहित हैं। कमोबेश भारत में ऐसी 'जेन जी' युवा पीढ़ी की संकल्पना ही नहीं है, जिसके हिंसक आंदोलन भारत को 'शून्य देश' बना दें। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को बेहद पीड़ा के साथ कहना पड़ा है कि नेपाल 'शून्य स्टेट' की स्थिति में है। हिंसक विद्रोह ने अंधाधुंध आगजनी कर संसद भवन, सर्वोच्च अदालत, प्रधानमंत्री दफ्तर और आवास, विभिन्न मंत्रालयों के संवेदनशील दस्तावेजों को 'राख' कर दिया है। उनमें सन्धियों और प्रस्तावों के मूल दस्तावेज भी थे। क्या विपक्ष ऐसा भारत बना देना चाहता है? यदि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दायित्व लोकतंत्र, संविधान बचाने का नहीं है, तो वह 21 साल से सांसद और अब विपक्ष के नेता क्यों हैं? 2024 के लोकसभा चुनाव से हाथ में एक पुस्तिका-सी लेकर उन्होंने क्या नेरेटिव छेड़ा हुआ है? भारत में लोकतंत्र और जनादेश चुनाव के जरिए ही अस्तित्व में हैं। सभी संविधान के दायरे में हैं। जिसे जनादेश हासिल होता है, उसी की सरकार बनती है। वह पक्ष ही संवैधानिक तौर पर देश में शासन चलाता है। इस स्थिति को सभी पक्ष और राजनीतिक दल मान्यता देते रहे हैं। यदि 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के जनादेश देखे जाएं, तो 25-35 साल के आयु-वर्ग के युवाओं ने भाजपा के पक्ष में 38-40 फीसदी और कांग्रेस के पक्ष में 19-20 फीसदी वोट दिए। यह जनादेश कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी निरंतर देखा गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में भाजपा-संघ के सहयोगी संगठन 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्' ने चार में से तीन पदाधिकारियों के चुनाव जीते हैं। इससे युवा पीढ़ी की मानसिकता और उसके रुझान स्पष्ट दिखते हैं कि वह विद्रोही है अथवा लोकतंत्रवादी है! बेशक हमारे देश में भी समस्याएं हैं। यदि भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पर ही कोई विद्रोह फूटना है, जैसा नेपाल में हुआ था, तो देशवासी सहज ही जानते हैं कि इन दोनों बुराइयों के पर्याय कौन हैं? देश में 15-29 साल आयु-वर्ग के युवा 37.14 करोड़ हैं। यह संख्या जनगणना के साथ बढ़ती रहती है। हमारी 65 फीसदी जनसंख्या की औसत उम्र 35 साल और उससे कम है। यकीनन बेरोजगारी हमारे युवाओं की सबसे बड़ी और तनावग्रस्त समस्या है, जो युवाओं को आक्रोशित, उत्तेजित और उन्मादी तक बनाती है। भारत के 15-29 साल की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी दर 16 फीसदी से अधिक है। यह सार्वजनिक संस्थाओं का आंकड़ा है, जबकि सरकार बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 5.2 फीसदी के आसपास मानती है। दोनों आकलन के अपने-अपने आधार हैं, लेकिन इतना फासला है, तो उसे क्या कहेंगे? दरअसल 'जेन जी' की आड़ ली जा रही है। बिहार में विधानसभा चुनाव होने में करीब 2 माह हैं। वहां की करीब 58 फीसदी आबादी की औसत उम्र 25 साल या कम है। वहां चुनावी मौसम में युवाओं के 13-15 विरोध-प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन एक भी विद्रोह के स्तर तक नहीं पहुंचा। दरअसल यह प्रधानमंत्री मोदी का किसी भी तरह तख्तापलट करने के मंसूबों की सियासत है। भारत में ऐसी बगावतें कामयाब नहीं होतीं, अलबत्ता देश में अराजकता और अस्थिरता का माहौल जरूर बनता है। बहरहाल अब देखना होगा कि राहुल गांधी का ऐसा प्रचार कितना सही साबित होता है या फिर 'जेन-जी' वाला सिद्धांत संविधान को बचाने में और लोकतंत्र की रक्षा करने में कितना सक्षम सिद्ध होता है।

> एक सर्वेक्षण के मुताबिक, 18-35 वर्ष की उम्र के 57 फीसदी से अधिक देशवासी भारत के लोकतंत्र से खुश और संतुष्ट हैं। 56 साल की उम्र और उससे कुछ अधिक उम्रदराज लोग करीब 71 फीसदी भारत के लोकतंत्र से खुश और संतुष्ट हैं। सर्वेक्षण में लोकतंत्र से नाखुश कोई नहीं है, अलबत्ता किन्हीं कारणों से अद्र्ध-संतुष्ट दिखाई दिए हैं। इस लोकतंत्र में आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन भी निहित हैं। कमोबेश भारत में ऐसी 'जेन जी' युवा पीढ़ी की संकल्पना ही नहीं है, जिसके हिंसक आंदोलन भारत को 'शून्य देश' बना दें। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को बेहद पीड़ा के साथ कहना पड़ा है कि नेपाल 'शून्य स्टेट' की स्थिति में है। हिंसक विद्रोह ने अंधाधुंध आगजनी कर संसद भवन, सर्वोच्च अदालत, प्रधानमंत्री दफ्तर और आवास, विभिन्न मंत्रालयों के संवेदनशील दस्तावेजों को 'राख' कर दिया है। उनमें सन्धियों और प्रस्तावों के मूल दस्तावेज भी थे। क्या विपक्ष ऐसा भारत बना देना चाहता है? यदि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दायित्व लोकतंत्र, संविधान बचाने का नहीं है, तो वह 21 साल से सांसद और अब विपक्ष के नेता क्यों हैं? 2024 के लोकसभा चुनाव से हाथ में एक पुस्तिका-सी लेकर उन्होंने क्या नेरेटिव छेड़ा हुआ है? भारत में लोकतंत्र और जनादेश चुनाव के जरिए ही अस्तित्व में हैं।

दृष्टि कोण

टैरिफ चुनौती के बीच आर्थिक रफ्तार

यकीनन इस समय टैरिफ की चुनौती के बीच भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और अब कर सुधारों से अर्थव्यवस्था की गति को पंख लगते हुए दिखाई देंगे। हाल ही में 19 सितंबर को दुनिया की प्रसिद्ध जापान की ग्लोबल रेटिंग एजेंसी रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इंफार्मेशन (आरएंडआई) ने कहा कि अमेरिका के द्वारा भारत पर ऊंचे टैरिफ लगाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था बढने की प्रवृत्ति दिखा रही है। ऐसे में भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को एक पायदान ऊपर करते हुए बीबीबी प्लस किया गया है। इसके पहले भी पिछले दिनों एसएंडपी और मार्निंग स्टार डीबीआरएस जैसी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। गौरतलब है कि हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार है। इन दिनों हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स में किए गए नए सुधारों और नई व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी, वरन देश विकसित राष्ट्र बनने की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा। जीएसटी और इनकम टैक्स में किए गए बदलाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह आम लोगों के जीवन में खुशहाली का डबल धमाका है। इनकम टैक्स में मिली 12 लाख तक की छूट के बाद अब जीएसटी की दरों में की गई कटौती से घरों का बजट सुधरेगा, आम लोगों की बचत बढ़ेगी और मध्यम वर्गीय लोगों की क्रयशक्ति में भी बड़ा इजाफा होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधारों से इसी वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई दे सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 9 सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि

भारत में कर दरों में कमी किए जाने से निजी उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास मजबूत होगा। साथ ही इससे महंगाई में भी कमी आएगी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि 10 सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। गौरतलब है कि 22 सितंबर से लागू नए ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों के तहत मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी व्यवस्था के रूप में रणनीतिक पूर्वक आगे बढ़ाया गया है। हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू किया गया है। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एक, स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है।

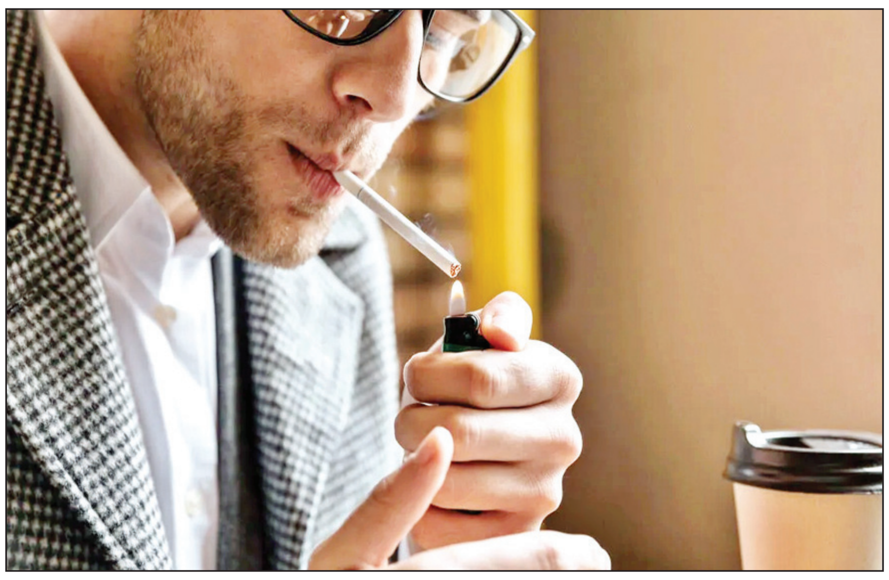

शरीर के हर अंग को नुकसान पहुंचाती है स्मोकिंग

लंदन,22 सितंबर (एजेंसियां) ।

धूम्रपान एक ऐसी आदत है, जो धीरे-धीरे शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाती है। स्मोकिंग से हार्ट डिजीज, कैंसर, लंग डिजीज समेत कई जानलेवा बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। अगर आप स्मोकिंग छोड़ देते हैं, तो शरीर में तुरंत सुधार शुरू हो जाता है। आप सिगरेट पीना छोड़ देते हैं, तो यह न सिर्फ आपकी जिंदगी बचा सकता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से भी बचा सकता है। आज आपको बताएंगे कि धूम्रपान छोड़ने से किन बीमारियों का रिस्क कम हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो स्मोकिंग से हार्ट की धमनियां संकरी और सख्त हो जाती हैं, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। सिगरेट छोड़ने के 24 घंटे के अंदर ही दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर सामान्य होने लगते हैं। लगभग 1 साल के भीतर हार्ट अटैक का खतरा 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है। सिगरेट में मौजूद टार और केमिकल्स फेफड़ों को खराब करते हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी समस्याएं होती हैं। धूम्रपान छोड़ने के कुछ हफ्तों में ही फेफड़ों की कार्यक्षमता सुधरने लगती है और खांसी व सांस फूलने की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है। कई रिसर्च में सामने आया है कि सिगरेट पीने से कई तरह के कैंसर का खतरा बढ़ता है, जिनमें फेफड़ों का कैंसर प्रमुख है। इसके अलावा मुंह, गला, मूत्राशय, किडनी, लिवर और पेट का कैंसर भी स्मोकिंग से जुड़ा हुआ है। सिगरेट छोड़ने के कुछ सालों बाद कैंसर का जोखिम धीरे-धीरे सामान्य व्यक्ति के बराबर होने लगता है। धूम्रपान से शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ जाता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज होने का रिस्क बढ़ता है। निकोटीन ब्लड प्रेशर को भी बढ़ाता है। सिगरेट छोड़ने से इन दोनों स्थितियों में सुधार आता है और शरीर की इंसुलिन उपयोग करने की क्षमता बेहतर होती है। सिगरेट का धुआं इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ सकता है। जब आप धूम्रपान छोड़ते हैं, तो शरीर के इम्यून सिस्टम की ताकत धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। इससे सर्दी-जुकाम, इंफेक्शन और गंभीर बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलती है। धूम्रपान पुरुष और महिलाओं दोनों की फर्टिलिटी पर असर डालता है। यह पुरुषों में स्पर्म काउंट कम करता है और महिलाओं में ओवरी की कार्यक्षमता को घटाता है। स्मोकिंग पुरुषों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन की समस्या को बढ़ा सकती है। ऐसे में सिगरेट छोड़ने से मेल और फीमेल्स दोनों का यौन स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। बहुत से लोग तनाव या चिंता के कारण सिगरेट पीते हैं, लेकिन सिगरेट असल में डिप्रेशन और चिंता को बढ़ा सकती है। जब आप इसे छोड़ते हैं, तो शुरुआत में कुछ अजीब लक्षण नजर आ सकते हैं, लेकिन कुछ समय बाद मानसिक स्थिति बेहतर होती है और मूड स्थिर रहता है।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिणी लेबनान में इजराइली ड्रोन हमले में 5 की मौत, 3 बच्चे भी शामिल

बेरूत। लेबनान के दक्षिणी शहर बिंत जबील में रविवार को इजराइली ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल रहे। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में एक मोटरसाइकिल और वाहन भी निशाना बने, जिससे दो अन्य लोग घायल हुए। लोकसभा अध्यक्ष नबिह बेरी ने बताया कि मृतकों में एक पिता और उसके तीन बच्चे थे, जबकि माता घायल हैं। परिवार के सदस्य अमेरिकी नागरिक थे। इजराइली सेना ने कहा कि हमले में एक हिज्बुल्लाह सदस्य मारा गया, लेकिन कुछ निर्दोष नागरिक भी हताहत हुए। सेना ने घटना की समीक्षा की घोषणा की और निर्दोषों को होने वाले नुकसान पर खेद जताया। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हमले की निंदा करते हुए इसे नागरिकों के खिलाफ खुला अपराध और दक्षिणी गांवों में लौट रहे लोगों के लिए डराने का संदेश बताया। यह हमला उस समय हुआ है जब इजराइल ने पिछले साल नवंबर में हुए अमेरिका-समझौते के बाद से हिज्बुल्लाह की छावनियों को निशाना बनाना जारी रखा है। लेबनान पर अमेरिकी, सऊदी और हिज्बुल्लाह के घरेलू विरोधियों द्वारा समूह को हथियार छोड़ने का दबाव बढ़ा है, जबकि हिज्बुल्लाह ने चेतावनी दी है कि जब तक इजराइल हवाई हमले जारी रखेगा, हथियार छोड़ने पर चर्चा करना गंभीर गलती होगी।

चीन के पास अब दुश्मन का रडार उड़ाने वाली घातक मिसाइल

बीजिंग। चांगचुन एयर शो में चीन ने अपने जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट को पहली बार एंटी-रेडिएशन मिसाइल के साथ प्रदर्शित किया। यह दुश्मन के रडार को उड़ाने वाली घातक मिसाइल के प्रदर्शन से साफ संकेत है कि चीन अपने आधुनिक लड़ाकू विमानों को न केवल हवाई युद्ध के लिए, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर मिशनों के लिए भी तैयार कर रहा है। नॉर्थईस्ट चीन के जिलिन प्रांत में चल रहे इस एयर शो में एविशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना ने जे-35ए का स्केल मॉडल कई मिसाइलों के साथ पेश किया। इन हथियारों में एयर-टू-एयर मिसाइलें पीएल-10ई, पीएल-15ई और पीएल-12एई शामिल थीं। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली एलडी-8ए एंटी-रेडिएशन मिसाइल रही। बीजिंग में एक जानकार वांग यानान ने बताया कि एंटी-रेडिएशन मिसाइलें खासतौर पर उन राडार इंस्टॉलेशन को निशाना बनाती हैं, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स का उत्सर्जन करते हैं। यह मिसाइलें वेव सोर्स को ट्रैक कर उसे नष्ट कर देती हैं। आमतौर पर इस तरह की मिसाइलों का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर एयरक्राफ्ट करते हैं। इनके पास शक्तिशाली सेंसर होते हैं। मिसाइल को एक साथ प्रदर्शित करने से संकेत मिलता है कि इस फाइटर जेट का इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर वेरिएंट भी हो सकता है।

डेटिंग शो को लेकर पाकिस्तान में मचा बवाल, बहिष्कार करने की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक डेटिंग शो लजावल इश्क को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी शुरू हो गई है, यह शो अभी रिलीज भी नहीं हुआ है। यह शो यूट्यूब पर 29 सितंबर को रिलीज होगा। इस शो में चार पुरुष और चार महिलाएं इस्तांबुल के एक आलीशान विला में एक साथ रहेंगे, जहां उनकी हर गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड की जाएंगी। इस शो में कंटेस्टेंट्स अलग-अलग चुनौतियों में हिस्सा लेंगे, रिश्ते बनाएंगे और अंत में एक कपल विनर बनेगा। यह शो आस्क अदासी और लव आइलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय शो से प्रेरित इसके 100 एपिसोड बनाए जाएंगे। दरअसल, पाकिस्तान में शादी से पहले किसी गैर इंसान से रिश्ते बनाना या डेट करना गलत माना जाता है। धार्मिक समूहों ने इसे गैर-इस्लामिक बताया है। वहीं लोगों ने सोशल मीडिया पर बायकॉट करने की मांग की। इस शो को पाकिस्तानी अभिनेत्री आयशा उमर होस्ट करेंगी। यह इस्तांबुल में फिल्माया गया है और यह तुर्की के आस्क अदासी और लव आइलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय शो से प्रेरित है। शो का प्रोमो रिलीज होने के बाद से सोशल मीडिया पर अभियान शुरू हो गए। प्रोमो में आयशा उमर प्रतियोगियों का स्वागत करती नजर आईं। सोशल मीडिया पर इसे गैर-इस्लामिक और पश्चिमी संस्कृति की नकल बताकर निशाना साधा गया है। कई लोगों ने इसे पाकिस्तानी और इस्लामी मूल्यों के खिलाफ बताया।

पुर्तगाल भी ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया के साथ, फ़िलिस्तीन को दी मान्यता, फ्रांस भी तैयार, इजराइल का रुख और कड़ा

लंदन,22 सितंबर (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के रविवार को फिलिस्तीन राज्य को औपचारिक मान्यता देने की घोषणा के बाद पुर्तगाल ने भी ऐसे ही कदम का ऐलान कर दिया। इन देशों ने यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय आक्रोश के बीच गाजा में अभियान जारी रखने वाले इजराइल पर दबाव बनाने के लिए की है। इजराइल ने कहा कि इससे उसकी रणनीति पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया दशकों से इजराइल के मजबूत सहयोगी रहे हैं। पोलैंड के साथ इन तीनों देशों ने द्वि-राष्ट्र समाधान की दिशा में प्रगति न होने पर गहरी निराशा भी व्यक्त की है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पुर्तगाल ने कहा कि द्वि-राष्ट्र समाधान ही न्यायसंगत और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग है। अब फ्रांस व अन्य देशों के कदमों का इंतजार है। उम्मीद है कि फ्रांस और कई अन्य देश इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐसा ही करेंगे। इससे इजराइल का अलगाव और गहरा होगा। इजराइल के प्रमुख सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके मतभेद और बढ़ेंगे। इन कदमों पर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़े शब्दों में कहा, कोई फिलिस्तीनी राज्य नहीं होगा।

नेतन्याहू ने कहा, सात अक्टूबर के भयानक नरसंहार के बाद फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने वाले नेताओं के लिए मेरा एक स्पष्ट संदेश है-आप आतंक को बहुत बड़ा इनाम दे रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा, हमारी धरती के मध्य एक आतंकवादी राज्य को थोपने की इस ताजा कोशिश का जवाब मेरे अमेरिका से लौटने के बाद दिया जाएगा। इंतजार कीजिए।

इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग ने कहा कि इस कदम से एक भी फिलिस्तीनी को मदद नहीं मिलेगी। एक भी बंधक को छुड़ाने में मदद नहीं मिलेगी। इससे हमें इजराइलियों और फिलिस्तीनियों के बीच कोई समझौता करने में मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने एक्स पर कहा, यह उन लोगों के लिए एक दुखद दिन है जो सच्ची शांति चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के 140 से ज्यादा अन्य सदस्य पहले ही फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। यह संख्या गाजा में इजराइल के बढ़ते हमले को लेकर बढ़ती चिंता के बीच बढ़ी है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक्स पर कहा, उनका देश फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देता है। साथ ही फिलिस्तीन राज्य और इजराइल राज्य के लिए एक शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण में अपनी साझेदारी की पेशकश करता है। कनाडा सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घोषणा से कुछ समय पहले कहा, फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने हिंसा का त्याग कर दिया है। इजराइल को मान्यता दे दी है और द्वि-राज्य समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। हम शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व चाहने वालों को सशक्त बनाने और हमास को हाशिए पर डालने के लिए फिलिस्तीन राज्य को मान्यता दे रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने तो जुलाई में यह वादा किया था कि वह फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देंगे। स्टारमर आदि नेताओं के इन कदमों से बेपरवाह इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा, कब्जे वाले पश्चिमी तट पर यहूदी बस्तियों की संख्या दोगुनी कर दी गई है हम इसी रास्ते पर चलते रहेंगे। स्टार्मर ने वीडियो संबोधन में कहा, मध्य पूर्व में बढ़ते आतंक के मद्देनजर हम शांति की संभावना को जीवित रखने के लिए काम कर रहे हैं। उधर, ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के यात्रा सलाह वेबपेज को रविवार को स्टार्मर की घोषणा के अनुरूप अपडेट किया गया, जिसमें अधिकृत फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों का उल्लेख बदलकर फ़िलिस्तीन कर दिया गया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जुलाई में यह प्रमुख पहल की थी। उन्होंने देशों से संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी मान्यता की घोषणा में फ्रांस के साथ शामिल होने का आह्वान किया था। रविवार को एक साक्षात्कार में मैक्रों ने सोमवार को फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के फ्रांस के इरादे की पुष्टि की। साथ ही कहा कि गाजा में शेष बंधकों की रिहाई उदाहरण के लिए, फिलिस्तीन में दूतावास खोलने से पहले एक अनिवार्य शर्त होगी। उधर, बेल्जियम, लक्ज़मबर्ग और सैन मैरिनो भी इस सप्ताह फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की घोषणा कर सकते हैं। इस बीच, फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण के अध्यक्ष महमूद अब्बास ने कहा कि ब्रिटेन की यह घोषणा न्यायपूर्ण और स्थायी शांति प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और आवश्यक कदम है। अब्बास के अनुसार, यह कदम द्वि-राज्य समाधान के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगा। हमास के राजनीतिक कार्यालय के वरिष्ठ सदस्य बासम नईम ने कहा कि ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया का यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन इसके साथ जमीनी स्तर पर व्यावहारिक उपाय भी किए जाने चाहिए। फिलिस्तीनी राजनीति की अग्रणी हस्ती डॉ. हनान अशरावी ने कहा कि यह कदम दुनिया में एक बड़े बदलाव का संकेत है। इन देशों के पास नरसंहार रोकने और इजराइल के खिलाफ़ दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए कई रास्ते खुले हैं। अब परीक्षा इस बात पर है कि वे ऐसा करेंगे या नहीं। फिलिस्तीन को पूर्ण सदस्य बनाने के लिए सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से कम से कम नौ का पक्ष में मतदान आवश्यक है।

जयशंकर-पीयूष गोयल अमेरिका दौरे पर, मार्को रुबियो समेत नेताओं से अहम मुलाकात

वाशिंगटन,22 सितंबर (एजेंसियां) ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर मुलाकात करेंगे। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आने वाले कुछ उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ व्यापार और टैरिफ से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

यह मुलाकात इस साल जयशंकर और रुबियो की तीसरी आमने-सामने की बैठक होगी। इससे पहले दोनों देशों के समकक्ष जनवरी और जुलाई में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठकों के दौरान वॉशिंगटन में मिल चुके हैं। उम्मीद जाहिर की जा रही है, कि मौजूदा हालात में यह मुलाकात भारत-अमेरिका रिश्तों को नया आयाम देने की दिशा में अहम साबित हो सकती है।

गोयल समकक्षों के साथ कर रहे बातचीत

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी वॉशिंगटन डीसी में अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उनका उद्देश्य लंबित व्यापार वार्ताओं को आगे बढ़ाना और समझौते को अंतिम रूप देना है। गोयल न्यूयॉर्क में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर से भी मुलाकात करेंगे।

गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में संकेत दिए थे कि वह भारत के साथ व्यापार बाधाओं को कम करने और समझौते को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। ट्रंप ने आशा जताई थी, कि जल्द ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पटरी पर लाना संभव होगा। इसके जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, कि यह वार्ता दोनों देशों की साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का रास्ता खोलेगी। यही वजह है कि भारत और अमेरिका के बीच जारी वार्ताओं पर सभी की नज़रें टिकी हैं।

कोरोना की खबर दिखाने वाली पत्रकार को फिर 4 साल जेल

बीजिंग। चीनी पत्रकार झांग झान को वुहान में कोविड-19 की शुरुआती हालात की खबरें दिखाने के लिए फिर से 4 साल की जेल की सजा दी गई है। यह जानकारी प्रेस की आजादी के लिए काम करने वाले संगठन रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने दी। 42 साल की झांग झान को लड़ाई-झगड़ा करने और परेशानी पैदा करने के आरोप में सजा मिली। 2020 में इसी आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई थी, तब उन्होंने वुहान में कोरोना वायरस के फैलने की खबरें और वीडियो सोशल मीडिया पर डाले थे। आरएसएफ की अधिकारी अलेक्सांद्रा बिएलाकोव्स्का ने कहा- झांग झान को दुनिया भर में सम्मान मिलना चाहिए, न कि जेल में कठिन हालात झेलने चाहिए। उनकी मुश्किलें खत्म होनी चाहिए। दुनिया के देशों को चीन पर दबाव डालकर उन्हें तुरंत रिहा करवाना चाहिए। झांग को मई 2020 में गिरफ्तार किया गया था, तब उन्होंने वुहान के भरे हुए अस्पतालों और खाली सडक़ों की तस्वीरें और वीडियो दिखाए थे। गिरफ्तारी के बाद उन्होंने खाना छोड़ दिया था, जिसकी वजह से पुलिस ने उनके हाथ बांधकर जबरदस्ती खाना खिलाया।

रेप, जेल और मेंटल हॉस्पिटल में टॉर्चर तुर्कमेनिस्तान में समलैंगिक होना पाप

लंदन,22 सितंबर (एजेंसियां) ।

तुर्कमेनिस्तान को दुनिया के सबसे सीक्रेट और दमनकारी शासन वाले देशों में गिना जाता है। यहां से किसी तरह भागकर बाहर आए दो लोगों ने बताया है कि कैसे समलैंगिक (गे) होने के अपराध के लिए तुर्कमेनिस्तान में उन्हें प्रताड़ित किया गया, पीटा और रेप किया गया। जब भी तेल और गैस से समृद्ध मध्य एशियाई देश सुर्खियाँ बटोरता है, तब यह आमतौर पर उसके राष्ट्रीय नेता और हीरो कहे जाने वाले गुरबांगुली बर्डीमुखामेदोव की विलक्षणताओं के लिए होता है। डेंटिस्ट से तानाशाह बना यह नेता अपने घोड़े के बारे में कविताएं लिखता है, उसकी अपनी फुटबॉल टीम ने स्थानीय लीग में कभी कोई गेम नहीं हारा है।

लेकिन एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच का कहना है कि इस सब हवा-हवाई बातों के पीछे की सच्चाई यह है कि यहां विरोधियों और अल्पसंख्यकों को बेरहमी से सताया जाता है। एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को अक्सर जेल में डाला दिया जाता है या मनोरोग अस्पतालों में भेज दिया जाता है।

अर्सलान ने बताया कि कैसे जेल में उसके साथ पांच बार बलात्कार हुआ। यहां एचआईवी पॉजिटिव कैदियों को इलाज के अभाव में धीमी मौत की सजा दी जाती है। जबकि दूसरे डेविड का कहना है कि उसके यातना देने वालों ने पीटा और उसके साथ बलात्कार किया। डेविड ने बताया कि उसके साथ बलात्कार करने वालों ने मेरे खून को छूने से बचने के लिए दस्ताने पहने थे। वैसे तुर्कमेनिस्तान के अधिकारी इसतरह सभी आरोपों पर टिप्पणी करने से इंकार करते हैं। लेकिन पिछले साल संयुक्त राष्ट्र में उन्होंने कहा कि तुर्कमेनिस्तान में किसी तरह का भेदभाव अवैध है। साथ ही उन्होंने कहा कि समलैंगिक संबंध एक अपराध है, क्योंकि वे तुर्कमेन लोगों के पारंपरिक मूल्यों के विपरीत है। अर्सलान 18 साल की उम्र में तुर्कमेनिस्तान की अश्गाबात में चले आए थे उन्हें वहां एक छोटा समलैंगिक समुदाय मिला और उन्होंने एक व्यक्ति के साथ गुप्त संबंध बनाए। लेकिन तीन साल बाद उन्हें लगभग 10 अन्य संदिग्ध समलैंगिकों के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

जनवरी 2018 में एक बंद कमरे की सुनवाई में अर्सलान को पुलिस ने पीटा था और अप्राकृतिक यौनाचार के आरोप में दो साल की जेल हुई। माफी मिलने से पहले उसने 9 महीने दंड देने के लिए अलग से बनाए कॉलोनी (जेल ही) में बिताए थे। उसके बैरक में 72 पुरुषों में से करीब 40 अपनी समलैंगिक होने के कारण वहां मौजूद थे। एक दिन उसे ड्रग्स देकर वहां उसके साथ बार-बार बलात्कार किया गया। अर्सलान ने कहा कि यह घृणित था।

जब जेल के डायरेक्टर को बलात्कार के बारे में बताया, तब वह हंसे, और कहा कि मैं इसके लिए ही वहां लाया गया था। जेल से छूटने के बाद 2021 और 2022 में फिर से गिरफ्तार किया और दो बार मेंटल हॉस्पिटल भेजा गया।

एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने का फैसला 'अमेरिका-फर्स्ट' नीति के तहत लिया

राष्ट्रपति ट्रंप के बचाव में व्हाइट हाउस ने जारी किया पत्र

वाशिंगटन,22 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर आवेदन शुल्क को 100,000 डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए कर दिया है। इसको लेकर भारत समेत दुनिया में कई सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों को लेकर अब व्हाइट हाउस ने एक पत्र जारी कर ट्रंप का बचाव किया और वीजा प्रोग्राम के दुरुपयोग, अमेरिकी नौकरियों पर खतरे और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को प्रमुख कारण बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने कहा कि कंपनियां जानबूझकर अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम सैलरी पर विदेशी पेशेवरों को नौकरी देकर काम करा रही हैं जिससे अमेरिका के युवा बेरोजगार हो रहे हैं। नए शुल्क का उद्देश्य ऐसे दुरुपयोग को रोकना और केवल हाई-स्किल्ड और हाई-सैलरी वर्कर्स को प्राथमिकता देना है। बताया जा रहा है कि कंपनियां एच-1बी का इस्तेमाल अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी कर्मचारियों को लाने के लिए कर रही हैं। एक कंपनी ने 5,189 एच-1बी मंजूरी के बाद 16,000 अमेरिकियों को नौकरी से निकाल दिया। ओरेगन में 2,400 नौकरियां खत्म करने वाली कंपनी को 1,698 एच-1बी वीजा मिले। 2003 में 32 फीसदी आईटी नौकरियां एच-1बी धारकों के पास थीं, 2025 तक यह 65 फीसदी से ज्यादा हो जाएगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर 6.1 फीसदी और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में 7.5 फीसदी है, जो अन्य विषयों से दोगुनी है। 2000 से 2019 के बीच विदेश में जन्मे वर्कर्स की संख्या दोगुनी हुई, जबकि कुल स्टेम रोजगार में सिर्फ 44.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अमेरिकी कर्मचारियों को नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट के तहत अपने एच-1बी रिप्लेसमेंट को ट्रेन करने के लिए मजबूर किया। एच-1बी प्रोग्राम युवाओं को टेक सेक्टर में आने से हतोत्साहित कर रहा है, नौकरी की सुरक्षा और सैलरी दोनों प्रभावित हो रहे हैं। वहीं टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अहम सेक्टर्स में विदेशी श्रम पर निर्भरता अमेरिका की आत्मनिर्भरता को कमजोर करती है। ट्रंप ने श्रम विभाग को प्रचलित वेतन नियम बदलने और उच्च वेतन वाले आवेदकों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह फैसला 'अमेरिका-फर्स्ट' नीति के तहत लिया गया है। अब जॉब ट्रेनिंग संसाधन केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए आरक्षित रहेंगे और विदेशी श्रमिकों पर निर्भरता कम होगी। प्रशासन का दावा है कि ट्रंप के कार्यकाल में लौटने के बाद से सभी नई नौकरियां अमेरिकी श्रमिकों को ही दी गई हैं। यह फैसला भारतीय आईटी पेशेवरों पर बड़ा असर डाल सकता है, क्योंकि एच-1बी वीजा धारकों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी भारतीयों की है।

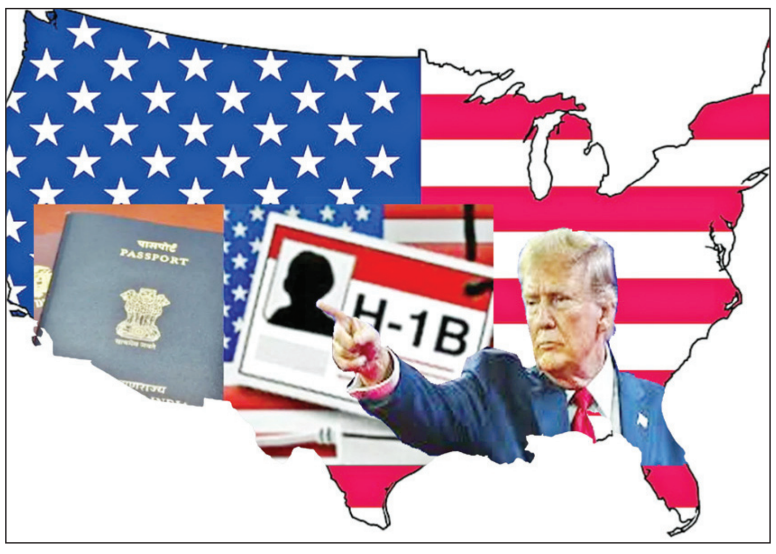

भारत केसरी कलुआ गुर्जर ने दी हरियाणा के पुष्पेंद्र नेवी को दी पटकनी, ढाई लाख जीते

गौतम बुद्ध नगर, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में आयोजित 35वें विशाल दंगल में ढाई लाख रुपये इनाम की कुश्ती भारत केसरी रेलवे कलवा गुर्जर ने जीत ली है। पहलवान कलवा गुर्जर ने हरियाणा के भारत केसरी पुष्पेंद्र नेवी को एक रोमांचक मुकाबले में हराया।

नगर के सेक्टर 74 स्थित तिवोली फॉर्म के पास खुले मैदान में आयोजित दंगल रविवार दोपहर से शुरू हुआ और देर रात तक चला।सबसे बड़ी इनामी कुश्ती के शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री डीपी यादव ने दोनों पहलवानों के हाथ मिलवाए। इस अवसर पर डीपी यादव ने कहा कि कुश्ती एक भारतीय पारंपरिक खेल है। कुश्ती लड़ने वाले लोग शरीर से मजबूत, मन से स्वस्थ्य और विचार से शुद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि देश के नौजवान जहां एक तरफ नशा और अपराध की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, वही कुश्ती और ग्रामीण क्षेत्र के पारंपरिक खेल युवाओं को चुश्त-दुरुस्त तंदुरुस्त और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाए हुए हैं। यादव ने कहा कि नोएडा जैसे महानगर में कुश्ती के आयोजन को देखने के लिए जिस तरह से हजारों की संख्या में लोग जुटे हैं, यह इस बात को सिद्ध करता है कि अभी भी लोग अपने पारंपरिक खेल और संस्कृति से जुड़े हैं। दंगल के आयोजक जितेंद्र यादव और विक्रांत यादव ने बताया कि वे अपने पिता स्वर्गीय श्याम सिंह की स्मृति में हर वर्ष विशाल दंगल करवाते हैं। इस दंगल में हजारों की संख्या में पहलवान भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी कुश्ती ढाई लाख की थी।

मैकमिलन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास कर रही न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम

चेन्नई। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में शुरु हो रहे विश्वकप में कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में उतरेगी। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास में लगी है। भारतीय हालातों के अनुकूल ढ़लने के लिए टीम पहले ही यहां पहुंच गयी थी। मैकमिलन को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण बनाये जाने से भी टीम में उत्साह है। नई भूमिका के तहत मैकमिलन का काम महिला टीम को बेहतर बनाना रहेगा। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य प्रतिबद्धताओं से दूर रहेंगे। क्रेग इससे पहले पार्ट-टाइम करार पर कोच थे पर अब उन्हें पूरे समय के लिए कोच बनाया गया है। मैकमिलन साल 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के समय भी टीम के साथ थे। मैकमिलन ने कहा, इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, टीम एक-दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विश्व कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रो कबड्डी लीग : यूपी योद्धाज का तमिल थलाइवाज से सामना

जयपुर। प्रो कबड्डी लीग के सीजन 12 में यूपी योद्धाज का सामना तमिल थलाइवाज से होगा। जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में होने वाले इस मैच में यूपी की टीम जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी। टीम ने चार मैचों में हार के साथ एक चुनौतीपूर्ण दौर का सामना किया है, लेकिन टीम ने अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन किया है जिससे यह संकेत मिलता है कि टीम वापसी करने की स्थिति में है। रक्षात्मक रूप से मजबूत टीम अपनी ताकत को मैदान पर परिणामों में बदलने की कोशिश करेगी। टीम अंक तालिका में 6 मैचों मे दो जीत और चार हार के साथ दसवें नंबर पर है। मैच से पहले टीम के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने गलतियां कम करने पर जोर दिया। उन्होंने एक बयान में कहा, हम कई मैचों में काफ़ी करीबी रहे हैं, लेकिन छोटी-छोटी गलतियों को कम करने की जरूरत है। अगर हमारी रेडिंग और डिफेंसिव दोनों ही अच्छी तरह से काम करती हैं, तो हमें बेहतर नतीजे मिलने का पूरा भरोसा है। खिलाड़ियों का प्रयास जबरदस्त रहा है और हम इसे नतीजों में बदलने के लिए काम कर रहे हैं। इस बीच, तमिल थलाइवाज का यह सीज़न मिला-जुला रहा है और वे भी निरंतरता बनाए रखने के लिए उत्सुक होंगे। यूपी भी इस मैच में एक अहम जीत की उम्मीद से उतरेगा।

हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री के साथ दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया है।

हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप विश्वास के साथ मिलकर अशोक नगर इलाके के एक दुर्गा उत्सव पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरभजन ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कोलकाता के लोगों के प्यार एवं सम्मान के लिए आभार जताया। उद्घाटन समारोह हरभजन ने कहा, सबसे पहले मैं मां दुर्गा का प्रणाम करते हुए जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाया। खेल मंत्री अरूप विश्वास के इस प्रकार सम्मान देने के लिए मैं उनका धन्यवाद देता हूं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं यहां आया। कोलकाता में मुझे हमेशा बहुत प्यार मिलता है। मैं यही कामना करता हूं कि मां दुर्गा सब पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी खुश रहें। हरभजन ने दुर्गा पूजा के महत्व को लेकर कहा, दुर्गा पूजा एक ऐसा उत्सव है, जिसका हम सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। मां दुर्गा की पूजा हर जगह होती है पर कोलकाता में इसे एक भव्य त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह मां का आशीर्वाद है कि मैं आज यहां मौजूद हूं। हरभजन सिंह ने दादा के नाम से लोकप्रिय पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने पर कहा, गांगुली मेरे लिए बड़े भाई जैसे हैं। जीवन में एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो कठिन वक्त में आपका साथ देता है और आपके हाथ को थामता है। मेरे लिए दादा वही व्यक्ति हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनकी जीत की कामना करता हूं।

शोएब अख्तर ने पाक टीम को जमकर फटकार लगायी, 200 रन बनाते तो भी हारते

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एशिया कप में भारतीय टीम के हाथों

मिली करारी हार पर पाक टीम को जमकर फटकार लगायी है। अख्तर ने कहा कि पाक टीम अगर 200 रन भी बना लेती तो भी हारती। अख्तर ने सुपर 4 में भारतीय टीम के हाथों पाकिस्तान की छह विकेट से करारी पर कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजी करारी गयी उससे तो हारना तय था। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 171 रन बनाए थे। इस लक्ष्य को भारतीय टीम ने 19 वें ओवर में ही चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाक टीम को लगा था कि 171 रन काफी हैं पर भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच उनके हाथ से छीन लिया। इन दोनो की 105 रन की शुरुआती साझेदारी से भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अख्तर ने कहा अगर इस टीम के पास 200 रन होते तो उसको भी उसके गेंदबाज उसका बचाव नहीं कर पाते। डिफेंड नहीं कर पाते. अख्तर ने मैच के बाद एक टीम को आड़े हाथों लिया और कहा, अगर फहीम से ही गेंदबाजी करानी थी तो नई गेंद से कराना चाहिये था।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप : जेमिमा रोड्रिग्स ने 16 सदस्यीय भारतीय टीम को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेले जाने वाले पहले दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के लिए चुनी गईं सभी 16 खिलाड़ियों को शुभदकामनाएं दी हैं।

इस महीने की शुरुआत में, भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) ने इस मेगा इवेंट के लिए टीम की घोषणा की थी और तब से विश्व कप की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

भारत के लिए 112 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकीं जेमिमा ने एक बयान में कहा कि यह बेहद गर्व की बात है क्योंकि पहली बार दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी भारत करेगा। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि खिलाड़ी ट्रॉफी जीतकर देश को गौरवान्वित करेंगी। जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा, भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम के लिए चुनी गईं सभी 16 खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं। यह शानदार होने वाला है। यह पहली बार है कि दृष्टिबाधित महिलाओं का टी20 विश्व कप भारत में आयोजित किया जा रहा है। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं। मुझे पता है कि आप सभी के लिए उत्साह दोगुना होगा। मैं आप सभी के ट्रॉफी उठाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। हाल ही में सीएबीआई के अध्यक्ष डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नावर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की थी और इस विशाल आयोजन का विवरण प्रस्तुत किया था। उनके साथ पूर्व विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री और टूर्नामेंट की आयोजन समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी लेखी भी थीं।

आगामी दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। मैच नई दिल्ली, बेंगलुरु और श्रीलंका के कोलंबो में होंगे। टूर्नामेंट में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका की टीम भाग ले रही हैं।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

बी1 श्रेणी: सिमू दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश), अनु कुमारी (बिहार), जमुना रानी टुडू (ओडिशा), काव्या वी (कर्नाटक)

बी2 श्रेणी: अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हंसदा (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान), सुनीता सराठे (मध्य प्रदेश), पारबती मांडी (ओडिशा)

बी3 श्रेणी: दीपिका टी सी (कर्नाटक - कप्तान), फूला सोरेन (ओडिशा), गंगा एस कदम (महाराष्ट्र - उप कप्तान), काव्या एन आर (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)।

सीपीएल 2025: ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने पांचवीं बार जीता खिताब गयाना को 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के फाइनल मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराते हुए पांचवीं बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। गयाना में खेले गए फाइनल में ट्रिनबागो ने वॉरियर्स को तीन विकेट से हराया। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स छठी बार फाइनल में पहुंची थी और उसमें से 5 बार वो चैंपियन बनी है। इससे पहले उसने ये ट्रॉफी 2015, 2017, 2018, 2020 में जीती है। गयाना की धीमी शुरुआत, 130 रनों पर सिमटी पारी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 130 रन बनाए। टीम के लिए सबसे बड़ी पारी इफ्तिखार अहमद ने खेली, जिन्होंने 27 गेंदों पर 30 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में बेन मैकडरमोट ने 17 गेंदों पर 28 रन और ड्वेन प्रीटोरियस ने 18 गेंदों पर 25 रन बनाए। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर 3 विकेट लेकर सौरभ नेत्रवलकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। वहीं अकील हुसैन ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट झटके। ट्रिनबागो की आसान जीत लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम ने 18 ओवरों में 7 विकेट पर 133 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली। टीम की ओर से सर्वाधिक रन एलेक्स हेल्स ने बनाए। उन्होंने 34 गेंदों में 26 रन बनाए। कॉलिन मुनरो 23 रन, सुनील नारायण 22 रन, कीरोन पोलार्ड 21 रन और अकील हुसैन ने 7 गेंदों में नाबाद 16 रन बनाए।

23 और 24 सितंबर को वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेगी बीसीसीआई : सैकिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 23 सितंबर को किया जाएगा। इसी के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू सत्र शुरु होगा। पहला टेस्ट 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत ये भारतीय टीम की पहली घरेलू सीरीज होगी। भारतीय टीम ने 2025-27 चक्र की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से की थी जो 2-2 से बराबरी पर रही थी। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज सीरीज के लिए ऑनलाइन बैठक में टीम पर फैसला होगा। सैकिया ने कहा, वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 24 सितंबर को होगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज की टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं ये सीरीज न चेज की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम के लिए भी नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में जून-जुलाई 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद दूसरी सीरीज है।

एशिया कप 2025 : भारत ने पाकिस्तान को लगातार दूसरी बार हराया, सुपर-4 में 6 विकेट से दी मात

दुबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 के सुपर-4 राउंड में में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को लीग मुकाबले के बाद फिर पटखनी दी है। रविवार रात दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7 गेंद शेष रहते 6 विकेट से मात दी। पाकिस्तान की ओर से मिले 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत दर्ज की। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 39 गेंदों में 74 रनों की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 5 छक्के और 6 चौके शामिल थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उप-कप्तान शुभमन गिल ने 28 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 47 रन जोड़े, जबकि तिलक वर्मा ने 19 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाकर जीत पक्की की। तिलक ने अपनी पारी में 2 चौके और 2 छक्के लगाए। पाकिस्तान की तरफ से हारिस रऊफ ने 2 विकेट

झटके, जबकि अबरार अहमद और फहीम अशरफ को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, पाकिस्तान ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 171 रन बनाए। साहिबजादा फरहान ने 45 गेंदों में 58 रनों की ठोस पारी खेली। वहीं सैम अय्यूब ने 21 रन, फहीम अशरफ ने 8 गेंदों पर नाबाद 20 रन और कप्तान सलमान आगा ने नाबाद 17 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से शिवम दूबे सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। कुलदीप यादव और हार्दिक पंड्या को 1-1 सफलता मिली। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सुपर-4 में दमदार शुरुआत की है और फाइनल की राह पर महत्वपूर्ण कदम बढ़ा लिया है।

पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष रह चुके सौरव गांगुली निर्विरोध बनेंगे सीएबी अध्यक्ष

कोलकाता, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष रह चुके सौरव गांगुली एक बार फिर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध लौटने जा रहे हैं। सोमवार को यहां होने वाली वार्षिक आमसभा में गांगुली की अगुवाई वाला पूरा पैनल निर्विरोध चुना जाएगा। हालांकि उनका यह दूसरा कार्यकाल पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल के महीनों में एसोसिएशन वित्तीय अनियमितताओं और साख पर उठे सवालों से जूझ रहा है।

गांगुली के साथ सचिव पद पर बबलू कोलाय, संयुक्त सचिव मदन मोहन घोष, कोषाध्यक्ष संजय दास और उपाध्यक्ष अनु दत्ता भी निर्विरोध चुने जाएंगे। गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे जिन्हें लोढ़ा समिति की सिफारिशों के तहत छह वर्ष की सीमा पूरी होने के कारण पद छोड़ना पड़ा।

सीएबी की छवि हाल के समय में विवादों से प्रभावित हुई है। वित्त समिति के सदस्य सुब्रत साहा को हितों के टकराव के मामले में दोषी पाए जाने पर दो लाख रुपये का जुर्माना और सभी उप-समितियों से प्रतिबंधित किया गया था। अगस्त में संयुक्त सचिव देबब्रत दास को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में छह महीने के लिए निलंबित किया गया।

गांगुली ने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा था, हर संस्था में समस्याएं आती हैं, भविष्य में भी यदि कोई मुद्दा सामने आएगा तो उसे उचित तरीके से सुलझाया जाएगा। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में रणजी ट्रॉफी टीम को मजबूती देने, बंगाल प्रो टी-20 लीग को आगे बढ़ाने, महिला क्रिकेट को प्रोत्साहन देने और जमीनी ढांचे को विकसित करने को प्राथमिकता बताई है।

गांगुली के सामने पहली बड़ी जिम्मेदारी ईडन गार्डन्स पर भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवम्बर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच की मेजबानी होगी। यह ऐतिहासिक मैदान 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ हुए पिंक बॉल टेस्ट के बाद पहली बार टेस्ट का गवाह बनेगा। इसके अलावा अगले वर्ष होने वाले टी-20 विश्वकप के नॉकआउट मैचों की मेजबानी की भी संभावना है।

गांगुली 28 सितम्बर को बीसीसीआई की वार्षिक आमसभा में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच बीसीसीआई में भी नए अध्यक्ष का चुनाव होना है, ऐसे में गांगुली की भूमिका फिर अहम हो सकती है।

इसके साथ ही गांगुली को प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ कोचिंग का संतुलन भी साधना होगा। उन्हें दिसंबर से जनवरी तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाली एसए20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि होने वाले सीएबी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए गांगुली के खिलाफ किसी ने भी अध्यक्षीय या उनके पैनल के अन्य पदों के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश नहीं की है। इसलिए वह निर्विरोध चुने जाएंगे।

सेबी से मिली क्लीन चिट के बाद अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग से जवाब मांगा

नई दिल्ली,22 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा अडाणी समूह को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अब समूह ने अमेरिकी शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च से निवेशकों को हुए नुकसान की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

अडाणी ने हिंडनबर्ग से पूछा 150 अरब डॉलर के नुकसान का जिम्मेदार कौन

एक वरिष्ठ सूत्र के अनुसार जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी, जिससे करीब 150 अरब डॉलर की शेयरधारकों की संपत्ति मिट गई थी। अब जबकि सेबी ने समूह पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया है, अदाणी ग्रुप का कहना है कि आम निवेशकों को हुए इस नुकसान के लिए हिंडनबर्ग को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सेबी की हालिया जांच में बताया गया कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन लोन और ट्रांजैक्शनों को संदिग्ध बताया गया था, वे नियमों के अनुरूप और चुकता किए गए थे। साथ ही समूह के प्रमोटरों ने समय रहते कर्ज चुकाकर बाजार में स्थिरता बनाए रखी। हिंडनबर्ग ने उस समय शेयरों में गिरावट से शॉर्ट-सेलिंग के जरिए बड़ा लाभ कमाया था। हालांकि, 2025 में हिंडनबर्ग ने अपनी गतिविधियां बंद कर दीं, जिससे जवाबदेही तय करना जटिल हो गया है। इस साल जुलाई में सेबी ने हिंडनबर्ग और इससे जुड़े अन्य पक्षों को कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें अंदरूनी जानकारी के दुरुपयोग और साजिश के आरोप लगाए गए हैं। अब देखना होगा कि क्या भारतीय निवेशकों को नुकसान की भरपाई का कोई रास्ता निकलता है।

न्यूज ब्रीफ

संदूर मैग्नीज एंड आयरन ओर देगा 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर

नई दिल्ली। संदूर मैग्नीज एंड आयरन ओर लिमिटेड जो मैंगनीज और आयरन ओर्स माइनिंग में काम करती है, ने अपने शेयरधारकों के लिए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि हर एक शेयरधारक को हर एक शेयर पर दो अतिरिक्त मुफ्त शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इस प्रस्ताव को 8 अगस्त को अपनी बोर्ड मीटिंग में मंजूरी दी। बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट 22 सितंबर निर्धारित की गई है। इस तारीख को जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे बोनस के पात्र होंगे। इसके अलावा कंपनी ने हाल ही में 1.25 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड भी घोषित किया था, जिसकी रिकॉर्ड डेट 10 सितंबर 2025 थी। निवेशकों को डिविडेंड के साथ-साथ बोनस शेयर का फायदा भी मिलेगा। कंपनी का बीएसई पर शेयर 20 सितंबर को 478.20 रुपये पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 1.18 फीसदी अधिक था। पिछले 52 हफ्तों में इसके शेयर की कीमत 338.30 रुपये से लेकर 557.50 रुपये तक गई। हाल के महीनों में कंपनी के शेयर में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, जैसे 2 हफ्तों में 3 फीसदी, 3 महीनों में 5 फीसदी और 5 वर्षों में 1106 फीसदी तक रिटर्न मिला है।

ट्रंप और एलन मस्क की सुलह चार्ली किर्क की श्रद्धांजलि सभा में पहली बार साथ दिखे

वाशिंगटन। कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की श्रद्धांजलि सभा में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को एक साथ देखा गया। दोनों ने आपस में बातचीत की और मंच पर साथ नजर आए। एलन मस्क ने इस मुलाकात की एक तस्वीर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की और लिखा, चार्ली के लिए यह मुलाकात इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि दोनों के बीच काफी समय से मतभेद चल रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन की एक नीति को वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेदार बताकर मस्क ने मई में 'स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लॉयी' के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने ट्रंप की खुलकर आलोचना की थी। जवाब में ट्रंप ने उनकी कंपनियों के फेडरल कॉन्ट्रैक्ट्स रद्द करने की धमकी दी थी। अब दोनों का एक मंच पर आना उनके रिश्तों में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। लंबे समय से चले आ रहे आ रहे थे मतभेद, रिश्तों में नरमी के संकेत वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने श्रद्धांजलि सभा में भावुक भाषण देते हुए कहा, चार्ली के लिए हम हर दिन सच बोलेंगे और अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। यह मुलाकात अमेरिकी राजनीति और टेक्नोलॉजी जगत के दो प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच संबंधों में एक नया मोड़ साबित हो सकती है।

इंफोसिस ने तिमाही रिपोर्ट और बोर्ड मीटिंग की तारीख घोषित की

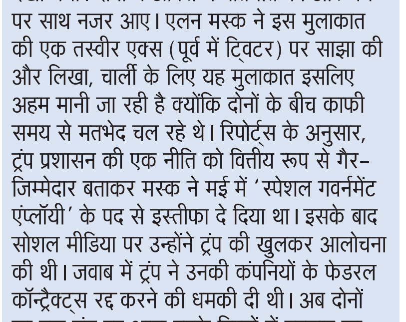

नई दिल्ली। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने जुलाई से सितंबर 2025 की तिमाही की रिपोर्ट जारी करने का शेड्यूल घोषित कर दिया है। कंपनी का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स 15 और 16 अक्टूबर 2025 को मीटिंग करेगा। इस बैठक में 30 सितंबर को समाप्त तिमाही और छमाही के ऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी जाएगी। आमतौर पर इंफोसिस अपने तिमाही नतीजे बाजार बंद होने के बाद घोषित करती है। इंफोसिस ने यह भी कहा है कि वह इस तिमाही में इंटरिम डिविडेंड की घोषणा पर विचार कर सकती है, लेकिन अंतिम फैसला बोर्ड की मंजूरी पर निर्भर होगा। कंपनी 16 अक्टूबर को अपने निवेशकों और विश्लेषकों के लिए कॉल आयोजित करेगी, जिसमें वित्तीय परिणामों और व्यवसाय की दिशा पर चर्चा होगी। कॉल की पूरी जानकारी कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मंदिर से चुराया...

इन सम्पत्तियों के मालिकाना हक होने के बावजूद टीटीडी को दान कर दी गई थी। दान किए गए सम्पत्तियों की कीमत करोड़ों रुपए है। रेड्डी ने ये दावा किया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान जब श्रद्धालु दान पेटी में अपना चढ़ावा डालते थे। दरअसल उन्हें लूटा जाता था।

उच्च न्यायालय ने मामला 19 सितंबर 2025 को सीआईडी को सौंप दिया है और एक महीने के भीतर जांच करने और सीलबंद रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सीआईडी से बोर्ड के फैसलों और संबंधित दस्तावेजों को भी जब्त करने का निर्देश दिया है। यह मामला पहले लोक अदालत के माध्यम से सुलझाया गया था। उन्होंने दावा किया कि इसमें वाईएसआरसीपी के कई नेता और शीर्ष अधिकारी शामिल थे। रेड्डी के मुताबिक, एक आला पुलिस अधिकारी तिरुपति मंदिर की सम्पत्ति लूटने में मदद कर रहा था। अधिकारियों और नेताओं ने लूटे गए धन को आपस में बांटा। उस वक्त भुमना करुणाकर रेड्डी टीटीडी के अध्यक्ष थे।

रेड्डी ने आरोप लगाया कि लूटी गई धनराशि का एक हिस्सा जगन रेड्डी के आवास, ताडेपल्ली पैलेस में भेज दिया गया और घोटाले के बाद महत्वपूर्ण सबूत नष्ट कर दिए गए। रेड्डी ने आरोप लगाया कि लूट के पैसों का करोड़ों रुपए रियल एस्टेट में निवेश किए गए और कथित तौर पर अवैध धन जगन रेड्डी के घर, ताडेपल्ली पैलेस में पहुंचाया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि 100 करोड़ रुपए की यह चोरी 2019 से 2024 तक चले वाईएसआरसीपी शासन के तहत तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के इतिहास में सबसे बड़ी लूट थी। ये मामला अप्रैल 2023 का है। तिरुपति लड्डू प्रसादम में कथित जानवर की चर्बी मिलाने का मामला अभी सुलझा भी नहीं है। उससे पहले मंदिर में चढ़ावे की लूट का ये मामला सामने आ गया है।

यूपी में जाति...

जाति का उल्लेख आवश्यक हो, जैसे अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम। यह फैसला जातिगत भेदभाव को खत्म करने और समाज में समानता लाने के उद्देश्य से उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जातिगत पहचान के बजाय सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करेगा।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के इस फैसले को पूरे राज्य में जातिगत भेदभाव को खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक और बेहतरीन कदम बताया जा रहा है। अब उत्तर प्रदेश में जाति आधारित रैलियों पर रोक रहेगी। वहीं, सार्वजनिक जगहों पर, पुलिस रिकॉर्ड्स और सरकारी दस्तावेजों में भी किसी की जाति का जिक्र नहीं किया जाएगा। मुख्य सचिव की तरफ से यह निर्देश इलाहाबाद हाईकोर्ट के हालिया फैसले के बाद जारी किए गए हैं।

निर्देशों के अनुसार अब पुलिस रिकॉर्ड्स, जैसे कि एफआईआर और गिरफ्तारी मेमो में किसी भी व्यक्ति की जाति नहीं बताई जाएगी। इसके अलावा, सरकारी और कानूनी दस्तावेजों में भी जाति वाले कॉलम को हटाने की तैयारी है। सरकार का तर्क है कि इस कदम के जरिए समानता को प्राथमिकता दी जाएगी।

बड़ी बात यह है कि अब जाति आधारित रैलियों और कार्यक्रमों पर रोक रहेगी। इसके अलावा, अगर कोई सोशल मीडिया पर जाति का महिमामंडन करेगा या उसके जरिए नफरत फैलाने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के लिए बता दें कि कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की बेंच ने एक शराब तस्करी मामले में सुनवाई की थी। उस मामले में याचिकाकर्ता का नाम प्रवीण छेत्री था। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई थी कि उनकी गिरफ्तारी के दौरान एफआईआर में उनकी जाति का जिक्र किया गया था। कोर्ट ने भी इसे संवैधानिक नैतिकता के खिलाफ माना और जाति का महिमामंडन राष्ट्रविरोधी तक बता दिया। इसके बाद कोर्ट ने यूपी सरकार को जरूरी बदलाव करने का निर्देश दिया था और अब मुख्य सचिव की तरफ से आदेश जारी भी कर दिए गए हैं।

पूर्वोत्तर के राज्य...

की शुरुआत हुई, जिससे त्यौहारों के मौसम में जनता को डबल बोनस मिला। तीसरा, अरुणाचल प्रदेश में कई बड़े परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जो राज्य के विकास को नई गति देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि तवांग मठ से नमसाई तक अरुणाचल शांति और संस्कृति का अद्भुत संगम है और मां भारती का गौरव है। पीएम मोदी ने अरुणाचल को उगते सूरज की धरती बताते हुए कहा कि यहां का हर नागरिक शौर्य और शांति का प्रतीक है, जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का रंग भी शौर्य का प्रतीक है।

कार्यक्रम में मौजूद सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी पूर्वोत्तर को राजनीति के तराजू में नहीं तोला। उन्होंने हमेशा यही कहा कि भारत तभी आगे बढ़ेगा जब नॉर्थ ईस्ट आगे बढ़ेगा। 2014 से पहले पूर्वोत्तर नकारात्मक कारणों से जाना जाता था, लेकिन अब यह विकास का इंजन बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रहा है।

अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और करदाताओं के साथ जीएसटी दरों में हालिया सुधारों के प्रभाव पर भी चर्चा की। पीएम ने व्यापारियों से सीधे बातचीत की और उनकी चिंताओं को सुना। यह बैठक एक सक्रिय संवाद के रूप में आयोजित की गई, जिसमें व्यापारियों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी दरों के हालिया संशोधन से व्यापारियों और उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और आर्थिक गतिविधियों को सुचारू बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने व्यापारियों को गर्व से कहो ये स्वदेशी है के पोस्टर भी दिए। दुकानदारों ने खुशी जताई और कहा कि वे इन पोस्टरों को अपने दुकानों पर लगाकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देंगे। प्रधानमंत्री ने इस पहल को एक उत्सव का रूप देते हुए स्थानीय व्यापारियों और करदाताओं को राष्ट्रीय भावना से जोड़ने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने व्यापारियों को प्रेरित किया कि वे स्थानीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान दें। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी सुधारों से कीमतों और बिक्री पर असर पड़ेगा, लेकिन स्वदेशी उत्पादों के प्रचार से उनकी बिक्री में वृद्धि संभव है। पीएम मोदी ने व्यापारियों की राय को महत्व देते हुए कहा कि सभी सुझावों को नीति निर्माण में शामिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उनमें ताटो-ख विद्युत प्रोजेक्ट शामिल है। इसकी क्षमता 186 मेगावाट है। अरुणाचल प्रदेश सरकार और एनईईपीसीओ के संयुक्त प्रयास से 1,750 करोड़ रुपए की लागत ये यह प्रोजेक्ट विकसित होगा। यह परियोजना सालाना 802 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन करेगी। 240 मेगावाट क्षमता वाला हेओ प्रोजेक्ट भी इसी साझेदारी में 1,939 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होगा और सालाना 1,000 मिलियन यूनिट बिजली देगा। ये दोनों प्रोजेक्ट्स राज्य की हाइड्रोइलेक्ट्रिक क्षमता बढ़ाकर क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा में अहम योगदान देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक और योजना के तहत तवांग में 145.37 करोड़ रुपए की लागत से 1,500 लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर भी लॉन्च किया। यह सेंटर वैश्विक मानकों के अनुसार बनाया जाएगा और पर्यटन व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। इसके अलावा पीएम ने स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी और फायर सेफ्टी जैसे विभिन्न सेक्टरों में 1,290 करोड़ रुपए से अधिक की अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

अब देश के लिए...

दिल्ली और कानपुर के आईआईटी के साथ मिलकर बीएसएफ अपने स्पेशल ड्रोन डिजाइन कर रही है, जिनमें हथियार, बम और हाई-रिजोल्यूशन कैमरे फिट होंगे। टेकनपुर के रुस्तम जी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ड्रोन टेक्नोलॉजी लैब भी बन गई है। यहां भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर गिरे दुश्मन ड्रोन्स से मिले डेटा और फॉरेंसिक जांच पर रिसर्च चल रही है।

ऊपर से, बीएसएफ का पुलिस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर हमलावर ऑपरेशंस के लिए ड्रोन प्रोजेक्ट्स पर जुटा है। एक सीनियर अफसर ने बताया कि वो हाई-स्पीड ड्रोन्स पर काम कर रहे हैं, जिनमें बंदूकें लग सकें। ये ड्रोन 500 किलोमीटर दूर तक नजर रख सकेंगे, कांटेदार तारों की क्लोज-अप फोटो लेंगे और 200 किलो तक का बोझ उठा लेंगे। सीमा की सुरक्षा को ये तकनीक और मजबूत बनाएगी।

टेकनपुर के ड्रोन वारफेयर स्कूल में दो मुख्य कोर्स चल रहे हैं। जवानों के लिए ड्रोन कमांडो ट्रेनिंग और अफसरों के लिए ड्रोन वारियर्स ट्रेनिंग। स्कूल के तीन विंग हैं, फ्लाइंग एंड पायलटिंग, स्ट्रैटेजी (रणनीति), और रिसर्च एंड डेवलपमेंट। वारफेयर स्कूल के प्रशिक्षण प्रमुख ब्रिगेडियर रूपिंदर सिंह ने कहा कि कोर्स में उड़ान भरना, टेक्निकल नॉलेज और स्ट्रैटेजी सब सिखाया जाता है। अच्छी बात यह है कि यह स्कूल ट्रेनर्स भी तैयार कर रहा है, जो फील्ड यूनिट्स में जाकर बाकी जवानों को ड्रोन की बारीकियां सिखाएंगे। सब कुछ इतना व्यवस्थित है कि जल्द ही बीएसएफ की हर यूनिट में ड्रोन एक्सपर्ट होंगे।

अगले 5 हफ्तों में ड्रोन कमांडो बनकर निकलने वाले 47 जवानों का बैच ड्रोन वारफेयर स्कूल का पहला बैच होगा। इसी महीने शुरू हुए इस स्कूल में जवानों को ड्रोन उड़ाने, निगरानी और युद्ध करने और अन्य मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का मुकाबला करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके बाद यह वरिष्ठ अधिकारियों के एक बैच को ड्रोन युद्ध रणनीति का प्रशिक्षण देगा। बीएसएफ अकादमी के आईजी उमेद सिंह ने बताया कि ड्रोन स्कूल ऐसे प्रशिक्षक भी तैयार कर रहा है जो फील्ड यूनिट्स में जाकर ड्रोन तकनीक और संचालन सिखाएंगे। अकादमी में कर्मियों और अधिकारियों के लिए सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में ड्रोन पर अभिविन्यास पहले ही अनिवार्य कर दिया गया है। यह स्वदेशी ड्रोन विकसित करने, उन्हें हथियार और बम से सुसज्जित करने, गश्त के लिए उच्च-रिजोल्यूशन कैमरे लगाने के लिए दिल्ली और कानपुर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के साथ सहयोग पर काम कर रहा है।

पीओके खुद...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दूसरे और तीसरे फेज की संभावना पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, दूसरा भाग बाकी है या तीसरा, हम नहीं कह सकते। यह उनके (पाकिस्तान के) आचरण पर निर्भर करता है। अगर वे आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होते हैं, तो उन्हें जवाब मिलेगा। पहलगाम में हमारे 26 लोगों को उनका धर्म पूछकर मार डाला गया। अगले दिन 23 अप्रैल को, सीडीएस, तीनों सेना प्रमुखों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में मैंने पहला सवाल यही पूछा कि अगर सरकार कोई ऑपरेशन करने का फैसला करती है, तो क्या वे इसके लिए तैयार हैं। आपको यह जानकर खुशी होगी कि उन्होंने बिना एक सेकंड भी देर किए जवाब दिया कि वे पूरी तरह तैयार हैं। फिर हमने प्रधानमंत्री मोदी से संपर्क किया, उन्होंने हमें आगे बढ़ने को कहा और पूरी छूट दे दी।

राजनाथ सिंह ने कहा, आपने देखा कि उसके बाद क्या हुआ। सीमा पर नहीं, हमने उनकी जमीन से 100 किलोमीटर अंदर जाकर आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। जैश-ए-मोहम्मद का एक टॉप आतंकवादी कह रहा था कि मसूद अजहर के परिवार को भारत ने तोड़ दिया। पाकिस्तान ने सीजफायर का आग्रह किया और हम मान गए। हम अच्छे संबंध चाहते हैं क्योंकि अटल बिहारी वाजपेयी पहले कहा करते थे कि दोस्त बदले जा सकते हैं, पड़ोसी नहीं। हम उन्हें सही रास्ते पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह बस एक विराम है। ऑपरेशन सिंदूर बस रुका है। इसे फिर से शुरू किया जा सकता है।

50 बॉडीगार्ड ...

अंतरिक्ष में मौजूद खतरे को उजागर कर दिया। लिहाजा, उपग्रह सुरक्षा परियोजना के तहत भारत अंतरिक्ष में अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना चाहता है। इसके तहत करीब 27 हजार करोड़ रुपए की लागत से 50 निगरानी उपग्रह भेजे जाएंगे। पहला उपग्रह अगले साल लॉन्च होने की संभावना है। भारत का पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ लंबे समय से सीमा को लेकर विवाद है और इन देशों की अंतरिक्ष क्षमताएं अलग-अलग स्तर की हैं। पाकिस्तान के पास केवल आठ उपग्रह हैं, वहीं भारत के पास सौ से ज्यादा उपग्रह हैं। चीन इस मामले में सबसे आगे है, उसके पास 930 से भी ज्यादा उपग्रह हैं।

भारत और अमेरिका दोनों के अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अंतरिक्ष में खर-तरनाक तरीके से अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। जून में एक सेमिनार में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भी कहा था कि चीन की अंतरिक्ष गतिविधियां न केवल तेज हो रही हैं, बल्कि बेहद उन्नत भी हैं। भारत सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर ऐसे समाधान तलाश रही है, जो खतरों को समय रहते पहचान सकें। एक विचार यह भी है कि लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग तकनीक वाले उपग्रह छोड़े जाएं, जो किसी भी संभावित खतरे की पहचान जल्दी कर सकें, ताकि जमीन पर बैठे तकनीशियन समय रहते उस उपग्रह को दूसरी दिशा में भेज सकें।

इसके लिए जमीन पर रडार और दूरबीनों के नेटवर्क की भी जरूरत होगी। उन्होंने माना कि अभी भारत के पास ऐसी तकनीक नहीं है, जो चौबीस घंटे अंतरिक्ष में नजर रख सके, लेकिन कुछ स्टार्टअप्स इस पर काम कर रहे हैं। इसरो ने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीमित सैन्य संघर्ष के दौरान बड़ी भूमिका निभाई थी। इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने नौ सितंबर को बताया कि उस समय 400 से अधिक वैज्ञानिक दिन-रात काम कर रहे थे, ताकि धरती पर निगरानी रखने वाले और संचार से जुड़े उपग्रह पूरी क्षमता से काम कर सकें।

पाकिस्तान ने अपने ...

रही थी, लेकिन आतंकियों के बजाय पाकिस्तानी नागरिकों को ही निशाना बना लिया। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) खैबर पख्तूनख्वा संभाग ने इस घटना की जानकारी दी है। पार्टी ने बताया है कि हमले में कई लोग घायल हुए हैं। अनगिनत घर तबाह हुए हैं। महिलाओं और बच्चों की मौतें हुई हैं। पीटीआई ने इस घटना की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए हैं। घटना पर प्रांतीय सदन के सदस्य अब्दुल गनी अफरीदी ने कहा कि सरकार अपने ही लोगों को निशाना बनाकर मानवता के खिलाफ अपराध को अंजाम दे रही है। दूसरी तरफ पीटीआई खैबर पख्तूनख्वा के एक्स हैंडल में पोस्ट में कहा गया कि कभी ड्रोन हमले तो कभी बमबारी से नफरत के बीज बोए जा रहे हैं। जब यह गुस्से का गुबार फूटेगा तो कुछ भी नहीं बचेगा।

निगाह थी ...

हाईकोर्ट ने माना कि 1712 में राजा ने मस्जिद के लिए जमीन जरूर दी थी और उसकी तस्दीक पुराने रिकॉर्ड्स और 1925 में ट्रांसक्राइब हुई तांबे की पट्टी से होती है। लेकिन तांबे की प्लेट में सिर्फ 75 कोठा जमीन का जिक्र है, जो हिसाब से सिर्फ 2.34 एकड़ बनती है। इसलिए कोर्ट ने कहा कि मस्जिद को सिर्फ उतनी ही जमीन दी जाएगी। हाईकोर्ट ने 1712 के तांबा पत्रक का हवाला देते हुए बताया कि मस्जिद को केवल 2.34 एकड़ जमीन का ही अधिकार है। बाकी जमीन या तो किसी और पक्ष की है या फिर सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखी गई थी।

मद्रास हाईकोर्ट ने इस मामले में गहराई से सुनवाई करने के बाद ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रमाणों के आधार पर फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि जब इतिहास खुद प्रामाणिक दस्तावेजों जैसे तांबा पत्रकों के जरिए सामने आता है, तो झूठे दावे टिक नहीं पाते। अब वक्फ बोर्ड को 2.34 एकड़ की सही लोकेशन पहचाननी होगी, जैसा उस पट्टी में लिखा है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जब 1923 से पहले सर्वे नंबर की व्यवस्था ही नहीं थी, तो मस्जिद ने बिना पक्के सबूतों के इतनी बड़ी जमीन पर कैसे दावा कर दिया?

चिराग की पार्टी से ...

साथियों मुन्ना मियां, आफताब आलम और एक अन्य व्यक्ति के साथ पकड़ा। चौथे की पहचान अभी हो रही है। इस ऑपरेशन की कमान खुद सारन रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार ने संभाली थी। उन्होंने बताया कि रईस के खिलाफ 43 क्रिमिनल केस दर्ज हैं, जबकि आफताब के नाम पर 6 और मुन्ना पर 3 केस हैं। ये लोग लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय हैं।

अपराधियों से बरामद हथियारों में एके-47 के 47 कारतूस तो थे ही, कुछ दूसरे अत्याधुनिक हथियार भी मिले। डीआईजी ने कहा कि इनमें से एक हथियार तो 2023 में सिवान में मारे गए एक पुलिस कांस्टेबल से लूटा गया प्रतीत होता है। कांस्टेबल वाल्मीकि यादव की गोलीबारी में मौत हो गई थी।

उस वक्त कई हथियार लूट लिए गए थे, और अब वो उसी का कुछ हिस्सा लग रहा है। पूछताछ जारी है। रईस और उसके भाई अयूब खान, जिन्हें खान ब्रदर्स कहते हैं, कभी राजद के कुख्यात पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के करीबी थे। लेकिन बाद में उन्होंने अपना अलग गिरोह खड़ा कर लिया। अय्यूब पर 2022 में सिवान में विशाल सिंह, प्रमोद सिंह और अंशु सिंह की हत्याओं का आरोप है।

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि। तीन हिंदू देवियों - पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ विभिन्न स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित है, जिन्हें नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है। पहले तीन दिन पार्वती के तीन स्वरूपों की अगले तीन दिन लक्ष्मी माता के स्वरूपों और आखिरी के तीन दिन सरस्वती माता के स्वरूपों की पूजा करते हैं। दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन है। इसमें देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार से देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने के लिए तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले महादानवों से लोहा लिया इसका वर्णन आता है। यही कारण है कि आज सारे भारत में हर जगह दुर्गा यानि नवदुर्गाओं के मन्दिर स्थपित हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अत: इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरूआत होगी।

वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। साल में दो बार आश्विन और चैत्र मास में नौ दिन के लिए उत्तर से दक्षिण भारत में नवरात्र उत्सव का माहौल होता है। सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती का अगर पाठ न भी कर सकें तो निम्नलिखित श्लोक का पाठ को पढ़ने से सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती और नवदुर्गाओं के पूजन का फल प्राप्त हो जाता है।

सर्वमंगलमंगलये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरि नारायणि नमोऽतु ते।। शरणांगतदीन आर्त परित्राण परायणे सर्वस्यार्तिहरे देवी नारायणि नमोऽस्तु ते।। सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते। भयेभ्यारत्नाहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते ।।

वैसे तो दुर्गा के 108 नाम गिनाये जाते हैं लेकिन नवरात्रों में उनके स्थूल रूप को ध्यान में रखते हुए नौ दुर्गाओं की स्तुति और पूजा पाठ करने का गुप्त मंत्र ब्रहमा जी ने अपने पौत्र मार्कण्डेय ऋषि को दिया था। इसको देवीकवच भी कहते हैं। देवीकवच का पूरा पाठ दुर्गा सप्तशती के 56 श्लोकों के अन्दर मिलता है। नौ दुर्गाओं के स्वरूप का वर्णन संक्षेप में ब्रहमा जी ने इस प्रकार से किया है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रहमचारिणी।तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्।।पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम्।नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।।

उपरोक्त नौ दुर्गाओं ने देव दानव युद्ध में विशेष भूमिका निभाई है इनकी सम्पूर्ण कथा देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण में लिखित है। शिव पुराण में भी इन दुर्गाओं के उत्पन्न होने की कथा का वर्णन आता है कि कैसे हिमालय राज की पुत्री पार्वती ने अपने भक्तों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धरती आकाश पाताल में सुख शान्ति स्थापित करने के लिए दानवों राक्षसों और आतंक फैलाने वाले तत्वों को नष्ट करने की प्रतीज्ञा की ओर समस्त नवदुर्गाओं को विस्तारित करके उनके 108 रूप धारण करने से तीनों लोकों में दानव और राक्षस साम्राज्य का अन्त किया। इन नौदुर्गाओं में सबसे प्रथम देवी का नाम है शैल पुत्री जिसकी पूजा नवरात्र के पहले दिन होती है। दूसरी देवी का नाम है ब्रहमचारिणी जिसकी पूजा नवरात्र के दूसरे दिन होती है। तीसरी देवी का नाम है चन्द्रघण्टा जिसकी पूजा नवरात्र के तीसरे दिन होती है। चौथी देवी का नाम है कूष्माण्डा जिसकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन होती है। पांचवी दुर्गा का नाम है स्कन्दमाता जिसकी पूजा नवरात्र के पांचवें दिन होती है। छठी दुर्गा का नाम है कात्यायनी जिसकी पूजा नवरात्र के छठे दिन होती है । सातवी दुर्गा का नाम है कालरात्रि जिसकी पूजा नवरात्र के सातवें दिन होती है। आठवीं देवी का नाम है महागौरी जिसकी पूजा नवरात्र के आठवें दिन होती है। नवीं दुर्गा का नाम है सिद्धिदात्री जिसकी पूजा नवरात्र के अन्तिम दिन होती है। इन सभी दुर्गाओं के प्रकट होने और इनके कार्यक्षेत्र की बहुत लम्बी चौड़ी कथा और फेहरिस्त है। लेकिन यहां हम संक्षेप में ही उनकी पूजा अर्चना का वर्णन कर सकेंगे।

हर समस्या का समाधान हैं ये श्लोक

नवरात्र में शक्ति साधना व कृपा प्राप्ति का का सरल उपाय दुर्गा सप्तशती का पाठ है। नवरात्र के दिवस काल में सविधि मां के कलश स्थापना के साथ शतचंडी, नवचंडी, दुर्गा सप्तशती और देवी अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के पाठ के कई विधि विधान है। दुर्गा सप्तशती महर्षि वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण के सावर्णि मन्वतर के देवी महात्म्य के 700 श्लोक का एक भाग है। दुर्गा सप्तशती में अध्याय एक से तेरह तक तीन चरित्र विभाग हैं। इसमें 700 श्लोक हैं।

दुर्गा सप्तशती के छह अंग तेरह अध्याय को छोड़कर हैं। कवच, कीलक, अर्गला दुर्गा सप्तशती के प्रथम तीन अंग और प्रधानिक आदि तीन रहस्य हैं। इसके अलावा और कई मंत्र भाग है जिसे पूरा करने से दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णता होती है। इस संदर्भ में विद्वानों में मतांतर है। दुर्गा-सप्तशती को दुर्गा-पाठ, चंडी-पाठ से भी संबोधित करते हैं। चंडी पाठ में छह संवाद है।

महर्षि मेधा ने सर्वप्रथम राजा सुरथ और समाधि वैश्य को दुर्गा का चरित्र सुनाया। तदनंतर यही कथा महर्षि मृकण्डु के पुत्र चिरंजीवी मार्कण्डेय ने मुनिवर भागुरि को सुनाई। यही कथा द्रोण पुत्र पक्षिगण ने महर्षि जैमिनी से कही। जैमिनी महर्षि वेदव्यास जी के शिष्य थे। यही कथा संवाद महर्षि वेदव्यास ने मार्कण्डेय पुराण में यथावत् क्रम वर्णन कर लोकोपकार के लिए संसार में प्रचारित की। इस प्रकार दुर्गा सप्तशती में दुर्गा के चरित्रों का वर्णन है।

मार्कण्डेय पुराण में ब्रह्माजी ने मनुष्यों के रक्षार्थ परम गोपनीय साधन, कल्याणकारी देवी कवच एवं परम पवित्र उपाय संपूर्ण प्राणियों को बताया, जो देवी के नौ मूर्ति-स्वरूप हैं, जिन्हें 'नव दुर्गा' कहा जाता है। उनकी आराधना आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी तक की जाती है। श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ मनोरथ सिद्धि के लिए किया जाता है; क्योंकि श्री दुर्गा सप्तशती दैत्यों के संहार की शौर्य गाथा से अधिक कर्म, भक्ति एवं ज्ञान की त्रिवेणी हैं। यह श्री मार्कण्डेय पुराण का अंश है। यह देवी महात्म्य धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने में सक्षम है। सप्तशती में कुछ ऐसे भी स्तोत्र एवं मंत्र हैं, जिनके विधिवत पारायण से इच्छित मनोकामना की पूर्ति होती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

देवी का ध्यान मंत्र: देवी प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोऽखिलस्य। प्रसीद विश्वेतरि पाहि विश्वं त्वमीश्वरी देवी चराचरस्य।

इस प्रकार भगवती से प्रार्थना कर भगवती के शरणागत हो जाएं। देवी कई जन्मों के पापों का संहार कर भक्त को तार देती है। वही जननी सृष्टि की आदि, अंत और मध्य है।

देवी से प्रार्थना करें: शरणागत-दीनार्त-परित्राण-परायणे! सर्वस्यार्तिहरे देवि! नारायणि! नमोऽस्तुते।।

सर्वकल्याण एवं शुभार्थ प्रभावशाली माना गया है: सर्व मंगलं मांगल्ये शिवे सर्वाथ साधिके। शरण्येत्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुऽते।।

बाधा मुक्ति एवं धन-पुत्रादि प्राप्ति के लिए: सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो धन-धान्य सुतान्वितः। मनुष्यों मत्प्रसादेन भवष्यति न संशय।।

सर्वबाधा शांति के लिए: सर्वाबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरि। एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरिविनाशनम्।।

आरोग्य एवं सौभाग्य प्राप्ति के लिए इस चमत्कारिक फल देने वाले मंत्र को स्वयं देवी दुर्गा ने देवताओं को दिया है:देहि सौभाग्यं आरोग्यं देहि में परमं सुखम्। रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोजहि।।

अर्थात: शरण में आए हुए दीनों एवं पीड़ितों की रक्षा में संलग्न रहने वाली तथा सब की पीड़ा दूर करने वाली नारायणी देवी! तुम्हें नमस्कार है। देवी से प्रार्थना कर अपने रोग, अंदरूनी बीमारी को ठीक करने की प्रार्थना भी करें। ये भगवती आपके रोग को हरकर आपको स्वस्थ कर देंगी।

विपत्ति नाश के लिए: शरणागतर्दनार्त परित्राण पारायणे। सर्व स्यार्ति हरे देवि नारायणि नमोऽतुते।।

मोक्ष प्राप्ति के लिए: त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या। विश्वस्य बीजं परमासि माया।। सम्मोहितं देवि समस्तमेतत्। त्वं वैप्रसन्ना भुवि मुक्त हेतुः।।

शक्ति प्राप्ति के लिए: सृष्टिस्थितिविनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि नमोह्यस्तु ते।।

अर्थात: तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता, सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणि! तुम्हें नमस्कार है।

रक्षा का मंत्र: शूलेन पाहि नो देवि पाहि खड्गेन चाम्बिके। घण्टास्वनेन न: पाहि चापज्यानि: स्वनेन च।।

अर्थात: देवी! आप शूल से हमारी रक्षा करें। अम्बिके! आप खड्ग से भी हमारी रक्षा करें तथा घण्टा की ध्वनि और धनुष की टंकार से भी हमलोगों की रक्षा करें।

रोग नाश का मंत्र: रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता हाश्रयतां प्रयान्ति।

अर्थात: देवी! तुम प्रसन्न होने पर सब रोगों को नष्ट कर देती हो और कुपित होने पर मनोवांछित सभी कामनाओं का नाश कर देती हो। जो लोग तुम्हारी शरण में जा चुके है। उनको विपत्ति तो आती ही नहीं। तुम्हारी शरण में गए हुए मनुष्य दूसरों को शरण देने वाले हो जाते हैं।

दु:ख-दारिद्र नाश के लिए: दुर्गे स्मृता हरसि भीतिमशेषजन्तो:। स्वस्थै स्मृता मतिमतीव शुभां ददासि।। द्रारिद्र दु:ख भयहारिणि का त्वदन्या। सर्वोपकारकारणाय सदाह्यद्रचिता।।

ऐश्वर्य, सौभाग्य, आरोग्य, संपदा प्राप्ति एवं शत्रु भय मुक्ति-मोक्ष के लिए: ऐश्वर्य यत्प्रसादेन सौभाग्य-आरोग्य सम्पदः। शत्रु हानि परो मोक्षः स्तुयते सान किं जनै।।

भय नाशक दुर्गा मंत्र: सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते, भयेभ्यास्त्रहिनो देवी दुर्गे देवी नमोस्तुते।

स्वप्न में कार्य सिद्धि-असिद्धि जानने के लिए: दुर्गे देवि नमस्तुभ्यं सर्वकामार्थ साधिके। मम सिद्धिमसिद्धिं वा स्वप्ने सर्व प्रदर्शय।।

अर्थात: शरणागत की पीड़ा दूर करने वाली देवी हम पर प्रसन्न होओ। संपूर्ण जगत माता प्रसन्न होओ। विश्वेश्वरी! विश्व की रक्षा करो। देवी! तुम्ही चराचर जगत की अधिश्वरी हो।

मां के कल्याणकारी स्वरूप का वर्णन: सृष्टिस्थिति विनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि! नमोऽस्तुते।।

अर्थात: हे देवी नारायणी! तुम सब प्रकार का मंगल प्रदान करने वाली मंगलमयी हो। कल्याणदायिनी शिवा हो। सब पुरुषार्थों को सिद्ध करने वाली शरणागतवत्सला, तीन नेत्रों वाली एवं गौरी हो, तुम्हें नमस्कार है। तुम सृष्टि पालन और संहार की शक्तिभूता सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणी! तुम्हें नमस्कार है।

इस प्रकार देवी उनकी शरण में जाने वालों को इतनी शक्ति प्रदान कर देती है कि उस मनुष्य की शरण में दूसरे लोग आने लग जाते हैं। देवी धर्म के विरोधी दैत्यों का नाश करने वाली है। देवताओं की रक्षा के लिए देवी ने दैत्यों का वध किया। वह आपके आतंरिक एवं बाह्य शत्रुओं का नाश करके आपकी रक्षा करेगी। आप बारंबार उसकी शरणागत हो एवं स्वरमय प्रार्थना करें।

तुम तीनों लोकों की समस्त बाधाओं को शांत करो और हमारे शत्रुओं का नाश करती रहो। पुन: भगवती के शरणागत जाकर भगवती चरित्र को पढ़ने, उनका गुणगान करने मात्र से सर्वबाधाओं से मुक्त होकर धन, धान्य एवं पुत्र से संपन्न होंगे। इसमें तनिक भी संदेह नहीं। भगवती के प्रादुर्भाव की सुंदर गाथाएं सुनकर मनुष्य निर्भय हो जाता है। मुझे अनुभव है कि भगवती के माहात्म्य को सुनने वाले पुरुष के सभी शत्रु नष्ट हो जाते हैं। उन्हें कल्याण की प्राप्ति होती है तथा उनका कुल आनंदित रहता है। स्वयं भगवती का वचन है कि मेरी शरण में आया हर व्यक्ति दु:ख से परे हो जाता है। यदि आप संगणित है तथा और आपके बीच दूरियां हो गई हैं तो आप पुन: संगठित हो जाएंगे। बालक अशांत है तो शांतिमय जीवन हो जाएगा।

श्लोक: शांतिकर्मणि सर्वत्र तथा दु:स्वप्रदर्शने। ग्रहपीड़ासु चोग्रासु महात्मयं शणुयात्मम।

अर्थात: सर्वत्र शांति कर्म में, बुरे स्वप्न दिखाई देने पर तथा ग्रहजनित भयंकर पीड़ा उपस्थित होने पर माहात्म्य श्रवण करना चाहिए। इससे सब पीड़ाएं शांत और दूर हो जाती है। मनुष्यों के दु:स्वप्न भी शुभ स्वप्न में परिवर्तित हो जाते है। ग्रहों से अक्रांत हुए बालकों के लिए देवी का माहात्म्य शांतिकारक है। देवी प्रसन्न होकर धार्मिक बुद्धि, धन सभी प्रदान करती है। स्तुता सम्पूजिता पुष्पैर्धूपगंधादिभिस्तथा ददाति वित्तं पुत्रांश्च मति धर्मे गति शुभाम्।

जाप विधि: नवरात्रि के प्रतिपदा के दिन घटस्थापना के बाद संकल्प लेकर प्रातः स्नान करके दुर्गा की मूर्ति या चित्र की पंचोपचार या दक्षोपचार या षोड्षोपचार से गंध, पुष्प, धूप, दीपक नैवेद्य निवेदित कर पूजा करें। मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखें। शुद्ध-पवित्र आसन ग्रहण कर रुद्राक्ष या तुलसी या चंदन की माला से मंत्र का जाप एक माला से पांच माला तक पूर्ण कर अपना मनोरथ कहें। पूरे नवरात्र जाप करने से वांछित मनोकामना अवश्य पूरी होती है। समयाभाव में केवल 10 बार मंत्र का जाप निरंतर प्रतिदिन करने पर भी माँ दुर्गा प्रसन्न हो जाती हैं। दुर्गेदुर्गति नाशिनी जय जय।।

श्लोक: नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततंनम:। नम: प्रकृत्यै भद्राये नियता: प्रणता: स्मताम्।

अर्थात: देवी को नमस्कार है, महादेवी शिवा को सर्वदा नमस्कार है। प्रकृति एवं भद्रा को प्रणाम है। हम लोग नियमपूर्वक जगदंबा को नमस्कार करते हैं। शैद्रा को नमस्कार है। नित्या गौरी एवं धात्री को बारंबार नमस्कार है। ज्योत्सनामयी चंद्ररूपिणी एवं सुखस्वरूपा देवी को सतत प्रणाम है। इस प्रकार देवी दुर्गा का स्मरण कर प्रार्थना करने मात्र से देवी प्रसन्न होकर अपने भक्तों की इच्छा पूर्ण करती है। देवी मां दुर्गा अपनी शरण में आए हर शरणार्थी की रक्षा कर उसका उत्थान करती है। देवी की शरण में जाकर देवी से प्रार्थना करें, जिस देवी की स्वयं देवता प्रार्थना करते हैं। वह भगवती शरणागत को आशीर्वाद प्रदान करती है।

नवरात्र के 9 दिन मां दुर्गा लगो लगाएं इन चीजों का भोग, मिलेगी मां की विशेष कृपा

मां दुर्गा की उपासना के लिए नवरात्रि का पर्व बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि नवरात्रि के 9 दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुरों की पूजा की जाती है। इन 9 दिन लोग उपवास करके मां दुर्गा को प्रसन्न करते हैं। नवरात्रि के इन दिनों में मां दुर्गा को अलग-अलग चीजों का भोग लगाया जाता है। आइए जानते हैं नवरात्रि के इन 9 दिन मां दुर्गा को किन चीजों का भोग लगाना लाभकारी रहेगा।

नवरात्र के 9 दिन अलग-अलग चीजों से पूजन करने से मिलेगा लाभ

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। ऐसे में नवरात्रि के पहले दिन गाय के घी से बना हलवा और रबड़ी का भोग लगाएं। मां शैलपुत्री को सफेद चीजों का भोग लगाया जाता है।

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है ऐसे में नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को पंचामृत का भोग भी लगाया जाता है। इसके अलावा शक्कर का भोग भी उन्हें लगाया जाता है। ऐसा मान्यता है कि मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से मनचाहा वरदान मिलता है।

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की उपासना की जाती है। इस दिन मां चंद्रघंटा को दूध का भोग लगाया जाता है या फिर दूध से बनी मिठाइयों का भोग लगाया जाता है।

वरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कुष्मांडा को मालपुआ बहुत पसंद है इसलिए उन्हें मालपुआ का भोग लगाया जाता है।

वहीं, नवरात्रि के पांचवे दिन मां स्कंदमाता की पूजा की जाती है। मां स्कंदमाता को केला, केले की बर्फी आदि का भोग लगाया जाता है।

नवरात्रि के छठे दिन छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। छठे दिन मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाया जाता है। आप चाहें को शहद से बनी खीर का भोग भी लगा सकते हैं।

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। मां कालरात्रि के गुड़ का भोग लगाया जाता है। गुड़ का भोग लगाने से मां कालरात्रि प्रसन्न होती हैं।

नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है। मां महागौरी को नारियल से बनी चीजों का भोग लगाया जाता है। आप मां को नारियल की बर्फी और लड्डुओं का भोग लगा सकते हैं।

नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इस दिन मां को हलवा, चना, पूरी का भोग लगाया जाता है।

नवरात्रि में हरसिंगार के उपाय, मां दुर्गा धन-संपत्ति से भर देंगी झोली, चमक सकती है किस्मत

शारदीय नवरात्रि के पावन दिनों की शुरुआत हो चुकी है। ये नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित होते हैं, जिसमें माता के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा होती है। इस दौरान देवी की विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से जातक की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए आप कुछ उपाय भी आजमा सकते हैं। मान्यता है कि दुर्गा मां को हरसिंगार के फूल बेहद प्रिय हैं। ऐसे में अगर आप नवरात्रि में हरसिंगार से जुड़े विशेष उपाय कर लें तो इससे माता की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और धन-संपत्ति में भी वृद्धि होती है।

जीवन के दुख दूर करने का उपाय

सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा करें। इस दौरान 108 हरसिंगार के ताजे पुष्प और लाल चंदन भी साथ रखें। अब इन पर चंदन लगाकर 'ओम एम ह्लीं कलीम चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का जाप करते हुए 108 फूलों को एक-एक करके माता को अर्पित करें। देवी के बीज मंत्र के साथ इस उपाय को करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और जातक की किस्मत भी पलट सकती है। अगर आप जीवन में समस्याओं और बाधाओं का सामना कर रहे हैं। नवरात्रि में इस उपाय को जरूर आजमाकर देखें। इससे जीवन के हर प्रकार के दुख से आपको छुटकारा मिल सकता है।

सफलता प्राप्त करने का उपाय

अगर आपके जरूरी काम बनते-बनते भी बिगड़ जाते हैं तो नवरात्रि में हर दिन एक उपाय जरूर आजमाएं। इसके लिए मां दुर्गा की पूजा करते समय उन्हें लगातार 9 दिनों तक हरसिंगार की माला चढ़ाएं। इस बार नवरात्रि 10 दिन की पड़ रही है। ऐसे में इस उपाय को लगातार दस दिन अपनाने से आपको कभी पराजय का सामना नहीं करना पड़ेगा और कार्यों में आ रही बाधाएं भी दूर होने लगेंगी। इस एक आसान उपाय से आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त हो सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

धन-दौलत में वृद्धि का उपाय

नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा के समय उन्हें हरसिंगार की जड़ अर्पित करें और फिर, दशमी तिथि के दिन विधि-विधान से देवी की पूजा करने के बाद जड़ को उठाकर एक लाल रंग के साफ वस्त्र में बांध लें। अब इसे अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रखें। इस उपाय को करने से आपको पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है। साथ ही, धन-दौलत में वृद्धि होती है। अगर आप कारोबार से जुड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं तो इस उपाय को जरूर आजमाकर देखें। इससे कार्यस्थल पर आने वाली बाधाएं भी दूर हो सकती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने का उपाय

नवरात्रि में अष्टमी तिथि के दिन लाल रंग के साफ वस्त्र में हरसिंगार की जड़ को बांधें और इसे अपने दाएं हाथ में पहन लें। जड़ को पहनते समय देवी के बीज मंत्र 'ओम एम ह्लीं कलीम चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का जाप अवश्य करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से जातक के आसपास से नकारात्मक ऊर्जा व शक्तियां दूर रहती हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस उपाय से व्यक्ति को जीवन में आने वाली समस्याओं से भी राहत मिल सकती है।

दुर्गा खोटे और शांतिप्रिया : हिम्मत और हौसले की कहानी पति की मौत के बाद संभाला परिवार और करियर

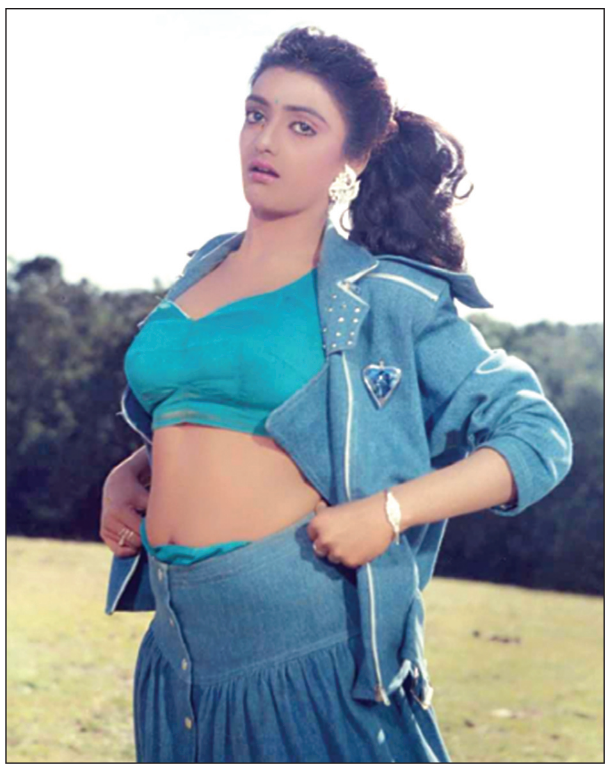

भारतीय सिनेमा के पर्दे पर जो ग्लैमर और चकाचौंध दिखती है, उसके पीछे कलाकारों का संघर्ष अक्सर कहीं अधिक गहरा और प्रभावशाली होता है। खासकर उन महिला कलाकारों के लिए, जिनके लिए अभिनय का क्षेत्र हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। अभिनेत्री दुर्गा खोटे और शांतिप्रिया, दो अलग-अलग पीढ़ियों से, इसी संघर्ष और दृढ़ता की मिसाल हैं। दोनों ने न केवल अभिनय की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई, बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने जीवन को एक नई दिशा दी।

दुर्गा खोटे का जन्म 14 जनवरी 1905 को महाराष्ट्र के एक प्रतिष्ठित ब्राह्मण परिवार में हुआ था। एक ऐसे दौर में, जब फिल्मों में काम करना महिलाओं के लिए सामाजिक कलंक माना जाता था, उन्होंने इस सोच को चुनौती दी। उनकी शादी महज 18 साल की उम्र में विश्वनाथ खोटे से हुई, जो एक सफल मैकेनिकल इंजीनियर थे। कुछ ही वर्षों में वह दो बच्चों की मां बनीं, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था। जब दुर्गा सिर्फ 20 साल की थीं, तब उनके पति का निधन हो गया। आर्थिक रूप से टूट चुकीं दुर्गा खोटे को अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए काम की तलाश थी।

शिक्षित होने के कारण उन्होंने ट्यूशन देना शुरू किया, लेकिन जब फिल्मों से ऑफर मिला, तो उन्होंने स्वीकार किया। उनकी पहली फिल्म 'फरेबी जाल' (1931) थी, जो असफल रही। लेकिन निर्देशक वी. शांताराम ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और फिल्म 'अयोध्येचा राजा' (1932) में तारामती की भूमिका के लिए मौका दिया। इससे वह रातों-रात स्टार बन गईं। इसके बाद उन्होंने 'माया मच्छिंद्र', 'भरत मिलाप', 'मुगल-ए-आजम', 'बॉबी', 'कर्ज' जैसी फिल्मों में काम किया और खुद को अभिनय की हर शैली में सिद्ध किया। उन्होंने 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा को 'मां' के किरदारों में एक गरिमा दी। उन्होंने 'फैक्ट फिल्म्स' नाम से प्रोडक्शन हाउस भी शुरू किया और कई शॉर्ट फिल्में बनाईं। उनके योगदान को सम्मानित करते हुए उन्हें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से नवाजा गया।22 सितंबर 1991 में 86 वर्ष की उम्र में दुर्गा खोटे का निधन हो गया। लेकिन उन्होंने जो राह बनाई, वह आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गई।

वहीं बात करें शांतिप्रिया की, तो उनका जन्म 22 सितंबर 1969 को आंध्रप्रदेश के रंगमपेटा गांव में हुआ। उन्होंने महज 18 वर्ष की उम्र में तमिल फिल्म 'एंगा ओरु पट्टुकरन' (1987) से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में करीब 25 से अधिक फिल्में कीं, जिनमें वह एक सशक्त अभिनेत्री के तौर पर पहचानी जाने लगीं। 1991 में उन्होंने अक्षय कुमार के साथ हिंदी फिल्म 'सौगंध' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म दोनों की पहली हिंदी फिल्म थी और काफी सफल रही। इसके बाद उन्होंने 'मेरे सजना साथ निभाना', 'फूल और अंगार', 'मेहरबान', 'वीरता', 'इक्के पे इक्का' जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन 1994 के बाद उन्होंने अचानक फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली और परिवार पर पूरा ध्यान लगा दिया।1999 में शांतिप्रिया ने अभिनेता सिद्धार्थ रे से शादी की, जो वी. शांताराम के पोते थे और 'बाजीगर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके थे। दोनों के दो बेटे हुए। लेकिन 2004 में सिद्धार्थ रे का निधन 40 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से हो गया। उस समय शांतिप्रिया का जीवन एकदम बदल गया। उन्होंने न केवल अपने बच्चों को अकेले पाला, बल्कि खुद को टूटने से भी बचाया। लंबे समय के बाद, शांतिप्रिया ने फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने 'माता की चौकी', 'द्वारकाधीश', और 'धारावी बैंक' जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया। 2023 में उन्हें इंटरनेशनल प्रेस्टिजियस वुमन आइकन अवार्ड से नवाजा गया।

साहेर बंबा ने की आर्यन खान की तारीफ, कहा

आप सिर्फ टैलेंटेड ही नहीं बहुत अच्छे इंसान भी हो

अभिनेत्री साहेर बंबा इन दिनों आर्यन की निर्देशित डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को लेकर चर्चाओं में हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए आर्यन के काम की तारीफ की है। कैप्शन में साहेर ने लिखा, बधाई हो आर्यन खान। तुम्हारे पहले प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव था। अगर दुनिया को पता चल जाए कि तुम वास्तव में कितने अच्छे इंसान हो, तो वो भी तुम्हारे फैन बन जाएंगे। तुम सिर्फ टैलेंटेड नहीं हो, बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी हो, ये जानकर दिल को खुशी और सुकून मिलता है। ये तो बस शुरुआत है। अभी तो तुम्हें आसमान छूना है। तुम यहां लंबे समय तक रहने और उड़ान भरने आए हो। मैं हमेशा तुम्हारी हौसला अफजाई करूंगी और तालियां बजाऊंगी।

आर्यन खान ने सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बतौर निर्देशक डेब्यू किया है। सीरीज की कहानी बॉलीवुड की दुनिया पर आधारित है, जिसमें एक्शन, कॉमेडी और स्टारडम देखने को मिलेगा।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले इस सीरीज में साहेर बंबा के अलावा, लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मोना सिंह, गौतमी कपूर, मनोज पहवा, रजत बेदी, मनीष चौधरी, विजयंत कोहली और रोहित गिल जैसे सितारे हैं।

वहीं, इसमें कई बड़े सितारों ने भी कैमियो किया हैं, जिनमें सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, करीना कपूर, सैफ अली खान, करण जौहर, रणवीर सिंह, दिशा पाटनी, अर्जुन कपूर, सुहाना खान और यहां तक कि तमन्ना भाटिया और यो यो हनी सिंह जैसे स्टार्स शामिल हैं।'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

जैकलीन फर्नांडिस को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, मनी लॉन्ड्रिंग केस में ट्रायल रहेगा जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को 200 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सुकेश चंद्रशेखर मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। अभिनेत्री ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी ओर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी गई थी।

जैकलीन की ओर से दलील दी गई थी कि

उनके खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं, वे पूरी तरह झूठे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्हें पता था कि जो महंगे तोहफे उन्होंने सुकेश से लिए, वे अवैध रूप से कमाई गई रकम से खरीदे गए थे। हालांकि, कोर्ट ने इस वक्त इस मामले में कोई हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने कहा कि यह आरोप है कि आपको 200 करोड़ रुपए के उपहार मिले, लेकिन कानून की प्रकृति ऐसी है कि कई बार यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि जब दो लोग आपस में करीबी होते हैं और उनमें से एक व्यक्ति किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होता है, तो दूसरे की भूमिका क्या रही; इसे अलग करना आसान नहीं होता। ऐसे मामलों में ट्रायल कोर्ट ही सही मंच होता है, जहां तथ्यों की गहराई से जांच की जा सकती है।

इस पूरे मामले पर जैकलीन फर्नांडिस के वकील प्रशांत पाटिल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हमारा जो मामला है, वह ट्रायल कोर्ट में चार्ज तय करने की बहस के स्तर पर है। हमारा सुप्रीम कोर्ट आने का उद्देश्य है कि हम चाहते हैं कि ट्रायल कोर्ट हमारे मामले को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से सुने। इसी कारण हमने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि हाईकोर्ट की टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाया जाए।

प्रशांत पाटिल ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में यह आदेश दिया है कि ट्रायल कोर्ट स्वतंत्र रूप से चार्ज पर बहस सुने और हाईकोर्ट की टिप्पणियां उसमें कोई बाधा न बनें।

कांतारा: चैप्टर 1 के ट्रेलर में लोककथा की रानी बनकर छा गईं रुक्मिणी वसंत

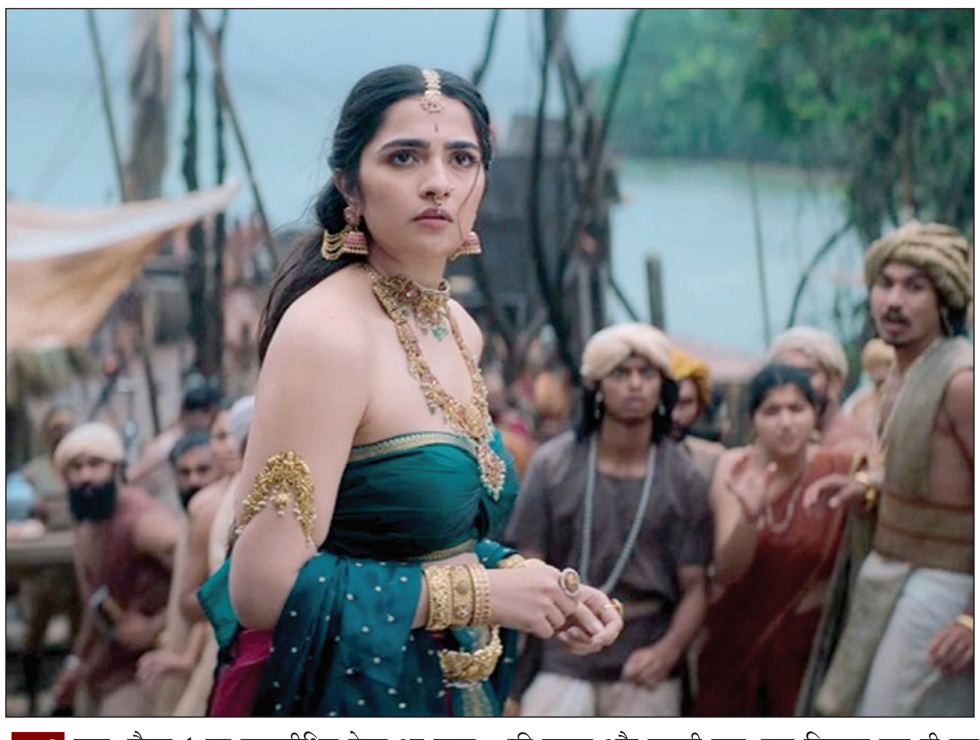

कांतारा: चैप्टर 1 का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आ चुका है और इसकी सबसे बड़ी झलक में चमक रही हैं राजकुमारी कनकवती यानी रुक्मिणी वसंत। फ़िरोज़ी रंग की सुनहरी बॉर्डर वाली ओढ़नी, गहनों से लदा-फदा शाही शृंगार भारी हार, चूड़ियों की कतार, झुमके, बाजूबंद, कमरपट्टा, नथनी और मांगटीका इन सबमें रुक्मिणी का अंदाज़ बिल्कुल अमर शान का एहसास कराता है। हल्का-सा चमकीला श्रृंगार और नन्हीं बिंदी उनकी गरिमा और दमख़म का परफ़ेक्ट संतुलन दिखाते हैं। परदे पर उनकी मौजूदगी ऐसी लगती है जैसे धरती की खुशबू और राजसी ठाठ-बाट मिलकर एक ही रूप में ढल गए हों देखने वाला बस वाह! कह उठे।

कनकवती शाही हैं, हाँ, लेकिन साथ ही इंसानी और संवेदनशील भी। मुझे उनकी गरिमा के साथ-साथ उनका जज़्बा भी अपनाना पड़ा। अब बेसब्री से इंतज़ार है कि लोग उन्हें सिनेमा घरों में देखें। आगे रुक्मिणी वसंत अपने हुनर को और नए रंग-रूप देने वाली हैं। तेज़-तर्रार एनटीआर-प्रशांत नील की जोड़ी के साथ फ़िल्म और साथ ही एक दिलचस्प अंतरराष्ट्रीय परियोजना टॉक्सिक: अ फेरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स भी।

अभिनेत्री राशि खन्ना देसी लुक में नजर आईं

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों फिल्म तेलुस कडा को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस से प्यार के उन अनकहे कोनों को छुआ है, जो हर इंसान के मन में कहीं न कहीं छिपे रहते हैं। तस्वीरों में अभिनेत्री देसी लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने नारंगी रंग की हैंड-एंब्रॉयडरी चिकनकारी कॉटन कुर्ती पहन रखी है। यह कुर्ती इतनी हल्की-फुल्की है कि गर्मियों की शामों में ठंडक का एहसास कराती है। हाथों में पिंक चूड़ियों की खनक उनकी नाजुक कलाईयों में जच रही है। वहीं, मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने माथे पर बिंदी लगाई हुई है। तस्वीरों की तो बात करें तो, पहली तस्वीर में राशि हल्की-सी मुस्कान बिखेरते हुए कैमरे की ओर देख रही हैं। उनकी आंखों में एक शरारती चमक है, जो प्यार के सवाल को और गहरा बनाती है। दूसरी तस्वीर में वह बालों को हल्के से थामे, दिलकश अंदाज में पोज दे रही हैं और होंठों पर हल्की-सी हंसी है। तीसरी फोटो में वह मुस्कराती हुई सीधी नजर से कैमरे को घूर रही हैं।

इंस्टाग्राम पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स जमा हो चुके हैं। एक फैन ने लिखा, ईर्ष्या को कभी माफ नहीं कर सकती। तो दूसरे ने कहा, अनदेखी सबसे बड़ी सजा।

अभिनेत्री के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो उनकी कई फिल्में रिलीज के लिए लाइन में लगी हैं। आगामी फिल्म 'तेलुस कडा' की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।तेलुसु काडा में राशि के साथ सिद्धू जोनालागड्डा और श्रीनिधि शेट्टी भी अहम रोल में होंगे। इसका निर्देशन नीरजा कोना द्वारा किया जा रहा है। साथ ही फिल्म की एडिटिंग श्रीकर प्रसाद द्वारा की गई है।

जब किस्मत ने दो राहें बदली : प्रेम चोपड़ा और पलाश सेन की अनसुनी दास्तान

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं, जो बनना तो कुछ और चाहते थे, लेकिन किस्मत ने उनके लिए इंडस्ट्री का दरवाजा खोल दिया। ऐसे ही दो सितारे हैं, प्रेम चोपड़ा और डॉ. पलाश सेन, जिनकी जिंदगी एक अजनबी मोड़ ने बदल दी। कभी डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने का सपना देखने वाले पलाश सेन अचानक माइक थामकर गायक बन गए, वहीं मामूली नौकरी से घर का गुजारा करने वाले प्रेम चोपड़ा भी फिल्मों में दिखने लग गए।

एक दिन लोकल ट्रेन में सफर करते वक्त एक अजनबी ने उनसे पूछा, ''फिल्म में काम करोगे?'' तो प्रेम ने बिना सोचे 'हां' कर दी। उसी अजनबी के जरिए उन्हें पंजाबी फिल्म 'चौधरी करनैल सिंह' में काम करने का मौका मिला और यहीं से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। यह फिल्म हिट रही और इसके बाद प्रेम चोपड़ा को हिंदी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल मिलने लगे।

साल 1964 में आई फिल्म 'वो कौन थी?' उनके

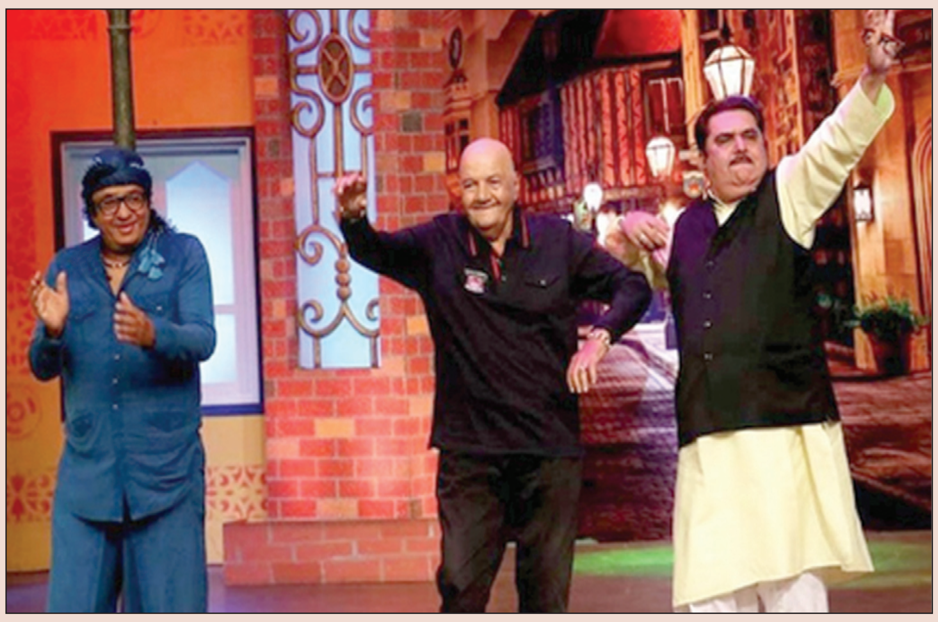

करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई, जिसमें उन्होंने खलनायक का किरदार निभाया। इसके बाद वे बॉलीवुड के सबसे खूंखार विलेन बन गए। उनका डायलॉग 'प्रेम नाम है मेरा प्रेम चोपड़ा' आज भी सिनेमा प्रेमियों की जुबां पर रहता है। उन्होंने करीब 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें 'शहीद', 'बॉबी', 'दूसरा आदमी', 'गुप्त', और 'कोई मिल गया' जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने कई हीरो वाले रोल भी किए, लेकिन दर्शकों ने उन्हें विलेन के रूप में ज्यादा पसंद किया।लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने कई अवॉर्ड्स जीते और अपने अभिनय से हर पीढ़ी को प्रभावित किया। वह 89 साल की उम्र में भी सिनेमा से जुड़े हुए हैं। हाल ही में वह आर्यन खान द्वारा निर्देशित सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं डॉ. पलाश सेन की कहानी एकदम अलग है लेकिन प्रेम चोपड़ा जितनी ही दिलचस्प है। उनका जन्म 23 सितंबर 1965 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई की और सर्जन बनने की दिशा में कदम बढ़ाया। लेकिन मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही उन्हें संगीत से प्यार हो गया। 1998 में उन्होंने 'यूफोरिया' नाम से एक इंडी रॉक बैंड बनाया, जिसने हिंदी म्यूजिक को एक नई दिशा दी। उनके गाने 'मायरी', 'धूम पिचक धूम', और 'जिया जाए न' जैसे गानों ने लोगों के दिलों पर राज किया।

पलाश सेन अपने यूनिक अंदाज, इंडियन फोक स्टाइल और देसी रॉक म्यूजिक के लिए जाने जाते हैं। संगीत की दुनिया में नाम कमाने के बाद पलाश सेन ने फिल्मों की तरफ भी रुख किया। उन्होंने 'फिलहाल' और 'लक्ष्य' जैसी फिल्मों में अभिनय किया, हालांकि उनकी मुख्य पहचान एक गायक के रूप में ज्यादा लोकप्रिय रही। दिलचस्प बात यह है कि फिल्मों में उनकी एंट्री भी उतनी ही अप्रत्याशित थी जितनी प्रेम चोपड़ा की। इसके लिए उनका कोई प्लान नहीं था। बस म्यूजिक और पॉपुलैरिटी ने उन्हें सीधे पर्दे तक पहुंचा दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुशबू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 सितंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 03:22 तक
नक्षत्र : हस्त दोपहर 12:10 तक
योग : ब्रह्म सायं 06:52 तक
करण : बालव दोपहर 02:22 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 01:26 तक
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:11 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:15 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:02 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ब्रह्मचारिणी पूजन, चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में खान विभाग की बड़ी पहल

मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ ही खानों को परिचालन में लाने की तैयारी

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में माइनिंग सेक्टर में आत्म निर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ते हुए अब मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ ही खानों को परिचालन में लाने की तैयारी शुरु कर दी गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा मेजर मिनरल के प्री–एम्बेडेड ब्लॉकों की नीलामी की राह प्रशस्त की है। जल्दी ही प्री–एम्बेडेड ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया आरंभ होने के साथ प्री एम्बेडेड ब्लॉकों की नीलामी करने वाला राजस्थान देश का प्रमुख और पहला राज्य बन जाएगा। हालांकि अन्य प्रदेशों में भी तैयारियां जारी है। उन्होंने बताया कि आने वाले महीने–बीस दिनों में आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। इसके बाद ई नीलामी की निविदा सूचना जारी की जा सकेगी।

रविकान्त ने बताया कि केन्द्रीय खान मंत्रालय ने एमएमडीआर एक्ट में संशोधन कर सभी राज्यों से प्राथमिकता के आधार पर पांच–पांच ब्लॉक तैयार कर इनकी आवश्यक सभी अनुमतियां पहले से ही प्राप्त कर नीलाम करने को कहा है ताकि नीलाम खाने जल्द परिचालन में आ सके। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार के निर्देशों के अनुसार इसके लिए प्रोजेक्ट मानिटरिंग यूनिट घोषित कर आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने का काम उससे पूरा कराकर इसके बाद मिनरल ब्लॉकों का ऑक्शन किया जाएं। राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट आरएसएमईटी को पीएमयू घोषित कर आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की जिम्मेदारी दी गई है।

मिनरल ब्लॉकों की नीलामी से पहले ही आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर ब्लॉक की नीलामी करने की प्रक्रिया को प्री–एम्बेडेड कहा जाता है। इससे खनन ब्लॉक की नीलामी के बाद परिचालन में लगने वाले समय की बचत होने के साथ ही नीलामी में अधिक राजस्व, शीघ्र खनन कार्य आरंभ होने और निवेश, रोजगार और राजस्व में बढ़ोतरी संभव हो सकेगी। माइनिंग सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग की दिशा में बढ़ता कदम होगा। केन्द्र सरकार भी इस पर बल दे रही है और राज्यों को कम से कम पांच–पांच प्री–एम्बेडेड ब्लॉक तैयार कर ई–नीलामी करने पर जोर दे रही है।

रविकान्त ने बताया कि प्री–एम्बेडेड ब्लॉकों की जियोलोजिकल रिपोर्ट, ब्लॉकों का सीमांकन, डीजीपीएस सर्वे सहित आवश्यक औपचारिकताएं आरएसएमईटी द्वारा पूरी कर ली गई है और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने का कार्य जारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल्द ही अन्य अनुमतियां प्राप्त कर प्री–एम्बेडेड ब्लॉकों की सबसे पहले नीलामी करने वाला संभवतः राजस्थान सबसे पहला प्रदेश बन जाएगा। इससे प्री–एम्बेडेड नीलाम खानों में एलओआई जारी होने के बाद शीघ्र खनन कार्य आरंभ हो सकेगा। इससे खनिजों की आपूर्ति व्यवस्था में तेजी आएगी और निवेश और रोजगार वृद्धि से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

शहरी सेवा शिविर बन रहे आमजन की सेवा के पर्याय : भजनलाल

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रारम्भ किए गए शहरी सेवा शिविर–2025 जन–सेवा का पर्याय बन रहे हैं। 17 सितम्बर से प्रारम्भ हुए इन शिविरों में अब तक हजारों की संख्या में आमजन के प्रकरणों का निस्तारण कर त्वरित राहत पहुंचाई गई है।

मुख्यमंत्री शर्मा के सतत् पर्यवेक्षण के फलस्वरूप इन शिविरों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। अद्यतन प्रगति रिपोर्ट (सोमवार तक) के अनुसार इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के कुल 3 हजार 656 पट्टों का वितरण किया जा चुका है। इनमें धारा 69–ए के अन्तर्गत 290 परिवारों को पट्टे का वितरण तथा 237 अपंजीकृत पट्टों को पुनर्वैध कर उनका पंजीकरण किया गया है। कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं में 2 हजार 121 लोगों के पट्टे स्वीकृत किए गए है। वहीं, निकाय, न्यास एवं प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं के अन्तर्गत 552 पट्टे जारी किए गए हैं। पूर्व में जारी पट्टों के समर्पण के बाद 63 नए पट्टे पुनः जारी किए गए और 203 प्रकरणों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड में परिवर्तित किया गया। साथ ही, 42 पट्टे स्टेट ग्रांट के तहत स्वीकृत हुए हैं। इन शिविरों के माध्यम से कच्ची बस्ती नियमन के तहत 148 बस्तियों को कानूनी पहचान प्रदान भी की गई। यह अभियान केवल पट्टा वितरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नगरीय निकायों को स्वच्छ, सुगम और हरित बनाने की दिशा में अहम साबित हो रहा है। अब तक रहवासी क्षेत्रों में 16,525.5 किलोमीटर सड़कों और वाणिज्यिक क्षेत्रों में 12,023.15 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई है। सीवर कनेक्शन के 2 हजार 287 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं, वहीं जन्म–मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से जुड़े 17 हजार 593 प्रकरणों का निस्तारण भी हुआ है।

मैं भजनलाल के खिलाफ नहीं हूँ, लेकिन अधिकारी जनता की सुनते नहीं : गहलोत

भीलवाड़ा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य मे सरकार नाम की कोई चीज नही है। जनता की सुनवाई नही हो रही है, अधिकारी जनता की सुनते नही, प्रदेश मे क्राइम बढता जा रहा है। वो जमकर राज करे साथ ही इकबाल कायम करें। मैं प. भजन लाल के खिलाफ नहीं हूँ, मेरी जनता के साथ सहानुभूति है। सरकार को जनता की सुध लेनी चाहिए। सरकार वादे पुरे करेगी, पता नही मुख्यमंत्री का सलाहकार कौन है। उन्होंने कहा कि बिजली के नये कनेक्शन किसानों को नही मिल पा रहे है। हर विभाग मे ठैकेदारो के पेमेंट रूके हुए है। पशुपालकों को पशु आहार नहीं मिल पा रहा है। हमने मेडिकल के क्षेत्र मे राजस्थान को देश मे मॉडल राज्य बनाया है। 25 लाख रूपये तक की इलाज की सुविधा दी है। मगर अभी की सरकार इलाज की बजाय करोड़ो रूपये विज्ञापनो पर लुटा रही है। यह सरकार गंभीर नही है। परिसिमन जनता की राय से हो, परिसिमन मे बेइमानी नही होनी चाहिए।

भीलवाड़ा के बारे मे उन्होने कहा कि भीलवाड़ा जैसे शहर मे स्थित सरकारी चिकित्सालय मे केथ–लेब तक नही है, ऐसे मे मरीजो को इलाज कराने के लिए बाहर जाना पड़ता है। भीलवाड़ा मे बजरी माफिया हावी है। यह कानून व्यवस्था बिगाड़ने का काम कर रहे है। यहा तक कि चित्तौडगढ जिले की कपासन तहसील मे विधायक के इशारे पर मारने के लिए भीलवाडा के बजरी माफिया गये थें।

भीलवाड़ा मे सीवरेज की समस्या है। गंदे पानी के चलते किसानो के खेत बर्बाद हो रहे है। यहां तक की रायला क्षेत्र मे मॉब ब्लीचिंग की घटना होने की जानकारी सामने आ रही है। गहलोत ने जीएसटी के बारे मे कहा कि उन्हें भी पहले एक स्लेब की बात की थी। कन्हैया लाल के मर्डर के बारे मे उन्होंने कहा कि तीन साल होने को आये है, एनआईए एजेंसी ने क्या किया। मारने वाले दोनों बीजेपी के कार्यकर्ता है, ऐसा क्या कारण है, कि एनआईए इस केस पर ध्यान नही दे रही है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी के बारे मे उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वो निष्पक्ष होकर काम करेगें। डोटासरा की गैर मौजूदगी मे उन्होंने जो किया वह गलत है। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, जिलाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल डांगी, पूर्व नगर परिषद सभापति ओम नर–ाणीवाल, मंजू पोखरना, मधु जाजू, मोहम्मद हारून रंगरेज सहित कई लोग उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत अपने दो दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दौरान सोमवार को सर्किट हाउस मे आयोजित प्रेसवार्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य मे बरसात ज्यादा होने से फसलें खराब हो गई। किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए। हमने पहले सभी को 100 यूनिट बिजली फ्री दी थी, जो अब तक मिल रही है। मगर बाद वालो पर रोक लगी हुई है। उनके साथ यह भेदभाव नहीं होना चाहिए। यह गलत है, उस दौरान रजिस्ट्रेशन नहीं कराने मात्र से यह भेदभाव हो रहा है। जो गलत है।

विकसित भारत के सपने को साकार कर रहा वैश्य समाज: डॉ. गुप्ता

कुरुक्षेत्र, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अग्रवाल वैश्य समाज बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं डोनर्स फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रजनीश गुप्ता ने आज कुरुक्षेत्र में अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर अग्रवाल धर्मशाला कुरुक्षेत्र में रखी गई संकल्प से सृजन विषय पर संगोष्ठी में कहे ।उन्होंने कहा कि वैश्य समाज भारत की जीडीपी में मुख्य भूमिका निभाता है, किसी भी देश को विकसित होने के लिए उसकी आर्थिक स्थिति का मजबूत होना मुख्य आधार होता है, किसी देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में व्यापार उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का मुख्य योगदान होता है, जिसमें वैश्य समाज हमेशा अग्रणी रहा है।

दुनिया में विकसित देश की अर्थव्यवस्था में भी हमारे देश से अपनी सेवाएं देने वाले पुरुष और महिलाओं में वैश्य समाज का 50% से अधिक योगदान रहता है । जिससे उन देशों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और वह देश विकसित कहलाते हैं ।

कुमुदलता के सानीध्य में प्रभु अरिष्टनेमी व पार्श्वनाथ भगवान की आराधना

भीलवाड़ा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। महासाध्वी मण्डल से प्रेरणा मिली तो बच्चों से लेकर बुर्जुगों तक ने संकल्प लिया था महामंगलकारी अनुष्ठान में शामिल होकर चौबीस घंटे में तीर्थंकर अरिष्टनेमी भगवान की 180 माला ओर तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान की 100 माला फेरनी है। कई भक्तों को लग रहा था कि इतने कम समय में इतनी माला कैसे पूरी होगी। संकल्प मजबूत रहा तो आध्यात्मिक सफर भी आगे बढ़ता गया ओर सफलतापूर्वक 280 मालाएं गिनते हुए पूर्णाहुति होने पर संकल्प सिद्धि में बदल गया। सोमवार सुबह जाप की पूर्णाहुति से पहले पूरी रात अनुष्ठान पांडाल में हर उम्र वर्ग के श्रावक श्राविका नींद की परवाह किए बिना माला पूर्ण करने में जुटे रहे। कई श्रावक श्राविकाएं पूरी रात हाथ में रूद्राक्ष की माला लिए पार्श्वनाथ भगवान का नाम लेते नजर आए। जो माला पूर्ण होने के बाद रात में घर चले गए थे वह भी सुबह 5 बजे बाद फिर से पांडाल में लौट आए। महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में पूर्णतया जैन विधि से हुए निःशुल्क महामंगलकारी अनुष्ठान पूर्णाहुति कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद दामोदर अग्रवाल थे जबकि अध्यक्षता मुंबई से आए सीए दिलीप नाबेड़ा ने की।

मुख्यमंत्री सैनी ने लाडवा अनाज मंडी से किया धान के खरीद कार्य का शुभारंभ

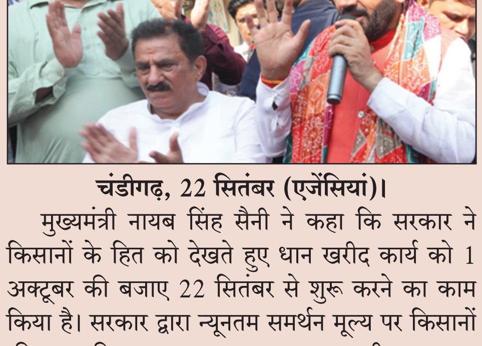

चंडीगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने किसानों के हित को देखते हुए धान खरीद कार्य को 1 अक्टूबर की बजाए 22 सितंबर से शुरू करने का काम किया है। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों की धान की फसल का एक–एक दाना खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को जिला कुरुक्षेत्र की लाडवा अनाज मंडी में धान के खरीद कार्य का शुभारंभ करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा अनाज मंडी में धान की खरीद कार्य को शुरू करवाया और किसानों तथा व्यापारियों से बातचीत करते हुए कहा कि किसानों के अनुरोध पर धान खरीद कार्य को निर्धारित समय से पहले शुरू करवाया गया है। इतना ही नहीं किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए गत दिवस हिसार कृषि मेले में किसानों ने गेहूं के बीज पर सब्सिडी देने की मांग रखी थी। इस मांग को चंडीगढ़ जाते ही पूरा किया गया और बीज पर सब्सिडी देने की अधिसूचना को जारी करवाया गया। मुख्यमंत्री के सामने खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा किसान अमित कुमार व चरण सिंह की लगभग 100 क्विंटल पीआर धान की खरीद की गई।

नायब सिंह सैनी ने माता मनसा देवी मंदिर में की पूजा, जीएसटी सुधारों की सराहना की

पंचकूला, 22 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नवरात्र के पहले दिन अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी के साथ पंचकूला स्थित शक्तिपीठ माता मनसा देवी मंदिर में पहुंचकर पूजा–अर्चना की। सीएम सैनी ने माता के चरणों में माथा टेककर प्रदेश की सुख–समृद्धि और जनता के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रांगण की यज्ञशाला में भी पत्नी संग विशेष पूजा की। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का विशेष धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को जीएसटी सुधारों का ऐलान किया था और महज एक महीने के भीतर इसे लागू किया। कई वस्तुओं पर जीएसटी जीरो कर दिया गया है। खेती और कृषि क्षेत्र पर भी जीएसटी कम किया गया है, जिससे हरियाणा के किसानों और उद्योगपतियों को सीधा फायदा मिलेगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयानों पर तल्ख टिप्पणी करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय इंस्पेक्टरी राज चलता था, लोगों के कपड़े तक उतार लिए जाते थे। तब भी खड़गे साहब थे। आज वही कांग्रेस जीएसटी सुधारों का विरोध कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में धान की खरीद प्रक्रिया आज से ही शुरू हो रही है और साथ ही जीएसटी की नई दरें भी लागू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लोकल फॉर वोकल नारे को अपनाना होगा। हमें विदेशी वस्तुओं को छोड़कर स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए ताकि भारत विकसित भारत बन सके।

उल्लेखनीय है कि भारत के टैक्स सिस्टम में सोमवार से यह बदलाव लागू हो गया है। नया गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी 2.0) पूरे देश में प्रभावी हो चुका है, जो टैक्स ढांचे को सरल बनाने और आम नागरिकों को राहत प्रदान करने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम है।

केंद्र और प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चल रही है : सैनी

चंडीगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सर्वप्रथम लोगों को शरदीय नवरात्रों की बधाई दी और महाराजा अग्रसेन को नमन किया। उन्होंने अग्रवाल समाज के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि यह समाज सदैव देश व समाज के लिए और उससे भी बढ़कर सम्पूर्ण मानवता के लिए महान सेवाएं प्रदान करता रहा है। उन्होंने समाज के कई महापुरुषों का नाम लेते हुए कहा कि जिस क्षेत्र पर नजर डालें, हर क्षेत्र में अग्रवाल समुदाय के लोगों की भूमिका देखने को मिलती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज मुख्यतः व्यापार और उद्योग से जुड़ा है। हरियाणा सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में उद्योग और व्यापार के अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार की नीतियों के कारण आज हरियाणा देश–विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए 'हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन किया है। हमने हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों और सिद्धांतों को याद रखें। उन्होंने बताया कि आज नवरात्रों से देशभर में जीएसटी में हुए सुधारों को लागु किया जा रहा है, इससे व्यापारी वर्ग में विशेष उत्साह है।

अडानी समूह को 1 रुपये प्रति एकड़ जमीन देने के खिलाफ माले का प्रदर्शन

लीज रद्द करने की उठी मांग

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के जमुई में अडानी समूह को 1050 एकड़ सरकारी जमीन मात्र 1 रुपये प्रति एकड़ सालाना किराये पर 33 साल के लिए देने के फैसले के विरोध में सोमवार को भाकपा (माले) ने जमुई कचहरी चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया। कार्यकर्ताओं ने सरकार की कॉरपोरेट परस्त नीतियों पर तीखा हमला बोला।

प्रतिवाद सभा की अध्यक्षता माले के युवा नेता बाबू साहब सिंह ने की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार गरीब भूमिहीनों को रहने के लिए जमीन नहीं देती, लेकिन अडानी समूह को सिर्फ 1 रुपये प्रति एकड़ सालाना पर हजारों एकड़ जमीन सौंप रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने 6 रुपये प्रति यूनिट की दर से अडानी समूह से बिजली खरीदने का करार किया है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

माले नेताओं ने कहा कि हाल ही में सरकार ने करीब 2600 स्कूलों का विलय कर दिया, जिनमें ज्यादातर गरीब और दलित इलाकों के स्कूल शामिल थे। सवाल यह है कि जब स्कूल और अस्पताल के लिए जमीन की जरूरत होती है, तब सरकार जमीन की कमी का बहाना बनाती है, लेकिन कॉरपोरेट घरानों को रियायती दर पर जमीन देने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाती। यह नीति सरकार के पूंजीपतिपरस्त रवैये को साफ दर्शाती है।

इस मौके पर माले नेता मनोज कुमार पांडेय, बासुदेव रॉय, राहुल यादव, कल्लू मरांडी, कंचन रजक, नितेश्वर आजाद, मोहम्मद हैदर, किरण सहित बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मांग की कि सरकार अडानी को दी गई जमीन की लीज रद्द करे और गरीबों, किसानों व सार्वजनिक जरूरतों के लिए जमीन उपलब्ध कराए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए - कॉरपोरेट परस्त सरकार मुर्दाबाद और भूमिहीनों को जमीन दो।

शारदीय नवरात्र की धूम : मुजफ्फरपुर के मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। शारदीय नवरात्र का शुभारंभ आज से हो गया है। इस बार नवरात्र 10 दिनों तक चलने वाला है और इसका विशेष महत्व माना जा रहा है। पहले दिन देवी दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना तथा कलश स्थापना के साथ नवरात्र का शुभारंभ हुआ।

मुजफ्फरपुर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। भक्त जय माता दी के जयकारों के साथ मंदिरों में पहुंचकर माता के दर्शन और पूजन कर रहे हैं। शहर के राजराजेश्वरी शक्तिपीठ, संतोषी माता मंदिर, महामाया मंदिर और बंगलामुखी मंदिर में विशेष भीड़ देखी जा रही है। भक्तों का मानना है कि नवरात्र के पहले दिन माता के दर्शन करने से समस्त दुख दूर हो जाते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिरों में भव्य सजावट और विशेष पूजन-अर्चना की गई है।

राजराजेश्वरी देवी मंदिर के प्रधान पुजारी मिथिलेश तिवारी ने बताया कि यह मंदिर अपने आप में विशेष महत्व रखता है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु नवरात्र ही नहीं, बल्कि वर्षभर दर्शन करने आते हैं। नवरात्र में मंदिर में विशेष तैयारियां की जाती हैं ताकि भक्तों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मंदिर प्रशासन की ओर से महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिए एनसीसी के जवान तैनात किए गए हैं और पूरे मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ताकि उपद्रवियों पर नजर रखी जा सके। नवरात्र के पहले दिन से ही पूरे शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है।

राजगीर में श्रीलंकाई पर्यटक की मौत, विश्व शांति स्तूप भ्रमण के दौरान हुआ हादसा

नालंदा (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल राजगीर में सोमवार को एक दुखद घटना सामने आई। श्रीलंका के 74 वर्षीय पर्यटक पराना मैननागे की मौत हो गई। घटना राजगीर थाना क्षेत्र के आकाशीय रज्जू पथ पर हुई। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से 87 सदस्यीय श्रीलंकाई पर्यटकों की टीम भारत दौरे पर है। टीम बनारस और बोधगया की यात्रा के बाद आज सुबह राजगीर भ्रमण के लिए आई थी। इसी दौरान वे विश्व शांति स्तूप का दर्शन कर रहे थे।

विश्व शांति स्तूप तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों से चढ़ाई करते समय पराना मैननागे अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उनके साथ आए पर्यटकों ने तुरंत सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास असफल रहा। उन्हें रोपवे प्रबंधक के कर्मियों की मदद से राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मौत का कारण हार्ट अटैक हो सकता है। मृतक का शव उनके साथ आए सहयोगियों को सुपुर्द कर दिया गया है और इसे श्रीलंका भेजने की तैयारियां की जा रही हैं। मरने वाला व्यक्ति श्री लंका के कोलंबो स्थित किरुला-पोन थानाक्षेत्र के 145/28 सी-हाईलेवल रोड स्व पराना मैनाज के 67 वर्षीय पुत्र निवासी धनपाल के रुप में की गई है।

हरियाणा से बिहार आया ट्रक, लदे थे प्याज के बोरे... डाला खुलते ही पुलिस अधिकारी हो गए हैरान!

आरा (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव और दशहरा पर्व को देखते हुए जिले में मद्यनिषेध विभाग का अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। भोजपुर के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के दौरान बक्सर-पटना फोरलेन पर बड़ी सफलता मिली।

पुलिस ने एक ऐसे ट्रक को पकड़ा, जिसमें प्यार के बोरे भरे हुए थे। सड़े-गले प्यार से बदबू आ रही थी। इसी की आड़ में शराब की तस्करी की जा रही थी। ताकि कोई तलाशी ले तो उसे प्याज की महक लगे।

सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली थी कि हरियाणा से एक बारह चक्का ट्रक में भारी मात्रा में विदेशी शराब लाई जा रही है। इसी सूचना पर निरीक्षक प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में छापेमारी टीम बनाई गई। सुबह-सुबह दौलतपुर ओवरब्रिज के पास वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोका गया। पुलिस अधिकारी ने ट्रक के डाले को खुलवाया और ट्रक पर चढ़े तो उन्हें सड़े-गले प्याज के नीचे छिपाकर रखी गई अवैध विदेशी शराब की पेटियां मिलीं।

सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश ने बताया कि पकड़े गए ट्रक का चालक देवा राम (पिता चूतरा राम) और उसके साथी जसराज (पिता गुमना राम), दोनों ही बाड़मेर, राजस्थान के रहने वाले हैं। इन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

रजनीश ने बताया कि जांच में ट्रक से 2,160 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। इसमें इंपीरियल ब्लू ग्रीन व्हिस्की 375 एमएल की 129 पीस और मेक डेविल नंबर-01 डीलक्स व्हिस्की 750 एमएल की 2232 पीस शामिल है। कुल 3,528 बोतलों की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है। जब्त खेप को हरियाणा से पूर्णिया ले जाया जा रहा था।

मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि विधानसभा चुनाव और त्योहारों के दौरान अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी और जांच अभियान जिले में लगातार जारी रहेगा।

लोकतंत्र कांग्रेस के शासन काल में खतरे में था बिहार में फिर आ रही एनडीए सरकार: प्रमोद सावंत

पटना (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा नहीं हुई है लेकिन बीजेपी ने अपने नेताओं को प्रचार के लिए बिहार भेजना शुरू कर दिया है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत दो दिन तक बिहार का दौरा करने के बाद लौट गए। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने वाली है। उन्होंने राहुल गांधी के लोकतंत्र को खतरे के आरोप पर कहा कि देश में लोकतंत्र सबसे अधिक कांग्रेस के शासन काल में खतरे में था।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार, पीएम मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' और विकसित बिहार के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्हें विश्वास है कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। सावंत ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को बचाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने बिहार में विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि राज्य में बहुत बदलाव आया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के शासन में लोकतंत्र खतरे में था, जबकि मोदी सरकार में विकास हो रहा है।

सावंत ने एक समाचार एजेंसी से कहा कि उन्होंने बिहार में बीजेपी के लिए प्रचार किया। उन्होंने पटना और दरभंगा जिलों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार

सरकार ने राज्य के लोगों के विकास के लिए काम किया है। सावंत ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को बचाना चाहते हैं, जो कि बिहार में बस गए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग जानते हैं कि एनडीए सरकार 'विकसित भारत' और 'विकसित बिहार' के लिए काम कर रही है। सावंत ने विश्वास जताया कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

गोवा के मुख्यमंत्री ने बिहार में आए बदलावों की प्रशंसा की। पटना में उन्होंने कहा कि बिहार में बहुत बदलाव आया है। उन्होंने एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बताया। सावंत ने कहा, 'मैं पहली बार चुनाव के दौरान बिहार आया। जैसे ही मैं उतरा मैंने देखा कि बिहार कितना बदल गया है। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आ गया हूं।

सावंत ने यह भी बताया कि वे दो दिन तक बिहार में थे और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। सावंत ने विश्वास जताया कि जनता बीजेपी सरकार को फिर से सत्ता में लाएगी। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से बिहार के लोग डबल इंजन सरकार को वापस लाएंगे।'

गोवा के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के उस बयान पर भी टिप्पणी की जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। सावंत ने जवाब दिया कि लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक समय कांग्रेस के शासनकाल में था।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन विकास पर ध्यान दिया जा रहा है, जिससे बिहार और पूरे देश को फायदा हो रहा है। सावंत ने कहा, 'मैं कहूंगा कि सबसे बड़ा खतरा कांग्रेस के समय में था। अब मोदी जी की 'सबका साथ सबका विकास' सरकार है। इसलिए बिहार और बाकी देश में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और मानव संसाधन विकास बहुत अच्छी तरह से चल रहा है।'

दूध के पैसे के विवाद में किशोर की निर्मम तरीके से हत्या

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के देकुली स्थित एक बगीचे से रविवार को 12 वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान हरपट्टी गांव निवासी रौशन दास के रूप में हुई है, जो शनिवार दोपहर से लापता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शव पर ईंट-पत्थर से वार किए गए थे, ताकि पहचान न हो सके। शव मिलने की खबर फैलते ही परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी

संजय कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन अन्य लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

मृतक की मां ने बताया कि उसका बेटा दूध देने के लिए संजय शर्मा के घर जाया करता था। शनिवार दोपहर वह वहां पैसा लेने गया था। संजय ने उसे कहा था कि दोपहर में अढच से पैसा निकालकर देंगे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। देर शाम तक खोजबीन की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। रविवार को एक महिला ने गांववालों को बगीचे में शव पड़े होने की सूचना दी।

ग्रामीणों ने बताया कि मृतक के बड़े भाई और आरोपी संजय शर्मा की पत्नी के बीच कथित अवैध संबंध थे। इसे लेकर मृतक का भाई और आरोपी की पत्नी विरोध करते थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी रंजिश में इस हत्या को अंजाम दिया गया है।

बहादुरपुर थानाध्यक्ष ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

पत्नी के प्रेम प्रसंग से आहत युवक ने की आत्महत्या, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के आहोक घाट कीर्ति टोल निवासी एक युवक ने पत्नी के प्रेम प्रसंग और अश्लील वीडियो के चलते आहत होकर आत्महत्या कर ली। यह घटना देश की राजधानी दिल्ली की है, जहां मृतक पांडव यादव ड्राइवरी का काम करता था। जानकारी के अनुसार, 17 सितंबर को दिल्ली में युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन घटना की सूचना मिलने पर दिल्ली पहुंचे और 19 सितंबर की देर शाम शव को गांव लाया गया। अगले दिन मुंगेर घाट पर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

मृतक के परिजन और ग्रामीण इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि साजिशन हत्या बता रहे हैं। उनका आरोप है कि मृतक की पत्नी का प्रेमी लंबे समय से उसे

मानसिक रूप से परेशान कर रहा था और दबाव बना रहा था। इसी क्रम में उसने मृतक के फोन पर एक आपत्तिजनक वीडियो भेजा था।

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक की पत्नी और गांव के ही एक युवक निर्मल के बीच पिछले एक साल से संबंध थे। आरोप है कि मृतक की गैरमौजूदगी में दोनों की मुलाकातें होती थीं। इस दौरान एक आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया गया था, जिसे बाद में ब्लैकमेलिंग के लिए इस्तेमाल किया गया। परिजनों ने बताया कि मृतक ने करीब तीन साल पहले बाजार में एक कट्ठा जमीन पत्नी के नाम से खरीदी थी। आरोप है कि पत्नी का प्रेमी उस जमीन को अपने नाम करवाने के लिए दबाव बना रहा था।

इसी विवाद के दौरान उसने मृतक को वीडियो भेज दिया, जिससे आहत होकर पांडव ने आत्महत्या का कदम उठा लिया।

घटना के बाद मृतक का परिवार गहरे सदमे में है। पिता निर्धन यादव कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं। पत्नी भी मानसिक रूप से टूट चुकी है। इस पूरे मामले में परिजनों ने मृतक की पत्नी के प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com